हमारा समाज
और
पर्यावरण–7

विषय-सूची

इकाई-1 (इतिहास)

1.	मध्यकालीन भारत का परिचय	3
2.	नए राजा और राज्य	4
3.	दिल्ली के सुल्तान	7
4.	मुगल साम्राज्य	10
5.	मुगल साम्राज्य	13
6.	अठारहवीं शताब्दी का राजनैतिक परिदृश्य	16
7.	मध्ययुग की निर्माण कला	19
8.	नगर, व्यापारी और शिल्पकार	21
9.	जलजातियाँ - खानाबदोष और एक जगह बसे हुए समुदाय	22
10.	भक्ति और सूफी आंदोलन	24
11.	क्षेत्रीय संस्कृतियों का विकास	27

इकाई-2 (पर्यावरण)

1.	पर्यावरण	30
2.	पृथ्वी का परिवर्तित होता हुआ रूप	31
3.	पृथ्वी का आंतरिक आवरण तथा आंतरिक शक्तियाँ	34
4.	वायुमंडलीय दाब तथा पवनें	36
5.	वायु में आर्द्रता	39
6.	महासागरों का जल	40
7.	धरती पर जीवन	42
8.	मानव पर्यावरण : बस्तियाँ परिवहन एवं संचार	45
9.	विभिन्न प्रकार के पर्यावरण में लोगों का जीवन	46

इकाई-3 (सामाजिक तथा राजनैतिक जीवन)

1.	बींसवी शताब्दी में भारत और विश्व	50
2.	भारतीय संविधान की रचना	51
3.	हमारे राष्ट्रीय प्रतीक एवं चिह्न	53
4.	नागरिकता और नागरिक जीवन	54
5.	हमारे मूल अधिकार, कर्त्तव्य तथा नीति निर्देशक तत्व	56
6.	केंद्रीय सरकार	58
7.	राज्य सरकार	60
8.	प्रजातंत्र में संचार माध्यमों का महत्व	62

भाग–1 (इतिहास)

1 मध्यकालीन भारत का परिचय

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए :-

प्र.1 इतिहास के किस काल को मध्य काल कहा जाता है?

उ. प्राचीन काल और आधुनिक काल के बीच के काल को मध्यकाल कहते हैं।

प्र.2 आठवीं शताब्दी को मध्य युग का आरम्भ और अठहरवीं शताब्दी को इसका अंत क्यों माना जाता है?

उ. साधारणतः भारत में मध्य काल 8वीं शताब्दी से आरम्भ हुआ और 18वीं शताब्दी तक चला। अतः 18वीं शताब्दी को प्राचीन काल का अंत और मध्य काल का आरम्भ माना जाता है।

प्र.3 पाँचवीं शताब्दी ई0 और ग्यारहवीं शताब्दी ई0 के बीच के काल को यूरोप का अंधकार युग क्यों माना जाता है?

उ. पाँचवीं शताब्दी ई0 और ग्यारहवीं शताब्दी ई0 के बीच का काल अंधकार युग कहलाता है क्योंकि इस काल में व्याकुलता, अव्यवस्था, अस्थिरता और लगातार युद्ध होते रहे।

प्र.4 चंगेज खाँ कौन था और वह क्यों प्रसिद्ध थ?

उ. 1206 ई0 में, तरमुजिन नामक मंगोल योद्धा ने पूरी मंगोल जाति पर अपना नियंत्रण किया और चंगेज खाँ की उपाधि ली। 1211 ई. में, चंगेज खाँ ने उत्तरी चीन का विनाश करके प्रसिद्धि प्राप्त की।

प्र.5 हमें खुदे हुए लेख कहाँ मिलते हैं?

उ. हमें खुदे हुए लेख, स्मारक चिह्न, सिक्के और साहित्यिक पुस्तक आदि में मिलते हैं।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक दीजिए :-

प्र.1 अरबों की विजय का वर्णन कीजिए?

उ. सातवीं शताब्दी ई0 के दौरान एक धर्म, इस्लाम, ने जन्म लिया। इस धर्म ने अरब को एक महान् राजनीतिक शक्ति की तरह एकरूप किया। अरब ने बहुत से देशों पर विजय हासिल की जैसे :-

जोर्डन, सीरिया, इराक, तुर्की, फारस और मिस्त्र। उन्होंनें जल्दी ही भारत में सिंध पर कब्जा किया और एक मजबूत साम्राज्य स्थापित किया। पैगम्बर मोहम्मद की मृत्यु के बाद अरब पर खलीफाओं ने शासन किया। अरबों ने ग्याहरवीं शताब्दी ई0 तक लगातार शासन किया।

प्र.2 तुर्कों की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए?

उ. 1050 ई0 में, तुगरील बेग के आधिपत्य में तुर्कों ने बगदाद पर कब्जा किया। तुर्की खलीफाओं को इस्लाम के धार्मिक प्रधान की तरह आदर देते थे। खलीफाओं ने तुगरील बेग को सुलतान की नई उपाधि दी। उन्होनें मजबूत सेना बनाई।

तुर्कों ने 1400 ई0 से प्रथम विश्वयुद्ध तक अरब प्रायद्वीप के अधिकतर भाग पर शासन किया। उन्होनें ओटोमान साम्राज्य स्थापित किया। 1453 ई0 में उन्होंनें कांस्टेंटिनोपल को जीता, जो राम का सबसे बड़ा शहर है। उन्होंने प्राचीन समय में इसे दूसरा नाम इस्ताम्बुल दिया।

प्र.3 मंगोंलों की मुख्य उपलब्धियाँ क्या थी?

उ. 1206 ई0 में तुरमुजिम नामक मंगोल योद्धा ने चंगेज खाँ की उपाधि ली। उसने पहली बार सभी मंगोंलों को एकरूप किया। 1211 ई0 में, चंगेज खाँ ने उत्तरी चीन का विनाश किया। कम समय में ही मंगोंलों ने एक विशाल साम्राज्य स्थापित किया जो चीन से पौलैण्ड तक फैला।

1258 ई0 में, चंगेज खाँ के पोते हलाकू खाँ ने पश्चिमी एशिया का विनाश किया और बगदाद को नष्ट किया। 14वीं शताब्दी में, तैमूर लंग नामक एक नए मंगोल प्रधान ने चंगेज खाँ की अपेक्षा अधिक विनाशकारी

युद्ध आरम्भ कर दिया। उसने ईरान, इराक, मध्य एशिया, सीरिया, एनाटोलिया और उत्तरी भारत का विनाश किया।

प्र.4 यूरोप में सांमतवाद की प्रमुख विशेषताएँ क्या थीं?

उ. भूमि उच्चवर्णीय लोगों में बाँटी जाती थी। वे सामंत कहलाते थे। यह भूमि का उपहार सैनिक कार्यों के लिए दी हुई जागीर कहलाती थी। इसके बदले में, सामंत राजा को लड़ाई में मदद करने के लिए सिपाही उपलब्ध कराने और राजा को दूसरी सेवाएँ देने का वचन देते थे। सामंत अपनी भूमि के हिस्सों को आगे जमीदारों जो कम शक्तिशाली होते थे, में बाँटते थे। इन जमीदारों को बुलाए जाने पर सामंतों की सेना में लड़ना होता था। किसानों को जो कृषक दास कहलाते थे, इन जमीदारों की भूमि पर काम करना होता था। भू-स्वामी उत्पादन का सबसे अधिक हिस्सा लेते थे जबकि किसानों को दीनों की तरह जीवन बिताना पड़ता था।

प्र.5 मध्य युग का इतिहास जानने के विभिन्न स्त्रोत कौन-कौन से हैं ?

उ. इतिहासकारों ने अपनी खोजों को प्रकृति और अपने अध्ययन के काल पर आधारित होकर भूतकाल के बारे में जानने के लिए विभिन्न प्रकार के स्त्रोंतों का प्रयोग किया है।

इस काल के अध्ययन के लिए इतिहासकारों द्वारा प्रयोग किए गए स्त्रोंतों में कुछ निरंतरता है। वे जानकारी के लिए सिक्कों, लेखों, गृह-निर्माण की विद्या और साहित्यिक रिकार्ड पर भरोसा करते हैं। लेकिन इनमें भी निरंतरता नहीं है। इस काल में साहित्यिक रिकार्ड की किस्म और सख्या बढ़ती गई। हम इन स्त्रोंतों को दो समुह में बाँट सकते हैं - 1. पुरातत्त्व संबधी तथा 2. साहित्यिक स्त्रोत।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. क. अंधकार युग में यूरोप में *जनता* की दशा बहुत दयनीय थी।

ख. चंगेज खाँ की उपाधि *तरमुजिन* ने ली।

ग. ईसाइयों और मुसलमानों के बीच के धार्मिक युद्ध *क्रुसेड़* कहलाए।

घ. यूरोप में किसानों को *कृषक दास* के नाम से जाना जाता था।

ड. राजा द्वारा उच्च वर्ग के व्यक्तियों को उपहार स्वरूप दी जाने वाली भूमि *जागीर* कहलाती थी।

2 नए राजा और राज्य

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए :-

प्र.1 प्रतिहारों ने कहाँ शासन किया? इस वंश का संस्थापक किसे माना जाता है?

उ. आठवीं शताब्दी के आरम्भ में दक्षिणी राजस्थान के भागों पर और अवंति पर प्रतिहारों ने शासन किया। नागभट्ट प्रथम इस वंश के संस्थापक थे।

प्र.2 पाल वंश का प्रथम शासक कौन था और वह कैसे शक्ति में आया?

उ. पाल वंश का पहला शासक गोपाल था। उसने बंगाल में आंतरिक कलह और अव्यवस्था, मत्स्यान का अंत किया। उसने शांति बनाई और पाल वंश की स्थापना की।

प्र.3 राष्ट्रकूट वंश का संस्थापक कौन था? इस वंश के कुछ दुसरे महान् शासकों के नाम बताइए?

उ. दंतिवर्मन, जो दंति दुर्गा नाम से जाने जाते हैं, इस वंश के संस्थापक थे जिन्होंने आधुनिक महाराष्ट्र में 753 ई0 में शक्ति प्राप्त की। कृष्णा - प्रथम, गोविंदा - तृतीय, अमोधवष और इदिरा - तृतीय इस वंश के कुछ दूसरे महान् शासक थे।

प्र.4 त्रिखंड संघर्ष से आप क्या समझते हैं?

उ. कन्नौज पर कब्जा करने के लिए प्रतिहार, पाल और राष्ट्रकूटों में हमेशा संघर्ष रहता था क्योंकि यह एक गौरवशाली शहर था। यह संघर्ष त्रिखंड संघर्ष के नाम से जाना गया।

प्र.5 राजपूतों के चार मुख्य वर्ग कौन-से थे?

उ. राजपूतों के चार मुख्य वर्ग थे - चौहान, परमार, प्रतिहार और चालुक्य

प्र.6 महमूद गजनी का सबसे प्रसिद्ध आक्रमण कौन-सा था और उसका परिणाम क्या हुआ?

उ. महमूद गजनी का सबसे प्रसिद्ध आक्रमण 1025 ई0 में सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण था। महमूद यहाँ से आभूषण, सोने, चाँदी के विशाल भंडार ले गया। यह उसकी सबसे बड़ी लूट थी।

प्र.7 मुहम्मद गौरी कौन था? तराइन के किस युद्ध में उसने पृथ्वीराज चौहान को गौरी ने हराया।

उ. अफगाजिस्तान में एक छोटे से राज्य का शासक मुहम्मद गौरी था। 1192 ई0 में तराइन के युद्ध में पृथ्वीराज चौहान को गौरी ने हराया।

प्र.8 राजपूत समाज में प्रचलित कुछ सामाजिक बुराइयों के नाम बताइए?

उ. राजपूतों के शासन-काल में जाति-प्रथा बहुत कठोर थी। समाज में सामाजिक बुराइयों, जैसे - बाल-विवाह, बहु-विवाह और सती प्रथा प्रचलित थीं।

प्र.9 राजराज प्रथम कौन था? आप कैसे कह सकित हैं कि वह एक महान् निर्माता था?

उ. राजराज प्रथम प्रसिद्ध चोल शासक था। उसने तंजौर का बृहदेश्वर मंदिर बनवाया। उसके शासन में व्यापार फला-फूला। अतः हम कह सकते हैं कि राजराज प्रथम एक महान् निर्माता था।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक दीजिए :-

प्र.1 राजेन्द्र चोल को गंगाई कोंडा की उपाधि कैसे मिली?

उ. राजेन्द्र चोल अपने पिता राजराज का उत्तराधिकारी था। उसने बंगाल पर आक्रमण किया और पाल राजा महिपाल को हराया। इस विजय के बाद राजेन्द्र को गंगाई क्रोंडा की उपाधि मिली।

प्र.2 प्रतिहार वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक कौन था?

उ. भोज प्रथम (836-885 ई0) इस वंश के सबसे प्रसिद्ध शासक थे। उन्होंने अपने साम्राज्य को उत्तर में पंजाब से दक्षिण में नर्मदा तक फैलाया। उन्होंने कन्नौज पर कब्जा किया और इसे अपनी राजधानी बनवाया। उनके योग्य शासन के अंतर्गत कन्नौज भारत का एक महत्त्वपूर्ण शहर बन गया। उसके बाद उनका उत्तराधिकारी उनका बेटा महेन्द्रपाल प्रथम बना। उनके शासन काल में प्रतिहार राज्य उत्तर में हिमालय से दक्षिण में विंध्याचंल तक और पूरब में बंगाल में पश्चिम में गुजरात तक फैला। प्रतिहारों ने तीन शताब्दियों से अधिक शासन किया। 1018-19 ई0 में महमूद गजनवी ने कन्नौज को पराजित किया।उसके आक्रमण ने इस राज्य को गहरा आघात पहुँचाया।

प्रतिहार कला और शिक्षा के संस्थापक थे। राजा भोज ने विभिन्न विषयों; जैसे - औषधि, व्याकरण, धर्म, खगोल-शास्त्र और निर्माण कला आदि पर बहुत सारी पुस्तकें लिखी थी। महान् संस्कृत कवि राजेशवर ने काव्यामि मांसा लिखी थी।

प्र.3 पाल वंश के महत्वपूर्ण शासक कौन-से थे? उनके राज्य के विस्तार का वर्णन कीजिए।

उ. पाल वंश का पहला शासक गोपाल था। उसने बंगाल में आंतरिक कलह और अव्यवस्था, मत्स्थान का अंत किया। उसने शांति बनाई और पाल वंश की स्थापना की। धर्मपाल और देवपाल इस वंश के महान् शासक थे।

धर्मपाल (780-815 ई0) एक महान् योद्धा था। वह बंगाल और बिहार पर नियंत्रण करने में सफल हुआ। धर्मपाल का उत्तराधिकारी उसका बेटा देवपाल था। उसने अपने साम्राज्य को आसाम और कलिंग तक फैलाया।

पाल शासक साहित्य और शिक्षा के महान् संरक्षक थे। धर्मपाल विक्रमाशीला में प्रसिद्ध बौद्ध मठ के संस्थापक थे। बौद्धगया का महाबोधि मंदिर देवपाल ने बनवाया था।

प्र.4 राष्ट्रकूटों ने कब और कैसे शासन किया? इस वंश के महान् शासक कौन थे?

उ. दो शताब्दियों तक राष्ट्रकूटों ने दक्कन पर शासन किया। दंतिवर्मन, जो दंतिदुर्गा नाम से जाने जाते हैं, इस वंश के संस्थापक थे जिन्होंने आधुनिक महाराष्ट्र में 753 ई0 शक्ति प्राप्त की। कृष्णा प्रथम, गोविंदा तृतीय, अमोधवष और इंदिरा तृतीय इस वंश के कुछ दूसरे महान् शासक थे।

राष्ट्रकूट कला और शिक्षा के प्रेमी थे। कृष्णा प्रथम ने चट्टानों को काटकर एलोरा का कैलाश मंदिर बनवाया। एलोरा की चट्टानों को काटकर बनाया गया मंदिर दर्शाता है कि राष्ट्रकूट केवल हिन्दु धर्म के ही संरक्षक

नहीं थे बल्कि जैन धर्म और बौद्ध धर्म के भी संरक्षक थे।

प्र.5 भारत पर तुर्की आक्रमण के बारे में लिखिए?

उ. महमूद उत्तर-पश्चिम से भारत पर चढ़ाई करने वाला पहला तुर्की था। वह गजनी का शासक था। 25 वर्षो (1000 से 1025 ई0) में उसने भारत पर सत्रह आक्रमण किए। उसका भारत पर आक्रमण करने का उद्देश्य यहाँ से धन ले जाना था। उसका सबसे प्रसिद्ध आक्रमण 1025 ई0 में सोमनाथ मंदिर पर सोलहवां आक्रमण था। महमूद यहाँ से आभूषण, सोने, चाँदी के विशाल भंडार ले गया। यह उसकी सबसे बड़ी लूट थी। 12वीं शताब्दी के अंत में, अफगानिस्तान में एक छोटे राज्य के शासक मोहम्मद गौरी ने भारत पर आक्रमण किया।

1011 ई0 में उसने दिल्ली के राजपूत शासक पृथ्वी राज चौहान पर आक्रमण किया। 1011 ई0 में तराइन के प्रथम युद्ध में पृथ्वीराज ने गौरी को हराया लेकिन 1192 ई0 में तराइन के द्वितीय युद्ध में गौरी ने पृथ्वीराज को हराया।

प्र.5 राजपूतों के काल में सामाजिक जीवन पर प्रकाश डालिए।

उ. राजपूतों के शासन के दौरान जाति प्रथा समाज की रीड की हड्डी थे। वास्तविक चार जातियों के अतिरिक्त कई उपजातियाँ भी उभरी। जाति बहुत बन रही थीं। समाज में ब्राह्मणों को ऊँचा स्थान दिया जाता था। क्षत्रिय भी योद्धा होने के कारण समाज में ऊँचा स्थान रखते थे। शूद्रों का समाज में निम्न स्थान था। महिलाओं की दशा लगातार गिरती जा रही थी। तब बहु-विवाह और बाल-विवाह प्रचलन में थे। विधवाओं को पुर्नविवाह करने की अनुमति नहीं थी। ऊँची जाति की महिलाओं को सती प्रथा को मानना होता था लेकिन पर्दा प्रथा नहीं थी। मुस्लिम समाज के संपर्क में आने के बाद पर्दा प्रथा शुरू हो गई थी।

प्र.6 चोल वंश को दक्षिण भारत का सबसे महत्वपूर्ण वंश क्यों माना जाता है?

उ. चोल वंश को दक्षिण भारत में सबसे महत्वपूर्ण वंश माना गया है। चोल शक्ति करीब 8वीं शताब्दी ई0 से दक्षिण भारत में दृष्टि गोचर होनी शुरू हुई। विजयालय (846-871) ने तंजौर के साथ, जिसे उसने अपनी राजधानी बनाया, तमिलनाडु में अपना शासन स्थापित किया। राजराज प्रथम (985-1014) के शासनकाल में, चोल साम्राज्य एक वैभवशाली साम्राज्य था। उसने कल्याणी, पांड्या, चेर और वेंगिस के चालुक्यों को हराकर अपने साम्राज्य का विस्तार किया। उसने मैसूर, ट्रावनकोर, कुर्ग और श्रीलंका के प्रदेशों को अपने अधिकार में कर लिया उसने एक शक्तिशाली जल सेना तैयार की और समुद्र के बहुत से द्वीप; जैसे - लक्षद्वीप और मालद्वीप को अपने नियत्रंण में ले लिया।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. क. 1018 ई0 में महमूद गजनी ने *भारत* पर आक्रमण किया।

ख. बौद्ध धर्म का प्रसिद्ध मठ *विक्रमशिला* में है जिसके संस्थापक धर्मपाल थे।

ग. *कृष्णा-प्रथम* ने चट्टानों को काटकर एलोरा का कैलाश मंदिर बनवाया।

घ. चंद्रबरदाई ने राजस्थानी में *पृथ्वीराज रासो* लिखी।

ड. *राजराज-प्रथम* ने तंजौर का बृहदीश्वर मंदिर बनवाया।

च. *शंकराचार्य* ने अद्वैत दर्शर की शिक्षा दी।

छ. *राजशेखर* ने काव्यमिमांसा लिखी थी।

प्र.घ उचित मिलान कीजिए :-

उ. क. 1191 ई0 ख. 1192 ई0 ग. 836-885 ई0

घ. 1025 ई0 ड. 985-1014 ई0 -राजराज प्रथम च. 1014-1044 ई0

प्र.ड. निम्नलिखित शब्दों की व्याख्या कीजिए :-

उ. क. **मत्स्यान :-** बंगाल में आंतरिक कलह और अव्यवस्था।

ख. **मंडलम् :-** राज्य सूबों में बँटा हुआ था जिन्हें मंडलम् कहते थे।

ग. **बेलेंड्स :-** प्रत्येक मंडलम् आगे प्रदेशों में बँटा हुआ था जिन्हें बेलेंड्स कहते थे।

घ. **उर :-** उर गाँववालों की सभा थी।

ड. **लिंगायत :-** अलवर के वैष्णपव धर्म के भक्ति गीत प्रसिद्ध हुए जबकि नयावार ने शिव की प्रशंसा में भजन गए लिंगायत सबसे प्रसिद्ध धार्मिक मत था।

प्र.च सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. क. सूर्य मंदिर जगन्नाथ पुरी में है। (✗)

ख. खुजराहों के मंदिर चालुक्यों ने बनवाए थे। (✗)

ग. विजयालय ने तमिलनाडु में अपना शासन स्थापित किया। (✓)

घ. अलवर वैष्णव धर्म के भक्ति गीतों के लिए प्रसिद्ध हुआ। (✓)

ड. महाबली मंदिर सारनाथ में है। (✗)

3 दिल्ली के सुल्तान

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 दिल्ली सल्तनत के मुख्य वंशों के नाम लिखिए।

उ. सल्तनत काल को प्रमुख वंशों में बाँटा गया है। गुलाम वंश, खिलाजी वंश, तुगलक वंश, सैयद वंश और लोदी वंश।

प्र.2 कुतुबुद्दीन ऐबक दिल्ली का सुलतान कैसे बना ?

उ. 1206 ई0 में मुहम्मद गौरी की मृत्यु के बाद गौर के कोई पुत्र न होने के कारण उसके अधिकारियों में संघर्ष शुरू हो गया। इस संघर्ष में कुतुबुद्दीन ऐबक विजेता घोषित हुआ और वह दिल्ली का सुल्तान बना।

प्र. 3 इल्तुतमिश ने रजिया सुल्तान को अपना उत्तराधिकारी क्यों घोषित किया? वह लंबे समय तक शासन क्यों नहीं कर पाई?

उ. इल्तुतमिश ने अपनी पुत्री रजिया को दिल्ली के सुल्तान के रूप में पेश किया, क्योंकि अपना उत्तराधिकारी बनाने के लिए उसे अपने पुत्रों में से कोई नहीं मिला। रजिया कम समय के लिए ही शासन कर पाई क्योंकि सांमतों को एक औरत के द्वारा शासन चलाना बिल्कुल पंसद नहीं आया।

प्र.4 सिजदा से आप क्या समझते थे? इसका प्रचलन किसने किया? यह रूढ़िवादी मुस्लिमों द्वारा क्यो पसंद नहीं किया गया?

उ. सिजदा में प्रत्येक व्यक्ति को घुटने के बल बैठकर और सिर जमीन से छुआकर अपने राजा को सलाम करना होता था। इस प्रथा को रूढ़िवादी मुस्लिमों ने पंसद नहीं किया क्योंकि वह इस्लाम की शिक्षा के विरूद्ध मानते थे। इस्लाम के अनुसार कोई भी व्यक्ति केवल भगवान के सामने सिजदा कर सकता है।

प्र.5 दक्कन को जीतने का अलाउद्दीन का मुख्य उद्देश्य क्या था?

उ. अलाउद्दीन का दक्कन जीतने का मुख्य उद्देश्य धार्मिक और राजनैतिक न होकर आर्थिक था।

प्र.6 मुहम्मद-बिन-तुगलक किन तीन योजनाओं के कारण अप्रसिद्ध हुआ?

उ. मुहम्मद-बिन-तुगलक ने तीन योजनाएँ बनाई। वह थी राजधानी का बदलना, चिह्नितमुद्रा और दोआब में भूमि कर बढ़ना।

प्र.7 फिरोजशाह तुगलक ने सांमतों की सहानुभूति कैसे प्राप्त करने की कोशिश की?

उ. फिरोजशाह तुगलक अपने पिता मुहम्मद-बिन-तुगलक की मृत्यु के बाद सिंहासन पर बैठा। उसने सामन्तों को उनके वेतन के बदले उपहार और जागीर देकर उनकी सहानुभुति लेनी चाही।

प्र.8 लोदी वंश के तीन शासको के नाम और उनके शासन के काल बताइए।

उ. क. बहलाल लोदी (1451-1489 ई0)

ख. सिकंन्द लोदी (1489-1517 ई0)

ग. इब्राहिम लोदी (1517-1526 ई0)

प्र.9 दिल्ली सुल्तानों की आय के प्रमुख स्त्रोत क्या थे?

उ. आय के मुख्य स्त्रोत उसर, सिराज, खम, जकात और जजिया कर थे।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए :-

प्र.1 इल्तुतमिश कौन था? उसके शासन काल की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उ. ऐबक की मृत्यु के बाद उसका बेटा आलमशाह गद्दी पर बैठा लेकिन जल्दी ही उसकी जगह इल्तुतमिश ने ले ली। वह गुलाम वंश का सबसे महान शासक माना जाता है। वह एक महान् निर्माता था। उसने कुतुबमीनार के निर्माण कार्य को पूरा करवाया था।

उसने कुलीन वर्ग के चालीस सरदारों का गठन किया। तब उसने अपने साम्राज्य की भूमि को विभिन्न टुकड़ों में विभाजित कर दिया। भूमि के ये टुकड़ इक्ता कहलाए। ये इक्ता वेतन के बदले अधिकारियों और सामन्तों को दिए जाते थे। उसने चाँदी और धातु के सिक्के भी प्रचलित किए। ये सिक्के टका और जीतल (ताँबे के सिक्के) कहलाते थे।

प्र.2 गियासुद्दीन बलवन को गद्दी पर बैठने के बाद किन मुसीबतों का सामना करना पड़ा।

उ. गियासुद्दीन बलवन सिंहासन पर बैठा। सिंहासन पर बैठने के बाद उसे बहुत सारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। देश की उत्तरी-पश्चिमी सीमा पर मंगोलों का हमेशा खतरा बना रहता था। राजपूत भी हमेशा सुल्तान की शक्ति को ललकारते रहते थे। इसलिए बलवन ने अपने शत्रुओं को खत्म करने के लिए खून और लोहा की नीति अपनाई। उसके द्वारा बनाये गये चालीसा के चालीस तुर्की सरदार उसके प्रबल शत्रु थे। वे अधिक शक्तिशाली हो गए और सुलतान के अधिकार को चेतावनी देने लगे। उसने उनकी जागीरों को जब्त कर लिया। वह राजा की दैविक शक्ति पर विश्वास करता था इसलिए प्रत्येक व्यक्ति उसकी आज्ञा का पालन करता था।

प्र.3 अलाउद्दीन खिलजी की विजय पर टिप्पणी लिखिए।

उ. अलाउद्दीन खिलजी एक चालाक आदमी था। उसने सामन्तों को बाँटकर उनका विश्वास जीतना चाहा। अलाउद्दीन संसार को जीतना चाहता था। वह दूसरा सिकंदर बनना चाहता था और स्वयं को सिकंदर-ए-सानी कहलाना चाहता था।

अलाउद्दीन ने रणभथभौर और चितौड़ के राजपूत राज्य और गुजरात, मालवा को जीता। उत्तरी भारत जीतने के बाद उसने दक्कन को जीतने का कार्य अपने विश्वासी सेनापति मलिक काफूर को दिया। मलिक काफूर ने देवगिरि वारंगल हवार समुद्र और मदुरई को जीता।

प्र.4 अलाउद्दीन की शासन प्रणाली की विशेषताएँ क्या थी?

उ. अलाउद्दीन खिलजी ने अपनी शासन प्रणाली में कई सुधार किए। खासकर उसने सांमतों की शक्तियों पर रोक लगाई।

क. एक योग्य जासूसी नीति का संगठन किया। जिससे कि सांमत और अधिकारी अपनी शक्तियों का गलत प्रयोग न करें।

ख. इक्ता नीति का नाश किया जो भूमि और धन संपत्ति सामंतों को इक्ता के रूप में दी गई थी उसे वापस लिया गया।

ग. सामंतों पर भारी कर लगाकर उनसे अतिरिक्त धन लिया गया।

घ. सभी भूमियों के लिए भूमि पर दोबारा निश्चित किया गया। गंगा और यमुना नदी के बीच दोआब की उपजाऊ भूमि पर कुल उत्पादन के आधे हिस्सों के बराबर पर बढ़ा दिया गया।

ड. प्रजा में शराब पीना निषेध था।

च. सभी वस्तुओं की कीमत निश्चित थी। जरूरी चीजों की कीमतें कम रखी गई। कीमतों पर रोक लगाने के लिए बाजार अधिकारी नियुक्त किए गए।

प्र.5 मुहम्मद-बिन-तुगलक की योजनाओं का विवरण दीजिए। ये सभी योजनायें असफल क्यों हुई?

उ. मुहम्मद-बिन-तुगलक एक ज्ञानी पुरूष था। उसका दिमाग बहुत तेज था। वह बहुत महत्त्वाकांक्षी था। उसने बहुत-सी महात्तवकांक्षी योजनाएँ बनाई यद्यपि उसकी योजनाएँ क्रियान्वित नहीं हुई। जिसके कारण निम्नलिखित हैं :-

क. **राजधानी का बदलना :-** उसका पहला प्रयास था अपनी राजधानी को दिल्ली से देवगिरि ले जाना जिसे उसने दौलताबाद का नाम दिया। वह सोचता था कि पूरे विशाल साम्राज्य पर नियंत्रण रखने के लिए यह एक उचित स्थान था जो कि दिल्ली से नियंत्रण करना संभव नहीं था, क्योकि दौलताबाद उसके साम्राज्य के मध्य में था। लेकिन उसकी नीति केवल अधिकारियों को ही दौलताबाद भेजने के लिए नहीं थी बल्कि उसने प्रजा को भी दिल्ली से दौलताबाद जाने का आदेश दिया। लेकिन यह सही कदम नहीं था क्योंकि प्रजा को रास्ते में कई मुसीबतों का सामना करना पड़ा।

ख. **चिह्नित मुद्रा :-** उसका दूसरा प्रयास चिह्नित सिक्के चलाना था। योजना अच्छी थी लेकिन चली नहीं उसने सोने और चाँदी के सिक्कों की जगह ताँबे के सिक्कों की मुद्रा चलाई ताँबे के सिक्कों की कीमत भी सोने चाँदी के सिक्कों जितनी ही थी। इसका परिणाम यह हुआ कि लोगों ने अपने घरों में नकली ताँबे के सिक्के ढ़ालने शुरू कर दिए, सोने और चाँदी के सिक्के बाजार से गायब हो गए।

ग. **दोआब में भूमि कर बढ़ाना :-** उसने दोआब में भूमि कर बढ़ा दिया क्योंकि यह उपजाऊ क्षेत्र था। लेकिन इस समय यह क्षेत्र अकाल से जूझ रहा था इसलिए लोगों में निराशा थी क्योंकि वे कर का भुगतान नहीं कर सकते थे।

घ. **संसार जीतने की योजना :-** मुहम्मद-बिन-तुगलक ने संसार जीतने की सोची। उसने अपनी इच्छा पूरी करने के लिए बड़ी सेना तैयार की उसने चीन और यूनान को जीतने की योजना बनाई। बहुत से सिपाही चीन के रास्ते में मारे गए जब वे हिमालय को पार कर रहे थे। इस प्रकार संसार जीतने की योजना के कारण सरकारी खजाने पर घोर वित्तीय संकट आ गया।

अपनी महत्त्वाकांक्षी योजनाओं के कारण जो अप्रयोज्य थी, लोगों में उसने अपनी प्रसिद्धि खो दी।

प्र.6 तैमूर के भारत पर आक्रमण का विवरण दीजिए। इसका परिणाम क्या हुआ?

उ. तैमूर लंग मंगोल राजा और मध्य एशिया के महान् विजेता ने नासिरूद्दीन महमूद तुगलक के शासन काल में भारत पर आक्रमण किया।

पंजाब में कोई शक्तिशाली विरोधी नहीं था। इसलिए वह जल्दी ही दिल्ली के दरवाजे तक पहुँच गया। तैमूर ने असंख्य लोगों को मारा। शहर नष्ट हो गया। तैमूर के आक्रमण से तुगलक शासन का अंत हुआ।

प्र.7 लोदी वंश के शासकों का संक्षेप मे विवरण दीजिए।

उ. **बहलोल लोदी :-** लोदी वंश का संस्थापक था। वह बहुत ही बहादुर सेनापति था। वह एक सच्चा और दयालू शासक था। उसने सल्तनत में शान्ति और व्यवस्था कायम की। उसकी 1488 ई0 में मृत्यु हो गई थी और उसका उत्तराधिकारी उसका बेटा सिकंदर लोदी बना।

सिकंदर लोदी :- यह लोदी वंश के शासकों में से एक महान् शासक था। उसने सारे सामंतों को अपने नियंत्रण में लिया। सिकंदर लोदी ने आगरा बसाया और इसे अपनी दूसरी राजधानी बनाया। 1517 ई0 में उसकी मृत्यु हो गई। पुस्तक तारीख-ए-दाँदि में सुल्तान के बारे में बहुत कुछ लिखा।

इब्राहिम लोदी :- वह दिल्ली सल्तनत का अंतिम शासक था। वह क्रोधी था, इसलिए उसने सामंतों की सहानुभूति को खो दिया। प्रत्येक जगह विरोध था। उसके चाचा आलम खाँ अफगानिस्तान में बाबर के यहाँ गए और उन्हें भारत पर आक्रमण करने के लिए आमंत्रण दिया। 1526 ई में बाबर ने भारत पर आक्रमण किया और मुगल साम्राज्य की स्थापना की।

प्र.17 दिल्ली सल्तनत की आय के प्रमुख स्त्रोत क्या थे? प्रत्येक स्त्रोत पर संक्षेप में लिखिए।

उ. प्रदेशो द्वारा लगाए गए मुख्य कर थे :-

उस :- मुस्लिमों पर लगाया गया भूमि कर। यह उत्पादन का दसवाँ हिस्सा होता था।

खिराज :- हिन्दुओं पर लगाया गया भूमिकर। यह उत्पादन का दसवें हिस्सें से पाँचवे हिस्से तक था।

खाम :- यह युद्ध में कब्जा करने पर लूटे गए माल का पाँचवाँ हिस्सा होता था।

जकात :- इस्लाम को फैलाने के लिए मुस्लिमों को अपनी आय का एक चौथाई हिस्सा देना होता था। यह प्रत्येक शासक पर अलग-अलग होता था।

जजिया :- यह कर जो लोग मुस्लिम नहीं थे उन पर लगाया जाता था। लेकिन ब्राह्मण इस कर से बचे हुए थे। फिरोजशाह तुगलक के शासन काल में ब्राह्मणों को भी यह कर देना होता था।

प्र.ग उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1. 1266-1287 : गियासुद्दीन बलबन
2. 1296-1316 : अलाऊद्दीन खिलजी
3. 1324-1351 : मुहम्मद बिन लुगलक
4. 1414-1421 : खिज्र खाँ
5. 1451-1489 : बहलोल लोदी
6. 1517-1526 : इब्राहिम लोदी

प्र. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.

1. *इल्तुतमिश* ने कुतुबमीनार पूरी करवाई।
2. *मुहम्मद-बिन-तुगलक* ने चिहनित मुद्रा जारी की।
3. *अलाऊद्दीन खिलजी* स्वयं को सिकंदन-ए-सानी कहलाना चाहता था।
4. *मुहम्मद-बिन-तुगलक* ने अपनी राजधानी को दिल्ली से दौलताबाद बदल दिया।
5. पुस्तक *तारीख-ए-दाँदि* में सिकंदर लोदी के बारे में बहुत कुछ लिखा है।
6. *तैमूर* सैयद वंश का संस्थापक था।

प्र. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.

1. रजिया सुल्तान ने केवल चार वर्षों तक शासन किया। (✓)
2. मलिक काफूर गियासुद्दीन बलबन का सेनापति था। (✗)
3. इक्ता सामंतों को उनके वेतन के बदले दी जाने वाली भूमि थी। (✓)
4. दिल्ली का शासन करने में तुगलक वंश अंतिम सल्तनत वंश था। (✓)
5. इल्तुतमिश गुलाम वंश का संस्थापक था। (✓)
6. जजिया मुसलमानों पर लगाया गया कर था। (✗)

4 मुगल साम्राज्य

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 बाबर ने भारत में मुगल साम्राज्य कैसे स्थापित किया ?

उ. बाबर ने 1526 ई0 में मुगल साम्राज्य की स्थापना की। उसका नाम जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर था। उसने चित्तौड़ के शासक राजा साँगा को 1527 ई0 में खानवा की लड़ाई में हराया। 1528 ई0 में उसने राजपूतों को चंदेरी में हराया। बाबर लंबे समय तक जीवित नहीं रहा, लेकिन मृत्यु से पहले उसने आगरा और दिल्ली पर पूरा अधिकार स्थापित कर लिया था।

प्र.2 हुमायुँ ईरान क्यों भाग गया ?

उ. हुमायुँ अपनी जान बचाने के लिए ईरान भाग गया।

प्र.3 शेरशाह कौन था ? सूरी वंश ने कितने समय तक दिल्ली पर शासन किया ?

उ. शेरशाह का असली नाम फरीद खाँ था। एक बार उसने एक बाघ को मारा था और उसे शेर खाँ की उपाधि मिली। उसने चार वर्ष तक शासन किया।

प्र.4 बैरम खाँ कौन था? बैरम खाँ ने अकबर के स्थान पर शासन क्यों किया और कितने समय तक किया?

उ. बैरम खाँ अकबर का शिक्षक और संरक्षक था। बैरम खाँ ने अकबर के स्थान पर शासन इसलिए किया क्योंकि अकबर गद्दी संभालने के लिए बहुत छोटा था। बैरम खाँ ने 1556 ई0 से 1560 ई0 तक शासन किया।

प्र.5 अकबर के साम्राज्य के विस्तार का वर्णन कीजिए।

उ. दिल्ली और आगरा पर अधिकार करने के बाद अकबर ने अपने साम्राज्य का विस्तार शुरू किया। उसने 1561 ई0 में मालवा के शासक बाल बहादुर को हराकर मालवा को जीता। 1564 ई0 में उसने गोंडवाना पर कब्जा किया। 1568 ई0 में चित्तौड़ पर कब्जा कर लिया। अकबर ने गुजरात, बंगाल, सिंध, काबुल और कश्मीर को भी जीता।

अकबर का साम्राज्य पश्चिम में हिंदुकश से पूरब में ब्रह्मपुत्र तक और उत्तर में हिमालय तक, दक्षिण में गोदावरी तक फैला।

अकबर सभी धर्मों की एकता में विश्वास करता था। उसने जाजिया समाप्त किया। उसने तीर्थयात्रियों पर लगाया जाने वाला कर भी समाप्त कर दिया जो हिन्दुओं को अपने पवित्र स्थान पर तीर्थयात्रा करने पर देना होता था।

प्र.6 अकबर ने हिन्दू और मुस्लिमों के बीच एकता बनाने के क्या प्रयास किए ?

उ. अकबर ने हिन्दू और मुस्लिमों के बीच एकता बनाने के लिए राजपूतों के साथ मैत्रीपूर्ण संबध बनाए उसने राजपूतों को महत्त्वपूर्ण स्थान दिए। उसने अंबर के राजा भारामल की पुत्री से विवाह किया। उसने अपने पुत्र सलीम का विवाह एक राजपूत राजकुमारी से किया।

प्र.7 अकबर ने कौन-सा नया धर्म चलाया? इसका जितना मुस्लिमों उतना ही हिन्दूओं द्वारा विरोध क्यों हुआ?

उ. 1582 ई0 में उसने एक नया धर्म दीन-ए-इलाही शुरू किया। इस धर्म के अनुयायी सभी के लिए एक ईश्वर में विश्वास रखते थे। इसलिए रूढ़िवादी मुस्लिमों ने इस नए धर्म का विरोध किया। हिन्दू भी इसे मुस्लिम धर्म का दूसरा रूप मानते थे। इसलिए वे भी इसमें शामिल नहीं हुए।

प्र.8 मनसबदारी प्रथा से आप क्या समझते हो ?

उ. अकबर ने एक नई व्यवस्था मनसबदारी व्यवस्था को प्रचलित किया। प्रत्येक अधिकारी और सांमत को मनसब दिया जाता था और वह मनसबदार कहलाता था।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 शेरशाह की शासन प्रणाली की मुख्य विशेषताओं का विवरण दीजिए।

उ. शेरशाह एक योग्य शासक था। उसने अपने राज्य को सरकारों में बाँटा जो परगनों में बँटी हुई थीं। कुछ गाँवों को मिलाकर परगना बनता था। प्रत्येक सरकार या परगना उसके विश्वासी अधिकारियों द्वारा शासित होता था। उसने व्यापार और वाणिज्य का विकास किया। शेरशाह ने सड़कों का विशाल जाल बनवाया। उसके द्वारा बनवाई गई सड़कों में से ग्रांड-ट्रंक-रोड़ है। कलकता से पेशावर तक के इस मार्ग को शेरशाह सूरी मार्ग कहा जाता था। उसने चाँदी का सिक्का चलाया जो रूपया कहलाया यह मुगल साम्राज्य के अंत तक रहा।

सूरी वंश की स्थापना शेरशाह सूरी द्वारा की गई जिसने 1555 ई0 तक शासन किया, जब हुमायुँ ने दोबारा दिल्ली के सिंहासन पर कब्जा कर लिया।

प्र.2 अकबर की मुख्य विजयों और साम्राज्य के विस्तार के बारे में बताइए।

उ. दिल्ली और आगरा पर अधिकार करने के बाद अकबर ने अपने साम्राज्य का विस्तार शुरू किया। उसने 1551 ई0 में मालवा के शासक बाल बहादुर को हराकर मालवा को जीता। 1554 ई0 में उसने गोंडवाना पर कब्जा किया। 1568 ई0 में चित्तैड़ पर कब्जा कर लिया। महाराणा प्रताप ने 1576 ई0 में हल्दीघाटी में अकबर से भंयकर लड़ाई लड़ी।

महाराणा प्रताप बहादुरी से लड़े परन्तु हार गए अकबर ने गुजरात, बंगाल, सिंध, काबुल और कश्मीर को भी जीता। अकबर का साम्राज्य पश्चिम में हिन्दुकश से, पूरब में ब्रह्मपुत्र तक और उत्तर में हिमालय से, दक्षिण में गोदावरी तक फैला।

प्र.3 अकबर की शासन व्यवस्था और उसके द्वारा चलाई गई मनसबदारी प्रथा के बारे में लिखिए।

उ. अकबर ने शेरशाह की कई नीतियों का अनुसरण किया। राजा पूर्ण शक्तिशाली था। वह मुख्य-न्यायाधीश और सेनाओं का मुख्य सेनापति था। उसके यहाँ शासन प्रणाली में मदद देने के लिए मंत्रियों की सभा थी।

अकबर ने अपने राज्य को पंद्रह सूबों में बाँटा। सूबा सूबेदार के आधीन था। सूबे प्रदेशों में बँटे हुए थे और प्रदेश परगनों में बँटें हुए थे। राजस्व मंत्री, टोडरमल के अधीन भूमि ठीक तरह से मापी जाती थी और कर निर्धारण किया जाता था। कर इकट्ठा करने वाले ज्यादा कठोर नहीं थे। अकाल के समय किसानों को ऋण दिया जाता था।

अकबर ने एक नई व्यवस्था मनसबदारी व्यवस्था को प्रचलित किया। प्रत्येक अधिकारी और सामंत को मनसब दिया जाता था और वह मनसबदार कहलाता था। मनसबदारों को अपने पद के अनुसार सेना की देखभाल करनी होती थी। मुगल प्रशासन बहुत कुछ फौजी शासन व्यवस्था पर आधारित था।

प्र.4 अकबर को मुगल काल का सबसे महान् शासक क्यों माना जाता है ?

उ. अकबर को एक महान सम्राट माना जाता है। वह एक महान् विजेता और एक योग्य शासक था। वह कला, निर्माण, कला, चित्रकला, साहित्य और संगीत का महान् संरक्षक था। उसने हिंदू और मुस्लिमों को एक करने की कोशिश की।

प्र.ग उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	1527 ई0	:	खानवा की लड़ाई
2.	1539 ई0	:	चौसा की लड़ाई
3.	1540 ई0	:	कन्नौज की लड़ाई
4.	1576 ई0	:	हल्दी घाटी की लड़ाई
5.	1561 ई0	:	अकबर ने मालवा जीता
6.	1555 ई0	:	हुमायुँ ने दोबारा दिल्ली पर कब्जा किया।

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.

1. बाबर ने खानवा की लड़ाई में चित्तौड़ के राजा *राणा सांगो* को हराया।
2. *शेरशाह* ने ग्रांड-ट्रंक रोड़ बनवाई।
3. *अबुल फजल* ने अकबर नामा लिखी।
4. बुलंद दरवाजा अकबर की *गुजरात* पर जीत के स्मरण में बनवाया गया।
5. हल्दी घाटी की लड़ाई अकबबर ओर *महाराणा प्रताप* के बीच हुई।
6. *फैजी* ने रामायण और महाभारत का यूनानी भाषा में अनुवाद किया।
7. अकबर के शासन काल में *टोडरमल* राजस्व मंत्री था।
8. अकबर ने *राजा मानसिंह* को अपना सेनापति बनाया।

प्र.ड. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. अकबर ने राजपूतों से मैत्रीपूर्ण संबध बनाने की कोशिश की। (✓)
2. अकबर की ताजपोशी दिल्ली में हुई। (✗)
3. अकबर ने जाजिया समाप्त किया। (✓)
4. अकबर के शासन काल में सभी मनसबदारों को समान स्थान मिला हुआ था। (✓)
5. अकबर बाबर का पोता था। (✓)
6. अकबर भारत में मुगल साम्राज्य का संस्थापक था। (✗)
7. अकबर ने दीन-ए-इलाही नामक नया धर्म शुरू किया। (✓)
8. अकबर एक ज्ञानी पुरुष और महान् विद्वान था। (✓)

5 मुगल साम्राज्य

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 गुरू अर्जुनदेव की मृत्यु कब और कैसे हुई ?

उ. गुरू अर्जुनदेव पर जिसने खुसरों की बहुत ज्यादा मदद की, भारी जुर्माना लगा। गुरु ने जुर्माना भरने से इंकार कर दिया, इसलिए 1606 ई0 में उन्हें मृत्युदंड दिया गया।

प्र.2 जहाँगीर ने कंधार पर कब्जा क्यों नहीं किया ?

उ. खुर्रम ने अपने पिता की आज्ञा मानने से इनकार कर दिया और राजद्रोही हो गया। इसलिए जहाँगीर कंधार पर कब्जा नहीं कर सका।

प्र.3 नूरजहाँ ने पूर्ण दक्षता से जहाँगीर के राज्य पर शासन क्यों किया ?

उ. 1611 ई0 में, जहाँगीर ने नूरजहाँ से विवाह किया। नूरजहाँ ने शासन में बड़ी दक्षता से भाग लिया उसने 1611 ई0 से 1627 ई0 तक साम्राज्य पर शासन किया।

प्र.4 सर थॉमस कौन था ? उसे जहाँगीर से क्या रियायत मिली ?

उ. 1611 ई0 में सर थॉमस से राजा जेम्स-प्रथम का दूत बनकर जहाँगीर के दरबार में आया। वह अंग्रेजी व्यापार के लिए भारत से रियायत लेने में सफल हुआ।

प्र.5 शाहजहाँ के लिए दक्कन के किन तीन राज्यों ने मुश्किलें बढ़ाई ?

उ. अहमदनगर, बीजापुर और गोलकुंड़ा इन तीनों राज्यों ने शाहजहाँ के लिए मुश्किल बढ़ा दी।

प्र.6 शाहजहाँ के लिए पुर्तगालियों द्वारा बढ़ाई गई मुश्किल क्या थी? उसने इस मुश्किल से कैसे छुटकारा पाया?

उ. शाहजहाँ को पुर्तगालियों से भी परेशानी हुई जो हुगली में बसे हुए थे। वे इसे बंगाल की खाड़ी में समुद्री डकैती के लिए प्रयोग करते थे। मुगल सेना ने इनके खिलाफ कार्य और इन्हें हुगली से बाहर कर दिया।

प्र.7 तुम कैसे कह सकते हो कि शाहजहाँ एक महान् निर्माता था ?

उ. शाहजहाँ का समय मुगल साम्राज्य का सुनहरा युग माना जाता है। उसके काल में विभिन्न क्षेत्रों में जैसे खेती और उद्योगों में काफी उन्नति हुई। इस काल में शायद ही कोई विद्रोह हुआ हो।

प्र.8 शाहजहाँ द्वारा बनवाए गए कुछ प्रसिद्ध बागों के नाम लिखिए।

उ. लाहौर के पास शालीमार बाग, दिल्ली में तालकटोरा बाग तथा कश्मीर में निशांत बाग उस समय के कुछ प्रसिद्ध बाग हैं।

प्र.9 औरंगजेब की धार्मिक नीति उसके पूर्वजों से कैसे अलग थी ?

उ. औरंगजेब के सुन्नी मुसलमान था। वह इस्लामी नियमों के साथ शासन को चलाना चाहता था। 1667 ई0 में उसने मंदिरों को तोड़ने और उन स्थानों पर मस्जिदों को बनवाने का आदेश दिया।

प्र.10 औरंगजेब ने अपने शासन काल में किन विद्रोह का सामना किया ? नाम लिखिए।

उ. जाटों का विरोध, सतनामियों का विरोध, दूसरा जाट विरोध, बुंदेलों का विरोध और सिखों का विरोध।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.11 जहाँगीर की विजय और युद्धकाल के बारे में लिखिए।

उ. जहाँगीर की सबसे बड़ी विजय राणा प्रताप के पुत्र अमर सिंह से थी। अमर सिंह मेवाड़ का नया शासक था जिसने अपने पिता राणा प्रताप की तरह मुगलों के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया।

इसलिए जहाँगीर ने उसके खिलाफ युद्ध शुरू किया। राणा 1614 ई0 में हारा लेकिन अमर सिंह ने जहाँगीर का आधिपत्य स्वीकार कर लिया और मुगल सम्राट के लिए राजभक्ति का विश्वास दिया, इसलिए 1620 ई0 में राणा को मेवाड़ वापस मिल गया। जहाँगीर ने कांगड़ा के किले पर कब्जा किया।

प्र.12 जहाँगीर के शासन काल में नूरजहाँ की क्या भूमिका थी।

उ. जहाँगीर ने नूरजहाँ से विवाह किया। वह एक सुन्दर और गुणवती स्त्री थी। जहाँगीर उसे बहुत प्यार करता था। वह उसे नूरजहाँ कहता था, जिसका अर्थ होता है - संसार का प्रकाश। जहाँगीर अपने सभी फैसलों में उसकी राय लेता था। वास्तव में वहीं शासक थी। वह इतनी शक्तिशाली हुई कि उसका नाम जहाँगीर के साथ शाही सिक्कों और मोहरों पर खुदवाया गया।

प्र.13 जहाँगीर के यूरोपवासियों से संबध के बारे में आप क्या जानते हो ?

उ. जहाँगीर के शासन काल में कई यूरोप यात्री व्यापार के लिए भारत घूमने आए। 1608 में विलियम हाकिंस जहाँगीर के दरबार में आया। वह इंग्लैंड के राजा जेम्स-प्रथम का राजदूत था। वह भारत तीन वर्षों तक रहा।

1616 ई0 में सर थॉमस से राजा जेम्स-प्रथम का दूत बनकर जहाँगीर के दरबार में आया। जहाँगीर ने उसे सूरत में एक कारखाना लगाने की आज्ञा दी। इसके बदले में अंग्रेजों ने पुर्तगालियों से उनके व्यापारी और जहाजो को बचाने का आश्वासन दिया। वह अंग्रेजी व्यापार के लिए भारत से व्यापार में रियायत लेने में सफल हुआ। विलियम हॉकिंस और सर थॉमस दोनों ने ही जहाँगीर के दरबार और उसकी शासन प्रणाली के बारे में विस्तृत विवरण छोड़ा है।

प्र.14 शाहजहाँ की विजय और युद्धकाल के बारे में लिखिए।

उ. सबसे पहले शाहजहाँ को विभिन्न विरोधों का सामना करना पड़ा जो उसके राज्य में बहुत ज्यादा बढ़ चुके थे। 1628 ई0 में बुंदेलखंड के राजा जुझार सिंह ने राजद्रोह किया लेकिन वह हार गया। दक्कन में तीन राज्य थे -अहमदनगर, बीजापुर और गोलकुड़ा। अब इन प्रदेशों ने मुगल साम्राज्य के लिए मुश्किलें बढ़ा दी और तब 1633 ई0 में अहमदनगर का शासक पकड़ा गया और अहमदनगर को मुगल साम्राज्य में मिला लिया गया। कुछ समय बाद बीजापुर और गोलकुंड़ा के शासकों ने भी शाहजहाँ का आधिपत्य स्वीकार कर लिया और उसे उपहार देना स्वीकार किया और गजेब को दक्कन का सूबेदार बना दिया।

प्र.15 शाहजहाँ का काल मुगल काल का सुनहरा युग क्यों कहलाता है ?

उ. शाहजहाँ विद्वानों को उनके साहित्यिक कार्यों के लिए प्रोत्साहित करता था। दारा शिकोह एक महान् विद्वान था। उसने उपनिष्दों का फारसी भाषा में अनुवाद किया।

शाहजहाँ का समय मुगल साम्राज्य का सुनहरा युग माना जाता है। उसके काल में विभिन्न क्षेत्रों में; जैसे खेती और उद्योगों में काफी आर्थिक उन्नति हुई। इस काल में शायद ही कोई विद्रोह हुआ हो।

प्र.16 औरंगजेब के शासन काल में हुए विभिन्न विद्रोहों के बारे में संक्षिप्त में बताइए।

उ. औरंगजेब के शासन काल में उसकी क्रूर धार्मिक और दूसरी नीतियों के कारण कई गंभीर विरोध हुए :-

क. **जाटों का विरोध :-** जाट दिल्ली, मथुरा और आगरा के चारों ओर रहते थे। 1669 ई0 में उन्होंने अपने नायक गोकुल के अधीन विरोध किया।

ख. **सतनामियों का विरोध :-** किसान, शिल्पकार और निम्न वर्ग के लोग सतनामी में जो मेवाड़ और

नारनौंल में रहते थे।

ग. **दूसरा जाट विरोध :-** जाटों का उपद्रव लगातार चलता रहा और 1685 ई0 में, उन्होंने राजाराम के अधीन दोबारा विरोध किया।

घ. **बुंदेलों का विरोध :-** चंपत राय प्रधान के अधीन, बुंदेलों ने औरंगजेब की अत्याचारी कृषि नीतियों के कारण बुंदेलखंड में विरोध किया।

ड. **सिखों का विरोध :-** औरंगजेब अपनी धार्मिक नीति के कारण सिखों से खुश नहीं था। गुरुनानक सिख धर्म के संस्थापक थे। सिख शांति पूर्णमत के थे। गुरू अर्जुनदेव ने सिखों को एक फौजी मत में संगठित किया। सिखों की शक्ति का दमन करने के लिए मुगल शासन ने 1675 ई0 में गुरू तेग बहादुर को फाँसी की सजा का आदेश दिया। इससे सिख क्रोधित हो गए। गुरू तेग बहादुर के पुत्र और सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविन्द सिंह ने सिखों को फौजी सेना में संगठित किया, जो खालसा कहलाए। मुगलों से भंयकर युद्ध में गुरू के दो पुत्र मारे गए और अन्य दो को पकड़ लिया गया और जिंदा जला दिया। सिखों ने औरंगजेब के शासन काल में विभिन्न स्थानों पर आक्रमण किया। वे केवल 18वीं शताब्दी में ही अपना स्वतन्त्र राज्य स्थापित कर सके।

प्र.ग उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	अमर सिंह	:	राजा प्रताप का पुत्र
2.	राजा जुहार सिंह	:	बुंदेलखंड
3.	गोकुल	:	औरंगजेब के शासन काल में जाटों का पहला विद्रोह
4.	उस्ताद ईसा	:	ताजमहल का नमूना बनाया
5.	राजा जसवंत सिंह	:	मारवार
6.	दारा शिकोह	:	अहमद नगर
7.	राजाराम	:	औरंगजेब के शासन काल में जाटों का दूसरा विद्रोह
8.	मलिक अंबर	:	अहमद नगर

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.

1. 1620 ई0 में जहाँगीर ने *कांगड़ा* के किले पर कब्जा किया।
2. नूरजहाँ का वास्तविक नाम *मेहरुन्निसा* था।
3. शाहजहाँ के शासनकाल में पुर्तगाली *हुगली* में बसे।
4. जहाँगीर ने *सर थॉमस* को सूरत में कारखाना लगाने की अनुमति दी।
5. सिखों का सैनिक संगठन *खालसा* कहलाया।
6. *शाहजहाँ* ने अपनी राजधानी आगरा से दिल्ली बदल दी।
7. *गुरु नानकदेव* ने सिख धर्म की स्थापना की।
8. ट्रेवर्नियर और वरनियर फ्रांसिसी यात्री *शाहजहाँ* के दरबार में आए।

प्र.ड. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.

1. औरंगजेब के राजपूतों से मैत्रीपूर्ण संबध थे। (✗)
2. दिल्ली का लाल किला जहाँगीर ने बनवाया। (✗)
3. औरंगजेब एक शिया मुसलमान था। (✗)
4. औरंगजेब के शासन काल में मुगल साम्राज्य अपनी चरम सीमा पर था। (✓)
5. औरंगजेब ने जाजिया फिर लागू किया। (✓)
6. शिवाजी एक महान् मराठा सरदार थे। (✓)

7. जहाँगीर ने स्वयं अपनी जीवनी तुजुम-ए-जहाँगीरी लिखी। (✓)

8. नादिरशाह अफगानिस्तान का शासक था। (✗)

6 अठारहवीं शताब्दी का राजनैतिक परिदृश्य

प्र.1 अहमदशाह अब्दाली कौन था ? उसने भारत पर आक्रमण कब किया ?

उ. अहमदशाह अब्दाली अफगान शासक था। उसने 1748 और 1761 के बीच पाँच बार भारत पर आक्रमण किया।

प्र.2 अमीरों के कौन से दो वर्ग थे ? मुगल कालीन अमीरों द्वारा किन मुगल शासकों का कत्ल किया गया और अंधा बनाया गया ?

उ. अमीर वर्ग के दो वर्ग थे :- ईरान और तुर्की। अमीरों द्वारा दो मुगल सम्राटों फारस सियार (1713-1719) और अलमगीर-द्वितीय (1754-1759) की हत्या कर दी गई और अन्य दो अहमदशाह (1748-1754) और शाह आलम-द्वितीय (1759-1816) को अमीरों ने अंधा कर दिया।

प्र.3 बुरहान-उल-सद्दात खाँ ने अवध में मुगल प्रभाव को कम करने के लिए क्या कोशिश की।

उ. बुरहान-उल-मुल्क ने मुगलों द्वारा नियुक्त अधिकारियों की संख्या कम करके अवध क्षेत्र में मुगलों के प्रभाव को कम करने की कोशिश की उसने जागीरों का क्षेत्र कम कर दिया और खाली जगह पर अपने वफादार नौकरों को नियुक्त किया।

प्र.4 जगत सेठ से आप क्या समझते हो ? जगत सेठ का घर बंगाल में शक्तिशाली कैसे हुआ?

उ. कर सभी जमीदारों से बड़ी कड़ाई से नकदी में इकट्ठा किया जाता था। परिणाम स्वरूप बहुत जमीदारों ने बैंकों से और साहुकारों से उधार लिया जो कर नहीं दे पाए उन्हें बड़े जमीदारों को अपनी भूमि दबाव में आकर बेचनी पड़ी। अली वर्दी खाँ (1740-1756) के शासन काल में लागत सेठ का ऋण देने वाला विभाग बहुत ज्यादा शक्तिशाली हो गया।

प्र.5 किसके नेतृत्व में सिखों ने अपने प्रमुख सपन्न शासन की घोषणा की? किसके नाम पर उन्होंने सिक्के बनाए?

उ. गुरू नानक और गुरु गोविन्द सिंह के नाम के सिक्के बनाकर अपने श्रेष्ठ शासन की घोषणा की और महाराजा रणजीत सिंह ने 1799 में लाहौर में अपनी राजधानी बनाई।

प्र.6 शिवाजी ने किसकी मदद से शक्तिशाली राज्य की स्थापना की ?

उ. शिवाजी ने (1627-1680) शक्तिशाली योद्धा परिवारों की मदद से एक स्थिर राज्य स्थापना की।

प्र.7 पेशवा कौन थे? उन्होंने अपनी राजधानी कहाँ स्थापित की?

उ. चितपवन ब्रह्माण परिवार ने जो शिवाजी के उत्तराधिकारी पेशवा की तरह काम करता था, मराठा राज्य की शक्ति स्थापित की। पूना को मराठा राज्य की राजधानी बनाया गया।

प्र.8 भारत पर राजनैतिक दृष्टि से पानीपत की तीसरी लड़ाई का क्या प्रभाव पड़ा?

उ. भारत पर राजनैतिक दृष्टि से पानीपत की तीसरी लड़ाई भारत को मराठों की हार से गहरा धक्का लगा और भारत में ब्रिटिश शक्ति के बढ़ने का रास्ता साफ हुआ।

प्र.9 जाटों ने अपना प्रभाव किन क्षेत्रों में फैलाया?

उ. जाटों ने अपने प्रधान चूड़ामन के अधीन अपनी शक्ति का एकीकरण किया। 1680 ई0 में उन्होंने दो क्षेष्ठ शहरों दिल्ली और आगरा के बीच के क्षेत्रों में अपना शासन शुरु किया।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 मुगल साम्राज्य के पतन के मुख्य कारण क्या थे?

उ. औरंगजेब की अपनी क्रूर धार्मिक और दूसरी नीतियों के कारण मुगल साम्राज्य कमजोर हो गया था। उसे देश के विभिन्न हिस्सों में विरोधों का सामना करना पड़ा। इन विरोधों ने मुगल साम्राज्य को और ज्यादा कमजोर कर दिया।

औरंगजेब की मृत्यु के बाद उसका सबसे बड़ा पुत्र मुज्जय जिसे बहादुरशाह की उपाधि मिली थी, 1707 ई0 में गद्दी पर बैठा। बहादुरशाह एक योग्य शासक था। उसने राजपूत, जाट, मराठा और सिखों की सहानुभूति पाने की कोशिश क। लेकिन वह ज्यादा समय तक शासन नहीं कर सका। 1712 ई0 में उसकी मृत्यु हो गई। उसकी मृत्यु के बाद मुगल साम्राज्य मराठे, सिखों और जाटों द्वारा जीते गए विभिन्न प्रदेशों में पृथक होना शुरु हो गया।

बाद के मुगलों के लिए अपने शक्तिशाली मनसबदारों पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो गया। सांमतों जिन्हें गर्वनर नियुक्त किया गया था, ने सूबों पर अपना नियंत्रण बनाने की कोशिश की और खजाने को दिए जाने वाले कर में भी कमी होने लगी।

प्र.2 18वीं शताब्दी के विभिन्न राज्य समूहों के बारे में लिखिए।

उ. जाटों ने 18वीं शताब्दी के अंत में अपनी शक्ति को एक किया। चूड़ामन के अधीन दिल्ली के पश्चिम में स्थित पूरे प्रदेशों पर अपना नियंत्रण स्थापित किया और 1680 ई0 में उन्होंने दो क्षेष्ठ राज्य दिल्ली और आगरा के बीच के क्षेत्र पर राज्य करना शुरु किया। कुछ समय के लिए वे आगरा शहर के वास्तविक शासक बन गए।

जाट संपन्न शाली कृषक थे और पानीपत के और वल्लभगढ़ जैसे कस्बे उनके द्वारा शासित क्षेत्रों के अधीन, भरतपुर का राज्य एक शक्तिशाली राज्य बन गया।

प्र.3 हैदराबाद, अवध और बंगाल लगभग स्वतन्त्र राज्य कैसे बने?

उ. **हैदराबाद :-** हैदराबाद का संस्थापक निजाम-उल-मुल्क-आसफ-जाह जो मुगल शासक फारूख सियान के दरबार के सदस्यों में से एक शक्तिशाली सदस्य था। क्योंकि दक्कन सूबे के मुगल गर्वनर आसफ जाह का इसकी राजनैतिक और आर्थिक शासन व्यवस्था पर पूरा नियंत्रण पहले से ही था, वह दक्कन का वास्तविक शासक बन गया।

अवध :- 1772 ई0 में बुरहान-उन-मुल्क सादात खाँ को अवध का सूबेदार नियुक्त किया वह अवध के सूबों के राजनैतिक, आर्थिक और फौजी मामलों की व्यवस्था करने के लिए उत्तरदायी था।

बंगाल :- मुर्शीद कुली खाँ के अधीन बंगाल पर से मुगलों का नियंत्रण धीरे-धीरे समाप्त हो गया जो सूबे के राज्यपाल का नायाब डिप्टी नियुक्त किया गया था। यद्यपि वह एक औपचारिक सूबेदार कभी नहीं था। फिर भी मुर्शीद कुली खाँ ने बहुत जल्द सारी शक्ति को पा लिया। बंगाल में मुगल प्रभाव को कम करने के प्रयास में उसने सारे मुगल जागीरदारों का उड़ीसा तबादला कर दिया और बंगाल के राजस्व को पुनः निर्धारित करने का आदेश दिया।

प्र.13 राजपूतों की वतन जागीरों का विवरण दीजिए।

उ. कई राजपूत राजाओं ने विशेषकर जो अंबर और जोधपुर के थे, मुगलों के अधीन सेवा की थी। बदलें में उन्हें अपनी वतन जागीरों में स्वराज्य का आंनद लेने की अनुमति थी। अठाहरवी शताब्दी में, इन शासकों ने अब सीमावर्ती क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश की।

जोधपुर के शासक अजीत सिंह को गुजरात राज्यपाल का पद मिला और अंबर के सवाई राजा जयसिंह को माल्वा का राज्यपाल बनाया गया। नागौर को जीता गया और उसे जोधपुर के घराने में मिला लिया गया जबकि अंबर ने बूंदी के बहुत बढ़े हिस्से पर कब्जा कर दिया। सवाई राजा जयसिंह ने जयपुर में अपनी नई राजधानी बनाई और उन्हें 1722 में आगरा की सूबेदारी दी गई।

प्र.14 अठहरवीं शताब्दी में सिखों ने अपने आप को कैसे संगठित किया? उनके प्रदेश कहाँ तक फैले।

उ. राजनैतिक समुदाय में सिखों के संगठन ने 17वीं शताब्दी में पंजाब में क्षेत्रीय राज्य बनाने के लिए मदद की। गुरू गोविन्द सिंह के राजपूत और मुगल शासकों से कई युद्ध हुए। 1708 में बंदा बहादुर के अधीन मुगल आधिपत्य के खिलाफ खालसा का विरोध उठा। सिखों के गुरु नानक और गुरू गोविन्द सिंह के नाम के सिक्के बनकर अपने क्षेष्ठ शासन की घोषणा की और सतलुज और जमुना के बीच अपनी स्वयं की शासन प्रणाली की स्थापना की। 1715 ई0 में बंदा बहादुर पकड़ा गया और 1715 ई0 में फाँसी की सजा दी गई।

बाद में अठाहरवीं शताब्दी में सिख प्रदेश सिंधु से जमुना तक फैला। लेकिन वे अलग-अलग शासकों में बंटे हुए थे। उनमें से एक महाराजा रणजीत सिंह ने समूहों को दोबारा एकीकरण किया और 1799 ई0 में लाहौर में अपनी राजधानी बनाई।

प्र.15 मराठें ने शक्ति कैसे प्राप्त की और मराठों की शक्ति का पतन क्यों हुआ?

उ. शिवाजी ने (1627-1680) शक्तिशाली योद्धा परिवारों की मदद से एक स्थिर राज्य की स्थापना की। ऊँचे परिवारों के समूह किसान, चरवाहे मराठा सेना के लिए रीढ़ की हड्डी साबित हुए।

शिवाजी प्रायद्वीप में मुगलों को ललकारने के लिए इन सेनाओं का प्रयोग करते थे। शिवाजी की मृत्यु के बाद चितपवन ब्राह्मण परिवार ने, जो शिवाजी के उत्तराधिकारी पेशवा की तरह काम करता था, मराठा राज्य पर शक्ति स्थापित की। पूना को मराठा की राजधानी बनाया गया।

मराठें का पतन :- आपसी दुश्मनी के कारण मराठा एक शासक के अधीन एक संघीय साम्राज्य स्थापित करने में सफल नहीं हुए। मराठों के सैनिक अभियानों ने भी दूसरें शासकों को मराठों का शत्रु बना दिया। परिणाम स्वरूप 1760 ई0 में पानीपत की तीसरी लड़ाई में वे मराठों की मदद के लिए नहीं आए। इस लड़ाई में मराठों की हार से उनकी शक्ति को गहरा धक्का लगा और भारत में ब्रिटिश शक्ति के बढ़ने का रास्ता साफ हुआ।

प्र.ग उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	निजाम-उल-मुल्क-आसफजाह	:	हैदराबाद
2.	बुरहान-उल-मुल्क सद्दात खाँ	:	अवध
3.	मुर्शीद कुली खाँ	:	बंगाल
4.	अजीत सिंह	:	जोधपुर
5.	सवाई राजा जयसिंह	:	जयपुर
6.	महाराजा रणजीत सिंह	:	लाहौर
7.	सिंधिया	:	ग्वालियर
8.	गायकवाड़	:	बड़ौदा
9.	भोंसले	:	नागपुर
10.	सूरजमल	:	भरतपुर

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.

1. *ईरान और तुर्की* सामंतों के दो वर्ग थे।
2. *मुर्शीद कुली खाँ* के शासन काल में जंगल सेठ का कर विभाग बहुत संपन्न हुआ।
3. अंबर के *राजा जयसिंह* मालवा के राज्यपाल थे।
4. 1772 ई0 में *राजा जयसिंह* को आगरा की सूबेदारी दी गई।
5. *बंदा बहादुर* के अधीन खालसा ने मुगलों के खिलाफ विरोध किया।
6. *पूना* को मराठा क्षेत्र की राजधानी बना।
7. मराठा शसक दो करों को लेते थे जिन्हें *सरदेशमुखी* और चौथ कहते थे।
8. पानीपत की तीसरी लड़ाई *1761* ई0 में हुई।

प्र.ड. निम्नलिखित तिथियाँ किन शासकों से संबन्धित हैं :-

उ.

1.	1702-1712	:	बहादुरशाह
2.	1713-1719	:	फारूख सियार
3.	1754-1759	:	आलमगीर द्वितीय
4.	1748-1754	:	अहमदशाह

5. 1759-1816 : शाह आलम द्वितीय

6. 1627-1680 : शिवाजी ने एक स्थिर राज्य की स्थापना की

7 मध्ययुग की निर्माण कला

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 मध्य युग में विभिन्न प्रकार की कौन-सी इमारतें बनवाई गई?

उ. मध्यकाल के उत्तरी भारत के सबसे प्रसिद्ध मन्दिरों में से मध्य प्रदेश में खुजराहों, उड़ीसा के भुवनेश्वर, पुरी और कोणार्क मन्दिर तथा राजस्थान में मांऊट आबू हैं।

प्र.2 खुजराहों मन्दिर की मुख्य विशेषताएँ क्या थी।

उ. खुजराहो मन्दिर अपनी नागरा शैली की नक्काशी और निर्माण कला के लिए जाना जाता है।

प्र.3 उड़ीसा के प्रसिद्ध मन्दिरों के नाम लिखिए और वे कहाँ मिलते हैं?

उ. भुवनेश्वर के मुक्तेश्वर मन्दिर लिंगराज मन्दिर और राजरानी मन्दिर और पुरी का जगन्नाथ मन्दिर और कोणार्क का सूर्य मन्दिर उड़ीसा शैली की निर्माण कला के सबसे अच्छे मन्दिर हैं।

प्र.4 कैलाश मन्दिर कहाँ है? इसे किसने बनवाया? इसकी मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

उ. एलोरा का कैलाश मन्दिर राष्ट्रकूट कला का एक अनोखा नमूना है। यह 8वीं शताब्दी में राष्ट्रकूट शासक कृष्णा प्रथम द्वारा बनवाया गया था। ऊपर से नीचे तक का पूरा ढाँचा ठोस चट्टानां को काटकर बनवाया गया है।

प्र.5 सल्तनत काल के प्रसिद्ध स्मारकों के नाम लिखिए। इन स्मारकों में से प्रत्येक किसके शासन काल में बना?

उ. सल्तनत काल में कुस्बतुला इस्लाम मस्जिद, सबसे पहली मस्जिद कुतुबुद्दीन ऐबक ने बनवाई थी। दिल्ली के पास महरौली में कुतुबमीनार, कुतुब कांप्लैक्स का अली दरवाजा, गियासुद्दीन तुगलक की कब्र, फिरोज शाह कोटला लोदी बाग कुछ प्रसिद्ध स्मारक हैं।

प्र.6 अकबर ने कौन-से प्रसिद्ध स्मारक बनवाए?

उ. अकबर ने जो प्रसिद्ध स्मारक बनवाए जैसे हुमायुँ की कब्र, फतेहपुर सीकरी, बुलंद दरवाजा, शेख सलीम चिश्ती की कब्र और पंचमहल।

प्र.7 शाहजहाँ ने कौन-से प्रसिद्ध स्मारक बनवाए?

उ. शाहजहाँ के बनवाए प्रसिद्ध स्मारक ताजमहल, जामा मस्जिद, लालकिला, मोती मस्जिद। उसने लाहौर, कश्मीर, काबुल और दिल्ली में महल और बाग बनवाए।

प्र.8 लालकिले के अन्दर बनी महत्त्वपूर्ण इमारतों के नाम लिखिए?

उ. लालकिले के अन्दर बनी महत्त्वपूर्ण इमारते है जैसे रंगमहल, मोतीमहल, दीवाने-ए-खास, दीवाने-ए-आम।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए :-

प्र.1 उत्तर के मंदिर और दक्षिण के मन्दिरों के बीच क्या मुख्य अन्तर थे?

उ. उत्तरी और दक्षिण के मन्दिरों में मुख्य अन्तर निम्नलिखित हैं :-

क. उत्तर के मन्दिर ज्यादातर ईंटों और चूने से बनाए गए हैं, जबकि दक्षिण के मन्दिर ज्यादातर कठोर चट्टानों को काटकर बनाए गए हैं।

ख. दक्षिण के मन्दिरों में ऊँचे और वैभवशाली द्वारापथ हैं जो उत्तर के मन्दिरों में नहीं पाए जाते हैं।

ग. दक्षिण के मन्दिरों में मध्य भाग के ऊपर पिरामिड़ की तरह मीनारें हैं जबकि उत्तर के मन्दिरों में मध्य भाग के ऊपर गुंबद की तरह ऊँचा है।

घ. दक्षिण के मन्दिर उत्तर के मन्दिरों की तरह धार्मिक कार्यकलापों के ही केन्द्र नहीं थे, बल्कि वे सामाजिक

और आर्थिक क्रियाकलापों के भी केन्द्र थे। इसलिए वे दक्षिण के मन्दिरों की अपेक्षा क्षेत्रफल और आकार में बहुत बड़े होते थे।

प्र.2 शुरूआती मध्य युग में बने मन्दिरों के बारे में लिखिए।

उ. मध्य प्रदेश का खुजराहों मन्दिर अपनी नागरा शैली की नक्काशी और निर्माण कला के लिए जाना जाता है। कंदारिया महादेव मन्दिर अपनी निर्माण कला के लिए प्रसिद्ध है। भुवनेश्वर के मुक्तेश्वर मन्दिर लिंगराज मन्दिर और राजरानी मन्दिर और पुरी का जगन्नाथ मन्दिर और कोणार्क का सूर्य मन्दिर उड़ीसा शैली की निर्माण कला के सबसे अच्छे मन्दिर है। इस काल के मन्दिरों की निर्माण शैली की मुख्य विशेषताएँ है :- विमान, मीनारों से सुशोभित मन्दिर जगमोहन, एक सोता महाकक्ष, नाट्यमंडप, एक नृत्य महाकक्ष और योग मंडप तंजौर का बृहदीश्वर मंन्दिर, दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मन्दिरों में से एक हैं। यह मन्दिर 1011 ई0 में भगवान शिव के सम्मान में चोल शासक राजाराम प्रथम ने बनवाया था। द्वार समुद्र का होयसालेश्वर मन्दिर होयसालो द्वारा बनवाया गया था। राजेश्वर मन्दिर राजाराम प्रथम द्वारा बनवाया गया था।

प्र.3 सल्तनत काल में बने प्रसिद्ध स्मारकों के बारे में लिखिए।

उ. दिल्ली सल्तनत के अधीन भारत में जिस कला शैली का विकास हुआ वह एक मिश्रित शैली थी। जिसे इंडो-इस्लामिक शैली कहा गया। कुस्बतुल इस्लाम मस्जिम सबसे पहली मस्जिद कुतुबुद्दीन ऐबक ने बनाई थी। दिल्ली के पास महरौली में कुतुबमीनार, कुतुब कांप्लैक्स का अली दरवाजा, गियासुद्दीन तुगलक की कब्र, फिरोज-शाह कोटला लोदी बाग, सल्तनत काल के कुछ प्रसिद्ध स्मारक हैं।

प्र.4 आप कैसे कह सकते हो कि मुगल महान् निर्माता थे? अपने उत्तर की सही उदाहरणों से व्याख्या कीजिए।

उ. मुगल महान् निर्माता थे। उनके काल में कई प्रकार की इमारते बनी है जो कला और कारीगरी का अजब नमूना है; जैसे - शहाजहाँ ने आगरा में ताजमहल बनवाया, दिल्ली में लाल किला, जामा मस्जिद, आगरा में मोती मस्जिद आदि।

प्र.ग सही जोड़े बनाओ :-

उ.

1.	लिंग मन्दिर	:	भुवनेश्वर
2.	कैलाश मन्दिर	:	एलोरा
3.	कुतुबमीनार	:	महरौली
4.	लाल किला	:	दिल्ली
5.	बुलंद दरवाजा	:	फतेहपुर सीकरी
6.	कंदरिया महादेव मन्दिर	:	मध्य प्रदेश
7.	जगन्नाथ मन्दिर	:	पुरी
8.	सूर्य मन्दिर	:	कोणार्क
9.	बादशाही मस्जिद	:	लाहौर
10.	बृहदीश्वर मन्दिर	:	तंजौर

8 नगर, व्यापारी और शिल्पकार

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 मध्य युग में नगरों के विभिन्न कार्य क्या थे?

उ. मध्य युग में और यहाँ तक कि आज भी नगरों में विभिन्न कार्य होते हैं। कुछ नगर मंदिर, कुछ शासन केन्द्र, कुछ वाणिज्य संबधी नगर या बंदरगृह थे। वास्तव में कई नगर विभिन्न कार्यों में लगे हुए थे। वे शासन केन्द्र,

मन्दिर नगर के साथ-साथ वाणिज्य संबधी क्रियाकलापों और हस्तकलाओं के केन्द्र थे।

प्र.2 कुछ लोग मंदिरों के पास क्यों बसे?

उ. बड़ी संख्या में पुजारी, श्रमिक, शिल्पकार, व्यापारी आदि मन्दिर और यात्रियों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मन्दिर के पास रहने लगे।

प्र.3 मध्य युग के पाँच महत्त्वपूर्ण मन्दिर नगरों के नाम लिखिए।

उ. नगर जो मन्दिर के चारों ओर बसे है उनमें से मध्य प्रदेश का भील स्वामिन, गुजरात में सोमनाथ, तमिलनाडु का काँचीपुरम मदुरई तथा आंध्र प्रदेश में तिरूपति, उत्तर प्रदेश में वृंदावन।

प्र.4 अजमेर एक प्रसिद्ध तीर्थयात्री केन्द्र क्यों है?

उ. अजमेर में मुईनद्दीन चिश्ती एक सूफी संत की दरगहा है।

प्र.5 भारत से कौन-सी दो प्रमुख चीजें निर्यात होती थी?

उ. कपड़ा और मसाले।

प्र.6 मध्य युग में कौन से बंदरगाहों का विकास हुआ?

उ. मध्य युग में भारत के पूर्वी तट पर, ताम्रलिप्ती (अब बंगाल में तामलुक) और विशाखापट्टनम (अब आंध्र प्रदेश में) दो बड़े समुद्री बंदरगाह थे।

प्र.7 भारतीय शिल्पकार किस शिल्प के लिए प्रसिद्ध थे?

उ. बीदार के शिल्पकार ताँबे और चाँदी के जड़ाऊ काम के लिए बहुत प्रसिद्ध थे।

प्र.8 यूरोप के व्यापारियों द्वारा कौन से बंदरगाहो का विकास हुआ।

उ. पश्चिमी तट पर कैंबे, सूरत, बरौच, सपौरा, कोचीन, क्विलम, गोवा के महत्त्वपूर्ण बंदरगाह बने।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए :-

प्र.1 एक नगर विभिन्न कार्य कैसे करता था? अपने उत्तर को उदाहरण सहित बताइए।

उ. मध्य युग में और यहाँ तक कि आज भी नगरों में विभिन्न कार्य होते हैं। कुछ नगर मन्दिर, कुछ शासन केन्द्र, कुछ वाणिज्य संबधी नगर या बंदरगाह थे। वास्तव में कई नगर विभिन्न कार्यों में लगे हुए थे। वे शासन केन्द्र मंन्दिर नगर के साथ-साथ वाणिज्य संबधी क्रियाकलापों और हस्तकलाओं के केन्द्र थे।

मध्य युग में कुछ नगर प्रशासनिक केन्द्रों के रूप में कार्य करते थे। राजपूतों के अधीन दिल्ली, अजमेर, कन्नौज, देहरा, महोबा और त्रिपुरी विभिन्न राजपूत वंशों के प्रशासनिक केन्द्रों के रूप में विकसित हुए।

प्र.2 दक्षिण भारत के प्रसिद्ध दरबारी नगर कौन से और किस वंश के अधीन थे?

उ. दक्षिण भारत में काँची, बादामी और एलोरा (पल्लवों के अधीन), बादामी कल्याणी और वेंगी (चालुक्यों के अधीन), मालखेड़ा (राष्ट्रकारों के अधीन), देवगिरी (यादवों के अधीन), द्वार समुद्र (होयसालों के अधीन), तंजौर और गंगाइ कोंड़ा, चोलापुरम (चोंलों के अधीन), मदुरई (पाड्यों के अधीन), दरबारी नगरों की तरह विकसित हुए।

प्र.11 मध्य युग में विकसित हुई कुछ प्रसिद्ध शिल्पों के बारे में लिखिए।

उ. मध्य युग में भारतीय शिल्पकारों द्वारा बनाई गई विभिन्न वस्तुएँ प्रसिद्ध थीं और कई देशों में इनकी बहुत ज्यादा माँग थी। बीदार के शिल्पकार ताँबे और चाँदी के जड़ाऊ काम के लिए बहुत प्रसिद्ध थे। इस कला को बिदरी के नाम से जाने जाना लगा। मन्दिरों को बनाने के लिए पंचाल या विश्वकर्मा समुदाय; जिसमें सुनार, ताँबे का सामान बनाने वाले लुहार, राजमिस्त्री, बढ़ई आदि सम्मिलित थे, की बहुत ज्यादा आवश्यकता थी। वे महलों, बड़ी इमारतों, टैंक और जलाशय बनाने में भी महत्त्वपूर्ण योगदान देते थे। इसी प्रकार बुनकर जैसे सामियारलाया काइकोलार एक संपन्न समुदाय का उदय हुआ जो मन्दिरों को धन देते थे। कपड़ा बनाने के कुछ तरीके : जैसे - कपास को साफ करना, सूत कातना और रंग करना विशेष और स्वतंत्र कार्य बने। भारतीय कपड़े की

कई देशों में बहुत मांग थी।

प्र.3 मध्य युग के भारत के बाह्य व्यापार के बारे में लेख लिखिए।

उ. मध्य युग के अन्तिम काल में सत्रहवी और अठारहवीं शताब्दी में युरोप के देश मसालों और कपड़ों की तलाश कर रहे थे, जिनकी यूरोप और पश्चिमी एशिया दोनों में बहुत माँग थी।

कपड़ा और वस्तुएँ बहुत ज्यादा माँग में थी इसलिए सूत बुनना, कातना, साफ करना, रंग करना आदि क्रियाओं का विस्तार हुआ। इस काल में शिल्पकारों की स्वतन्त्रता का पतन हुआ। अब उन्होंने पेशगी की नीति पर काम करना शुरू किया। अर्थ है कि उन्हें वही कपड़ा बुनना होगा जिसका अनुबंध यूरोप के व्यापारियों से हुआ। बुनकरों को अब अपना कपड़ा बेचने या अपने तरीके से बुनने की आजादी नहीं थी।

अठारहवी शताब्दी में बंबई (मुंबई), कलकत्ता (कोलकाता) और मद्रास (चेन्नई) का विकास हुआ जो आजकल मुख्य शहर में है। शिल्प और वाणिज्य में कई मुख्य बदलाव हुए इसलिए सौदागर और कारीगर (जैसे - बुनकर) यूरोपियों द्वारा स्थपित किए गए काले नगरों में चले गए।

प्र.ग सही जोड़े बनाइए :-

उ.

1.	मदुरई	:	तमिलनाडु
2.	अजमेर	:	राजस्थान
3.	आगरा	:	उत्तर प्रदेश
4.	विशाखापट्टनम	:	आंध्र प्रदेश
5.	ताम्रलिप्ती	:	बंगाल

9 जनजातियाँ – खानाबदोष और एक जगह बसे हुए समुदाय

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 मध्य युग में लोगों के कौन-से समूहों का समाज में उच्च स्थान था?

उ. क्षत्रियों (शासकों), सामंतों, सरदारों, ब्राह्मणों और अमीर सौदागरों का समाज में ऊँचा स्थान था।

प्र.2 कौन-से समुदाय जनजातियाँ कहलाए?

उ. दिल्ली सल्तनत में कई प्रकार के समाज थे। ये समुदाय ब्राह्मणों द्वारा बनाए गए नियमों और रीति रिवाजों को नहीं मानते थे। वे असंख्य असमान वर्गों में भी बँटे हुए नहीं थे। ऐसे समुदायों को जनजातियाँ कहा गया।

प्र.3 रानी दुर्गावती कौन थी।

उ. रानी दुर्गावती कढ़कटंगा की रानी थी। 1565 ई0 में आसफ खाँ के मुगल सेना ने गढ़कंटगा पर आक्रमण किया। रानी दुर्गावती शक्तिशाली सेना के बावजूद हार गई और उसने आत्मसमर्पण के स्थान पर मरना पंसद किया।

प्र.4 विभिन्न जातियाँ कैसे अलग-अलग वर्णों से उत्पन्न हुई?

उ. समाज की आवश्यकताएँ और आर्थिक क्रियाएँ बढ़ी, लोगों को नए कौशलालें की आवश्यकता हुई। छोटी जातियाँ या वर्ग वर्णो में विलय हो गये; जैसे - सुनार, बढ़ई और राज मिस्त्री भी अलग-अलग जातियों से जाने जाने लगे। समाज बनाने के लिये वर्ण की अपेक्षा जाति आधार बनी।

प्र.5 कुछ जनजातियों ने बाह्मणों द्वारा बनाए गए सामाजिक नियमों को कैसे अपनाया?

उ. कुछ वर्णो ने जाति प्रथा को अपनाया और ब्राह्मणों द्वारा बनाए सामाजिक नियमों का अनुसारण किया।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए :-

प्र.1 जनजातियों के जीवन के बारे में लिखिए?

उ. कई जनजातियाँ अपनी जीविका खेती से चलाती थीं। कुछ शिकारी संग्राहक और चरवाहे थे। उनमें से, वे जहाँ

रहते थे, उस भाग के प्राकृतिक संसाधनों का पूरा प्रयोग करने के लिए ये क्रियाएँ एक साथ मिलकर करते थे। कुछ जातियाँ बंजारों की थीं जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमती थीं। एक बंजारा जाति भूमि और चरागाह को मिलकर नियत्रित करते थे और इसे वे अपने नियमों के अनुसार बाँट लेते थे। कई बड़ी जनजातियाँ उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में विकसित हुई। वे ज्यादातर जंगलों में पहाड़ों पर रेगिस्तान में और ऐसे स्थानों पर रहते थे जहाँ पहुँचना मुश्किल था। इन जन-जातियों ने अपनी आजादी को कायम रखा और अपनी अपनी अलग संस्कृति को बनाए रखा।

प्र.2 अहोम समाज की मुख्य विशेषताएँ क्या थीं ?

उ. अहोमों ने तेरहवीं शताब्दी में आज के म्यांमार से ब्रह्मपुत्र घाटी की ओर गमन किया। अहोमों ने दूसरी कई जन-जातियों को दबाकर एक नया राज्य बनाया। अहोम समाज बहुत शालीन था। कवियों और विद्धनों को भूमि दान दी गई। थिएटर को प्रोत्साहन मिला। संस्कृत के महत्त्वपूर्ण कार्यों का स्थानीय भाषा में अनुवाद किया। बुरन जी नामक ऐतिहासिक कृतियों का भी सबसे पहले अहोम भाषा और फिर असमिया में अनुवाद किया।

1530 ई0 के करीब अहोमों ने बारूद से बने शास्त्रों का प्रयोग किया। 1660 ई0 के करीब वे अच्छी गुणों वाली तोप और बारूद बना सके। उन्होंने कई आक्रमणों का सामना किया। 1662 ई0 में मीर जुमला के अधीन मुगलों ने अहोम राज्य पर आक्रमण किया। बहादुरी से लड़ने के बावजूद अहोम हार गए। लेकिन पूरे क्षेत्र पर मुगलों का सीधा नियत्रंण ज्यादा समय तक न रह सका।

प्र.3 गोंड़ों की शासन व्यवस्था का विवरण दीजिए।

उ. गोंड़ विशाल जंगलों वाले इलाके गोंड़वाना में रहते थे। वे स्थानांतरित कृषि से जीविका चलाते थे। विशाल गोंड जाति आगे चलकर विभिन्न छोटे-छोटे वर्गों में विभाजित हो गई। प्रत्येक वर्ग का अपना राजा या राय होता था।

इन राज्यों की शासन व्यवस्था केंद्रीकृत हो गई। राज्य गढ़ों में विभाजित हो गया। प्रत्येक गढ़ का एक निश्चित गौड़ कुल से नियंत्रित होता था। प्रत्येक गढ़ में 84 गाँव होते थे जिसे चौरासी कहते थे। चौरासी बरहोतों में विभाजित होते थे जो 12 गाँवों से मिलकर बनता था।

ब्राह्मण गौड राजाओं से भूमि दान में लेते थे और वे ज्यादा प्रभावशाली हो गए। अब गौड सरदार राजपूतों की तरह मान्यता चाहते थे। गढ़कटंगा के गौड राजा अमन दास को संग्राम शाह की उपाधि मिली। उसके पुत्र दलपत ने महोबा के चंदेल राजपूत राजा सालेबाहन की पुत्री राजकुमारी दुर्गावती से विवाह किया। गढ़कंटग्गा के पतन के बावजूद गौड़ राज्य कुछ समय तक कायम रहा। परन्तु वे कमजोर होते गए और मजबूत बुंदेलों और मराठों के विरूद्ध सफलतापूर्वक संघर्ष नहीं कर सके।

प्र.4 बंजारे अपनी जीविका कैसे चलाते थे?

उ. बंजारे सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण खानाबदोश व्यापारी थे। उनका काफिला टांडा कहलाता था। उलाउद्दीन खिलजी शहर के बाजारों में अनाज ले जाने के लिए इन बंजारों का प्रयोग करता था। बंजारे विभिन्न क्षेत्रों में अनाज अपनी बैलगाड़ियों पर ले जाते थें और इन्हें शहरों में बेचते थे। वे युद्ध काल में मुगल सेना लिए अनाज ले जाते थे। विशाल सेना के अनाज ले जाने के लिए 1,00,000 बैलगाड़ियाँ होगी।

ये बंजारे अपने साथ अपना घरेलू सामान, बच्चे और पत्नियों को ले जाते थे। कई परिवारों को मिलाकर एक टांडा बनता था। एक टांडा में 6 सौ या 7 सौ आदमी होते थे। ये अनाज वहाँ से खरीदते थे जहाँ पर सस्ता मिलता था और जहाँ जरूरत होती थी वहाँ पर बेचते थे। अपने बैलों पर से सामान उतारने के बाद वे उन्हें ऐसी भूमि चराने के लिए ले जाते थे जहाँ वे आजादी से चर सकें।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. गक्खर प्रधान *कमल खान* को सम्राट *अकबर* ने मनसबदार बनाया था।

2. अकबर के सेनापति राजा मानसिंह ने *चेरो* को हराया।

3. अहोम *म्यांमार* से ब्रह्मपुत्रघाटी चले गए।
4. 1662 ई0 में, *मीर जुमला* के अधीन मुगलों ने अहोम राज्य पर आक्रमण किया।
5. गौड *स्थनांतरित* कृषि से जीविका चलाते थे।
6. गढ़कटंगा के गौड़ राजा *अमनदास* को *संग्रामशाह* की उपाधि मिली।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. जनजाति संबधी समुदायों की अच्छे मौखिक परंपराएँ थी। (✓)
2. गौड़ राज्य के चौरासी में 84 शहर आते थे। (✗)
3. भील उपमहाद्वीप के उत्तर-पूर्व ाागि में रहते थे। ( )
4. अहोम बारूद से बने शस्त्रों का प्रयोग करना जानते थे। (✓)
5. उत्तर-पूर्व की कुछ जनजातियों ने बहुत पहले ही इस्लाम को अपनाया। (✗)

प्र.ड. उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	खोखर	:	पंजाब
2.	अहोम	:	ब्रह्मपुत्र घाटी
3.	गोंड	:	मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़
4.	चेरों	:	बिहार और झारखंड़
5.	अरघुन	:	मुल्तान और सिंध
6.	संताल	:	उड़ीसा और बंगाल
7.	गद्दी	:	पश्चिमी हिमालय
8.	कोली	:	महाराष्ट्र और गुजरात

10 भक्ति और सूफी आंदोलन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 भक्ति का मुख्य विचार क्या था?

उ. संत कवियों ने सभी कर्मकांडी और जन्म के आधार पर सामाजिक अंतर को नकारा। उन्होंने जोर दिया कि भक्ति दूसरों के दर्द बाँटने से होती है।

प्र.2 नयानार और अलवारों के बीच मुख्य अंतर क्या था?

उ. नयानार शिव की पूजा करने वाले संत थे और अलवार विष्णु को मानने वाले संत थे।

प्र.3 शंकर और रामानुज में मुख्य अंतर क्या था?

उ. शंकर और रामनुज दो महान् दार्शनिक थे। शंकर अद्वैतवाद को मानने वाले थे जबकि रामानुज ने विशिष्टाद्वैतवाद का प्रतिपादन किया।

प्र.4 कर्नाटक में कौन सा भक्ति आंदोलन शुरू हुआ और इसे किसने प्रारंभ किया?

उ. कर्नाटक में वीर शैववाढ नामक आंदोलन शुरू हुआ और इसे बसन्ना और उसके साथी ने शुरू किया।

प्र.5 सूरदास की रचनाएँ किन नामों से जानी गई?

उ. सूरदास की रचनाएँ सूर सागर और सूरसावली के नामों से जानी गई।

प्र.6 मीराबाई कौन थी? वह किसकी शिष्या बनीं और वह किसकी परम भक्त थी?

उ. मीराबाई एक रापूत राजकूमारी थीं। जिसका 16 वीं शताब्दी में मेवाड़ के शाही परिवार में विवाह हुआ। मीराबाई

रविदास की शिष्या बनी वह कृष्ण की परम भक्त थी।

प्र.7 गुरूनानक की मुख्य शिक्षाएँ क्या थीं?

उ. गुरूनानक ने एक भगवान की पूजा के महत्त्व पर जोर दिया उन्होंने बताया कि बदलाव लाने के लिए जाति, मत या लिंग असंगत है उन्होंने स्वयं अपनी शिक्षा के सार में नाम, दान और स्नान शब्द का प्रयोग किया जिसका वास्तव में अर्थ है सही पूजा, दूसरों की भलाई और आचरण की शुद्धता। उनकी शिक्षाएँ अब नाम जपना, कीर्तन करना और छंद छकना के रूप में याद की जाती हैं।

प्र.8 अमृतसर सिख धर्म का प्रसिद्ध केन्द्र क्यों बना?

उ. 17वीं शताब्दी के प्रारम्भ में अमृतसर में हरमिंदर साहिब (स्वर्ण मंदिर) बना जिसे गुरु नानक ने एक भगवान की पूजा पर जोर दिया इसलिए अमृतसर सिख धर्म का प्रसिद्ध केन्द्र बना।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए :-

प्र.1 भक्ति का विचार कैसे प्रसिद्ध हुआ? भक्ति संतों की क्या मुख्य शिक्षाएँ थीं?

उ. कई भक्ति असमानता के विचार तथा जन्म और पुनर्जन्म के विचार से सहमत नहीं थे। वे बौद्ध और जैन की शिक्षाओं को मानने लगे जिनके अनुसार व्यक्तिगत प्रयास से सामाजिक असमानताओं को दूर किया जा सकता है और पुनर्जन्म के चक्र को तोड़ा जा सकता है। कुछ लोग परमेश्वर के विचार की ओर आकर्षित हुए, जो मनुष्य की ऐसे दासत्व से मुक्त करा सकता है अगर मनुष्य भगवान की शरण में जाए। पूजा-पाठ यज्ञ से शिव विष्णु और दुर्गा की पूजा की जाने लगी। पुराणों में बताया गया कि किसी भी जाति का व्यक्ति भगवान की भक्ति से उसकी कृपा प्राप्त कर सकता है। भक्ति का विचार इतना लोकप्रिय हुआ कि बौद्धों और जैनों ने भी इसे अपना लिया।

प्र.2 नयानार और अलवार कौन थे? उन्होंने अपने सिद्धातों को कैसे फैलाया।

उ. 7वीं से 9वीं शताब्दी में दक्षिण भारत में नयानारों (शिव की पुजा करने वाले संत) और अलवारों (विष्णु को मानने वाले संत) द्वारा चलाया गया एक धार्मिक आंदोलन आरंम्भ हुआ। सभी जातियों के लोग इन आंदोलनों में शामिल हुए। यहाँ तक कि पुलैया और पनार जैसे अछूतों को भी इन आंदोलनों में शामिल होने की अनुमति थी। उन्हांने बौद्धों और जैन धर्म की बड़ी आलोचना की और मुक्ति पाने के लिए विष्णु और शिव की अटूट भक्ति का उपदेश दिया। उन्होंने प्यार और पराक्रम के आदर्शो पर बल दिया जैसा कि संगम साहित्य में पाया जाता है।

नयानार और अलवार गाँवों में घूमें और वहाँ मन्दिरों में रखी देवी देवताओं की मूर्तियों की प्रशंसा में सुन्दर कविताएँ लिखी और उन्हें संगीत में बाँधा।

प्र.3 शंकर और रामानुज का भक्ति दर्शन में क्या योगदान था ?

उ. भारत के सबसे प्रसिद्ध दार्शनिक शंकर का जन्म केरल में 8वीं शताब्दी में हुआ था। वह अद्वैतवाद के या व्यक्तिगत आत्मा और परमेश्वर की एकता के मत के समर्थक थे जो परम सत्य है। उन्होंने संसार को अपने चारों और का भ्रम या साया बताया और संसार को त्यागने की शिक्षा दी तथा मोक्ष प्राप्ति एवं ब्रह्मा की प्रकृति को समझने के लिए ज्ञान का पथ अपनाने के लिए कहा।

रामानुज 11वीं शताब्दी में तमिलनाडु में पैदा हुए थे। वह अलवारों से बहुत ज्यादा प्रभावित थे। उनके अनुसार मोक्ष प्राप्ति का सबसे अच्छा साधन विष्णु की गहरी भक्ति है। उन्होंने विशिष्टाद्वैवत के मत का प्रतिपादन किया। इस मत के अनुसार परमेश्वर से जुड़ने के बाद भी आत्मा अपनी सत्ता बनाए रखती है।

प्र.4 नाथपंथों, सिद्धों और योगियों के विश्वास और आचरणों का विवरण दीजिए।

उ. इन समूहों ने संसार में त्याग करने का पक्ष लिया। इन्होंने कर्मकांड़ों, धार्मिक आडंबरों और सामाजिक भेदभाव की आलोचना की। इन्होंने मोझ पाने का पथ निराकार की आराधना में बताया। उन्होंने मस्तिष्क और शरीर के गहन प्रशिक्षण के लिए योगासन, प्राणायाम और चितंन-मनन पर जोर दिया। वे नीची जाति में ज्यादा प्रसिद्ध हुए। परंपरागत धर्म के प्रति उनकी आलोचना ने भक्तिमार्गीय धर्म के लिए आधार तैयार किया जो उत्तरी भारत

में लोकप्रिय हुआ।

प्र.5 कबीर द्वारा किए गए मुख्य उपदेश क्या थे। उन्होंने इन्हें कैसे फैलाया?

उ. कबीर के उपदेश प्रमुख धार्मिक परंपराओं के पूर्णरूप से नकारते थे। उनके उपदेशों में ब्राह्मणवादी हिंदू धर्म और इस्लाम धर्म दोनों की बाह्य आडंबरपूर्ण पूजा के सभी रूपों का उपहास किया गया है। उनके काव्य की भाषा साधारण बोलचाल की हिन्दी थी जो आप आदमियों द्वारा आसानी से समझी जा सकती थी। उन्होंने कभी-कभी रहस्यपूर्ण भाषा का भी प्रयोग किया, जिसे समझना कठिन होता है।

कबीर निराकार परमेश्वर में विश्वास करते थे और शिक्षा देते थे कि पापों से मुक्ति पाने का रास्ता केवल भक्ति और त्याग है। हिन्दु और मुस्लिम दोनों ही उनके अनुयायी बने।

प्र.6 प्रसिद्ध सूफी संतों के नाम बताइए। उनके मुख्य विश्वास और आचरण क्या थे?

उ. सूफी रहस्यवादी थे। उन्होंने अधिक धार्मिक कर्मकांड़ों को नकारा और सभी मनुष्यों के प्रति दया और भगवान के प्रति भक्ति एवं प्यार पर जोर दिया। मुस्लिम धार्मिक विद्वानों द्वारा बताए गए व्यवहार को नकारा। उन्होंने भगवान के साथ मिलने की इच्छा इस प्रकार की जैसे एक प्रेमी संसार की उपेक्षा के बावजूद अपनी प्रेमिका से मिलने की इच्छा करता है। इसमें अलियाओं की एक लंबी सूची थी; जैसे अजमेर के ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती, दिल्ली के कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी, पंजाब के बाबा फरीद, दिल्ली के ख्वाजा निजामुद्दीन औलिया और गुलबर्ग के बंदानवाज गिसुदराज।

प्र.7 बाबा गुरु नानक की मुख्य शिक्षाएँ क्या थीं? उनकी शिक्षाओं को कैसे संकलित किया गया?

उ. 17वीं शताब्दी के प्रारंभ में केंद्रीय गुरुद्वारा के चारों ओर विकसित किया गया। रामदासपुर का शहर हरमिंदर साहब कहा गया। गुरु नानक ने एक भगवान की पूजा के महत्त्व पर जोर दिया उन्होंने बताया कि बदलाव लाने के लिए जाति, मत या लिंग असंगत है। उन्होंने स्वयं अपनी शिक्षा के सार में नाम, दान और स्नान शब्द का प्रयोग किया जिसका वास्तव में अर्थ है सही पूजा, दूसरों की भलाई और आचरण की शुद्धता। उनकी शिक्षाएँ अब नाम जपना कीर्तन करना और छंद छकना के रूप में याद की जाती हैं, जो सही विश्वास और पूजा, ईमानदारी से रहना और दूसरों की मदद करने के महत्त्व को इंगित करती हैं।

प्र.ग सही जोड़े बनाइए :-

उ.

1.	नयानार	:	शिव की पूजा
2.	अलवार	:	विष्णु की पूजा
3.	सूरदास	:	कृष्ण के भक्त
4.	तुलसीदास	:	राम के भक्त
5.	निजामुद्दीन औलिया	:	सूफी संत

प्र.घ रिक्त स्थनों की पूर्ति कीजिए :-

उ.

1. शंकर का जन्म *केरल में 8वीं* शताब्दी में हुआ था।
2. रामचरित मानस *अवधी* भाषा में तुलसीदास द्वारा लिखी गई
3. *शंकरादेव* ने कविताओं और प्रार्थनाओं के घर नामधरों की स्थापना करनी शुरु की।
4. उस समय नयानारों की संख्या *63* थी और अलवारों की संख्या *12* थी।
5. बसवना द्वारा चलाया गया आंदोल *वीर शैववाद* के नाम से जाना गया।
6. तुकाराम *13वीं शताब्दी* के संत कवि थे।
7. *निजामुद्दीन औलिया* और *कुतुबुद्दीन बख्तियार* दिल्ली के दो प्रसिद्ध सूफी संत थे।
8. गुरु नानक का जन्म *तंलवंडी* में हुआ था जो अब *धर्मसाल* के नाम से जाना जाता है।

प्र.ड. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइये :-

उ. 1. सूफी रूढ़िवादी मुस्लिम थे। (✗)

2. कबीर ने हिन्दू और मुस्लिम धर्म दोनों के बाह्य आडंबरों के सभी रूपों की आलोचना की। (✓)

3. नानक ने अपनी मृत्यु से पहले अर्जुन को अपना उत्तराधिकारी बनाया। (✗)

4. वीर शैववाद आंदोलन कर्नाटक में शुरू हुआ। (✓)

5. मीराबाई अछूत कहलाने वाली जाति से सबंधित थीं। (✗)

11 क्षेत्रीय संस्कृतियों का विकास

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 संस्कृति शब्द से आप क्या समझते हो ?

उ. संस्कृति शब्द का प्रयोग लोगों की भाषा, धर्म, खान-पान की आदतें और सामाजिक रीति-रिवाजों आदि का वर्णन करने के लिए किया जाता है।

प्र.2 राजा भोज ने किस विषय पर लिखा?

उ. राजा भोज ने विभिन्न विषयों; जैसे - आयुर्वेद, खगोलशास्त्र, व्याकरण, धर्म और निर्माण कला आदि विषयों पर कई पुस्तकें लिखी।

प्र.3 सल्तनत और मुगल काल में कौन-सी नई भाषाएँ विकसित हुई?

उ. इस काल में संस्कृत साधारण लोगों की भाषा न होकर विद्धानों की भाषा थी और साधारण लोगों द्वारा बोली जाने वाले क्षेत्रीय भाषाएँ; अपभ्रंश जानी गई आधुनिक प्रादेशिक भाषाएँ जैसे -मराठी, गुजराती, बंगाली, फारसी, उर्दू आदि।

प्र.4 दक्षिण भारत की कौन-सी चार मुख्य क्षेत्रीय भाषाएँ हैं?

उ. दक्षिण भारत की चार मुख्य भाषाएँ हैं :- कन्नड, तमिल, तेलगु और मलयालम।

प्र.5 कुछ संस्कृत रचनाओं के नाम लिखिए जिनका फारसी में अनुवाद हुआ?

उ. राजतरांगिणी, रामायण, महाभारत, पंचतंत्र और अर्थवेद जैसी रचनाओं का फारसी में अनुवाद किया।

प्र.6 सल्तनत और मुगलकाल में किन नई संगीत शैलीयों का विकास हुआ?

उ. सल्तनत और मुगलकाल में भारतीय और कर्नाटक शैलियाँ बहुत प्रसिद्ध हुई।

प्र.7 सल्तनत काल में कौन से वाद्ययंत्र प्रचलन में आए थे?

उ. सल्तनत काल में तबला, सितार और सारंगी आदि का प्रचार हुआ।

प्र.8 भारत के प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य कौन-से हैं और वे किस क्षेत्र में प्रचलित हैं?

उ. भरत नाट्यम (तमिलनाडु), कथकली (केरल), ओडिसी (उड़िसा), कुचीपुड़ी (आंध्रप्रदेश) और मणिपुरी (मणिपुर)।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए :-

प्र.1 मध्य युग में उत्तर भारत में विकसित हुई क्षेत्रीय भाषाओं और साहित्य के बारे में लिखिए।

उ. प्रारंभिक मध्य युग में, उत्तर भारत में, क्षेत्रीय भाषाओं और साहित्य में बहुत विकास हुआ। कुछ राजा, विशेषकर राजपूत राजा साहित्य के महान संरक्षक थे। राजा मुंज एक महान कवि थे जबकि राजा भोज विभिन्न; जैसे आयुर्वेद, खगोलशास्त्र, व्याकरण, धर्म और निर्माण कला आदि, विषयों पर कई पुस्तकें लिखी। जयदेव इस काल के एक मेधावी कवि थे जिन्होंने गीत गोविन्द्र लिखी जिसमें कृष्ण और राधा के प्यार का वर्णन है। इस काल की कुछ अन्य प्रसिद्ध रचनाएँ थी ; दानदिव द्वारा लिखी दासकुमारी चरित, बाग द्वारा लिखित हर्षचरित, कादंबरी, कल्हण की रजतरांगिणी और चंद्रबरदाई की पृथ्वीराज रासों।

प्र.2 मध्य युग में दक्षिण भारत में विकसित हुई क्षेत्रीय भाषाओं और साहित्य के बारे में लिखिए।

उ. दक्षिण भारत में क्षेत्रीय भाषाओं और साहित्य में बहुत विकास हुआ। संस्कृत और तमिल वार्तालाप का प्रमुख माध्यम बनी। तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषा में काफी साहित्य लिखा गया कई साहित्यिक और धार्मिक रचनाओं का संस्कृत से इन भाषाओं में अनुवाद किया गया। तमिल में कंबन की रामयण इसका एक उदाहरण है। नुन्निहा और ट्विक्काना जैसे तेलुगु लेखकों ने महाभारत का तेलुगु में अनुवाद किया। लिंगयात शिक्षाविदां ने कन्नड़ साहित्य में उनके योगदान के कारण उन्हें कन्नड़ साहित्य के तीन रत्न कहा गया है।

आज के केरल के प्रायद्वीप भाग के दक्षिण पश्चिमी भाग में 9वीं शताब्दी में महोदयापुरम् का चेर राज्य स्थापित किया गया। इसी क्षेत्र में शायद मलयालम बोली जाती थी। शासकों ने अपने लेखों में मलयालम भाषा और लिपि का प्रयोग किया है। इसके साथ ही चेरों ने संस्कृत परपंरा को भी अपनाया। केरल के मंदिर, थिएटर ने जो इस काल का है, संस्कृत महाकाव्यों से कहानियाँ उधार ली थीं। चौदहवीं शताब्दी की एक रचना लीला टिलाकम्, जो व्याकरण और पद्य से संबधित है। माठीप्रबलम् में लिखी गई जिसमें दों भाषाओं संस्कृत और क्षेत्रीय भाषा का मिश्रण है।

प्र.3 बंगाल की क्षेत्रीय भाषा के विकास का वर्णन कीजिए।

उ. शुरू का बंगाली साहित्य दो वर्गो में बाँटा गया, एक संस्कृत का ऋणी था और दूसरा अपना स्वतंत्र साहित्य था। पहले में संस्कृत महाकाव्यों का अनुवाद आता है। दूसरें में गीतों और कहानियों की रचनाएँ आती हैं। पहले वर्ग से संबधित साहित्य का काल बताना आसान है क्योंकि इसमें विभिन्न हस्तलेख पाए जाते हैं। दूसरे वर्ग से संबधित साहित्य जिनसे ज्ञान होता है कि इनकी स्थाप्ना पंद्रहवीं शताब्दी के अंतिम वर्षो तथा अठाहरवीं शताब्दी के मध्यकाल के बीच की गई मौखिक रूप ही प्रचलित हुआ बताया जा सकता है; अतः उनका काल ठीक-ठीक नहीं बताया जा सकता।

बंगाल में, बंगाली साहित्य के साथ संस्कृत साहित्य भी चारों ओर फला-फूला। चैतन्य (1486-1533 ई0) जिन्होंने बंगाल में भक्ति आंदोलन चलाया, ने भी संस्कृत और बंगाली साहित्य में योगदान दिया। मुगल काल में बंगाली साहित्य चैतन्य द्वारा चलाए गए वैष्णव आंदोलन से प्रभावित था। चैतन्य भी विभिन्न जीवनियाँ संस्कृत और बंगाली दोनों में लिखी गई।

प्र.4 मध्य युग में चित्रकला के इतिहास के बारे में लिखिए।

उ. प्रारंम्भिक मध्य युग में उत्तरी भारत में, राजपूत और दूसरे शासकों के अधीन चित्रकला खूब फली-फूली। चित्रकला की दो बोलियाँ थी। राजस्थानी चित्रकला एवं पहाड़ी चित्रकला, चित्रकला की धना शैलियों की तकनीकी समान थी। चित्रकला की राजस्थानी शैली में कृष्ण लीला, नायिका-भेद, दरबारी दृश्य, शाही उत्सवों के दृश्य, जुलूस और शिकार आदि दिखाए गए थे। चित्रकला की पहाड़ी शैली को चित्रकला की बंगाली शैली भी कहा जाता था।

सल्तनत काल में, चित्रकला का प्रयोग पुस्तकों में चित्र बनाने के लिए और व्यक्तियों के चित्र बनाने के लिए किया जाता था।

मुगल सम्राट चित्रकला के महान् संरक्षक थे। फारसी और हिंदू शैली मिश्रित थी। हुमायुँ अपने साथ कई फारसी चित्रकारों को लाया था। जहाँगीर के शासन काल में चित्रकला को बहुत ज्यादा प्रेरणा मिली। वह स्वयं एक महान् चित्रकार था। राजस्थान कंगड़ा आदि कला के केंद्र बने। शिव को अपने भक्तों के साथ उनके कैलाश में दिखाया गया है जबकि नटराज को उनके गण गंधर्व और अप्सराओं के बीच दिखाया गया है।

प्र.5 मध्य युग में भारत में संगीत और नृत्य के विभिन्न रूपों का विकास कैसे हुआ?

उ. आरंम्भिक मध्य युग में, उत्तर और दक्षिण के शासक, विशेषकर राजपूत और चोल संगीत और चोल संगीत और नृत्य के महान् संरक्षक थे। उनके दरबार में संगीत और नृत्य के कार्यक्रम एक सामान्य बात थी। यहाँ तक कि इस काल के बने सभी मंदिरों में चोखटे हैं जहाँ संगीत और नृत्य के विभिन्न आज भी देखें जा सकते हैं। वे

शिव की पूजा करने वाले थे जिन्हें ज्यादातर नृत्य मुद्रा में दिखाया गया है और नटराज की तरह वर्णित किया गया है।

सल्तनत काल में, फारसी और संगीत और भारतीय संगीत के प्रभाव के परिणामस्वरूप हिन्दुस्तानी शैली का विकास हुआ। समूह गायन का फारसी रूप जिसे कव्वाली कहते हैं, सूफी संतों द्वारा प्रसिद्ध हुआ। नए संगीत वाद्यः जैसे - तबला, सितार और सांरगी आदि का प्रचार हुआ।

अकबर के शासन काल में तानसेन दरबारी संगीतज्ञ थे। संगीत में भारतीय और फारसी शैलियों का मिश्रण था। संगीत के विभिन्न रूपों, जैसे -ठुमरी, ख्याल और गजल का विकास हुआ।

प्र.ग निम्नलिखित साहितत्यिक रचनाओं के सामने उनके लेखकों के नाम लिखिए :-

उ.
1. गीत गोविंद : जयदेव
2. हर्ष चरित : दास कुमार चरित
3. रजतरंगिणी : कल्हण
4. पृथ्वी राज रासो : चंद्रबरदाई
5. आइना-ए-अकबरी : अबुल फजल
6. तुजुक-ए-जहाँगीरी : जहाँगीर

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. मुस्लिमों के आगमन के साथ *फारसी* उच्च वर्ग की भाषा थी।
2. *अकबर* ने साहित्यिक कार्यो के अनुवाद के लिए एक विभाग बनाया।
3. शाहजहाँ का ज्येष्ठ पुत्र *दारा शिकोह* फारसी, संस्कृत और अरबी में निपुण था।
4. *कबंन* ने रामायण का तमिल में अनुवाद किया।
5. पंदा, पोना और राणा *कन्नड़ साहित्य* के तीन रत्न कहे जाते थे।
6. *चैतन्य* ने बंगाल में भक्ति आंदोलन चलाया।
7. *तानसेन* अकबर के दरबार के प्रसिद्ध संगीतज्ञ थे।
8. अवध का आखिरी नवाब *वाजिद अलीशाह* के संरक्षण में कत्थक मुख्य कला के रूप में विकसित हुई।

प्र.ड. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. मध्य युग में कई संस्कृत रचनाओं का फारसी में अनुवाद किया गया। (✓)
2. प्रांरभिक मध्य युग में संस्कृत आम लोगों की भाषा थी। (✗)
3. बंगाल में केवल बंगाली साहित्य की रचना हुई। (✗)
4. हुमायूँ अपने साथ कई फारसी चित्रकारों को लाया था। (✓)
5. औरंगजेब संगीत का महान् संरक्षक था। (✗)

भाग-2 (पर्यावरण)

1 पर्यावरण

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 पर्यावरण से आप क्या समझते हैं?

उ. पर्यावरण का अर्थ है - हमारे चारों ओर पाए जाने वाले तत्व।

प्र.2 पर्यावरण के चार मंडल कौन-कौन से हैं? नाम लिखिए।

उ. पर्यावरण को मुख्यतः चार मंडलों में विभाजित किया जा सकता है - स्थलमंडल, जलमंडल, वायुमंडल, जैवमंडल।

प्र.3 वायुमंडल की चार मुख्य गैसों के नाम लिखिए।

उ. वायुमंडल की चार मुख्य गैस हैं - आक्सीजन, नाइट्रोजन, कार्बन-डाई-आक्साइड, आर्गन।

प्र.4 जैव मंडल कहाँ पाया जाता है?

उ. सभी प्रकार के जीवों के मंडल को जैव मंडल कहते हैं। यह एक संकरा क्षेत्र है, जहाँ तीनों मंडल एक दूसरे के निकट होते हैं। जैव मंडल में वायु और जल होता है इसलिये पृथ्वी जैव मंडल है।

प्र.5 कुछ वन्य-जीव और वनस्पति की प्रजातियाँ लुप्त क्यों होती जा रही हैं?

उ. मनुष्य के कार्यकलापों द्वारा हमारा पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है तथा वनस्पति जीवन और वन्य जीवन नष्ट हो रहा है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए :-

प्र.1 'स्थल मंडल' क्या है? यह हमारे पर्यावरण का महत्वपूण अंग क्यों है?

उ. स्थल मंडल पर्यावरण का सबसे महत्त्वपूर्ण मंडल है। पृथ्वी की बाह्य ठोस परत स्थल मंडल कहलाती है जो चट्टानों से बनी है। स्थल मंडल की औसतन मोटाई लगभग 100 किमी है। स्थल मंडल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम भूमि पर रहते हैं, हम भूमि की ऊपरी सतह पर 'मिट्टी' में फसल बोते हैं। सभी प्रकार की प्राकृतिक वनस्पति भूमि पर उगती है। चट्टानों को हमें विभिन्न प्रकार के खनिज प्राप्त होते हैं।

प्र.2 जलमंडल क्या है? इसके विभिन्न उपयोग क्या है?

उ. यह जल का मंडल है। समुद्र, झीलें, नदियाँ तथा अन्य जल स्त्रोत जलमंडल के अंग हैं। पृथ्वी की 71 प्रतिशत सतह जल से घिरी है। इसलिए पृथ्वी को जल का ग्रह तथा नीला ग्रह भी कहते हैं। सभी प्राणियों को जीवित रहने के लिए जल की आवश्यकता होती है। यह मौसम पर भी समप्रभाव डालता है। जल में कई प्रकार के जीव रहते हैं।

यह हमें भोजन तथा अन्य पदार्थ भी उपलब्ध कराता है। मछली से प्रोटीन प्राप्त होता है। खनिज तत्व, जैसे खनिज तेल और प्राकृतिक गैस भी समुद्र के तल से प्राप्त होते हैं। समुद्र, नदियाँ और झीलें जलयातायात के लिए प्रयुक्त होते हैं। अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समुद्र द्वारा ही होता है।

प्र.3 वायुमंडल क्या है? यह हमारे लिए क्यों उपयोगी है?

उ. पृथ्वी की सतह के चारों ओर फैली वायु की परत को वायुमंडल कहते हैं। यह कई गैसों जैसे आक्सीजन, नाइट्रोजन, कार्बन-डाई-आक्साइड, आर्गन इत्यादि को मिश्रण होता है। इसमें जलवाष्प, धूल के कण तथा धुआँ भी सम्मिलित होता है। वायुमंडल परिवर्तनशील होता है। अतः वायुमंडल में हर समय परिवर्तन होते हैं। मौसम समय-समय तथा स्थान-स्थान पर बदलता रहता है। वायुमंडल भीष्ण ताप तथा हानिकारक पराबैंगनी किरणों से हमारी रक्षा करता है। वायुमंडल के कारण ही पृथ्वी पर जीवन संभव है।

प्र.4 हमें अपने पर्यावरण की सुरक्षा क्यों करनी चाहिए? पर्यावरण के विनाश के क्या कारण हैं?

उ. हम अपनी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से पर्यावरण द्वारा करते हैं। अतः अपने पर्यावरण का संरक्षण करना हमारा परम कर्त्तव्य है जिससे कि हम स्वच्छ वायु में साँस ले सके, स्वच्छ पेयजल प्राप्त कर सकें तथा भोजन के अतिरिक्त अन्य पौष्टिक तत्व भी पर्यावरण से प्राप्त कर सकें। हमें अपने पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्राकृतिक स्त्रोंतों का प्रयोग इस प्रकार करना चाहिए। जिससे हवा, जल तथा मृद्रा प्रदूषित न हो तथा प्राकृतिक स्त्रोत और खनिज, संपदा आदि आने वाली पीढ़ी को भी प्राप्त हो सकें।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. भौतिक तथा प्राकृतिक पर्यावरण *जैविक* पर्यावरण कहलाता है।

2. प्राकृतिक और जैविक पर्यावरण एक-दूसरे पर *निर्भर* हैं।
3. पृथ्वी की *बाह्य* ठोस परत स्थल मंडल कहलाती है।
4. चट्टानों से हमें विभिन्न *खनिज* प्राप्त होते हैं।
5. *जल का* हमारे मौसम पर हम प्रभाव पड़ता है।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. स्थल मंडल की औरसतन मोटाई 100 किमी है। (✓)
2. पृथ्वी की सतह का अधिकांश भाग स्थल से घिरा है। (✗)
3. पर्यावरण के संरक्षण के लिए हमें प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण प्रयोग करना चाहिए। (✓)
4. खनिज तेल और प्राकृतिक गैस समुद्र तल से प्राप्त होते हैं। (✓)
5. मनुष्यों के कार्यकलापों द्वारा पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। (✓)

2 पृथ्वी का परिवर्तित होता हुआ रूप

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 किन कारणों से पृथ्वी की सतह पर परिवर्तन होते हैं?

उ. पृथ्वी की सतह पर बाह्य तथा आंतरिक शक्तियों द्वारा परिवर्तन होते रहते हैं।

प्र.2 मृदा अपरदन के प्रमुख कारण क्या हैं?

उ. मृदा अपरदन के प्रमुख कारक टूटी हुई चट्टानें, बहते जल, बहते हिमखंडो, वायु तथा समुद्र की लहरों के द्वारा अपदरित होती रहती है।

प्र.3 मिट्टी के निर्माण में कौन से कारक सहायक होते हैं?

उ. चट्टानों के टूटने के कारण मिट्टी बनती है, अतः मिट्टी के निर्माण में चट्टानों का महत्वपूर्ण योगदान है। मिट्टी के निर्माण का प्रथम चरण यहीं से प्रारंभ होता है।

प्र.4 जलोढ़ मिट्टी कैसे बनती है तथा यह किस क्षेत्र में पाई जाती है?

उ. जलोढ़ मिट्टी नदियों द्वारा भूमि पर बिछाई गई बारीक कणों वाली है। यह मिट्टी नदियों के किनारे या समुद्र तटीय मैदानों में पाई जाती है।

प्र.5 काली मिट्टी का निर्माण कैसे होता है तथा यह किस क्षेत्र में पाई जाती है?

उ. काली मिट्टी ज्वालामुखी विस्फोट तथा लावा निकलने से बनती है। यह मिट्टी दक्कन पहाड़ी क्षेत्र के महाराष्ट्र तथा गुजरात के क्षेत्र में पाई जाती है।

प्र.6 हमें मृदा-संरक्षण क्यों करना चाहिए?

उ. मृदा सबसे अधिक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है क्योंकि पृथ्वी पर सभी प्रकार के जीव मृदा पर निर्भर करते हैं, अतः मृदा का संरक्षण करना अति आवश्यक है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए :-

प्र.1 मृदा के निर्माण की प्रकिया का विवरण कीजिए।

उ. चट्टानों के टूटने के कारण मिट्टी बनती है, मिट्टी के निर्माण में चट्टानों का महत्वपूर्ण योगदान है मिट्टी के निर्माण का प्रथम कारण यहीं से प्रांरभ होता है। जीवांश भी इसी मिट्टी में मिल जाते हैं तथा इसे उपजाऊ बनातें हैं।

मिट्टी की उर्वरता तथा इसके गुण किसी स्थान की जलवायु तथा स्थलाकृति पर भी निर्भर करते हैं। इन कारकों पर निर्भर होने के कारण भारत में विभिन्न प्रकार की मिट्टियाँ पाई जाती हैं।

प्र.2 मृदा अपरदन के मुख्य कारक क्या हैं? प्रत्येक कारक का मृदा अपरदन में किस प्रकार योगदान होता है?

उ. नदियाँ वर्षा का जल हिमखंड, वायु और लहरे मिट्टी के अपरदन के मुख्य कारक हैं :-

1. **नदियाँ :-** नदियाँ प्राकृतिक रूप से ऊँचे स्थान से निचले स्थानों की ओर बहती है। ये नदियाँ ऊँचे चट्टानों को बहाकर तेज गति से नीचे ले आती हैं।
2. **वर्षा का जल :-** जब वर्षा होती है तो कुछ जल छिदिल चट्टानों की दरारों के माध्यम से पृथ्वी के नीचे चला जाता है। कुछ क्षेत्रों में जहाँ घुलनशील चट्टानें होती हैं; चूना या नमक इत्यादि वहाँ पर भूमिगत जल के कारण गुफाएँ तथा अन्य प्राकृतिक संरचनाएँ बन जाती हैं।
3. **हिमखंड :-** हिमखंड बर्फ के बहते हुए खंड होते हैं। ये किनारों से पिघलते रहते हैं तथा नदी का निर्माण करते जाते हैं। हिमखंड़ों द्वारा पर्वतीय क्षेत्रों में शिला का अपरदन होता है, जिससे U आकार की घाटियों का निर्माण होता है।
4. **वायु :-** वायु का कार्य मरूस्थलीय क्षेत्रों में अत्याधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि तेज हवाएँ धूल तथा रेत के कण को एक स्थान से उड़ाकर दूसरे स्थान पर ले जाती है।
5. **लहरें :-** जब समुद्र की लहरें तटों से टकराती हैं तो तटों की चट्टानों को तोड़ती हुई अपने साथ बहा ले जाती हैं।

प्र.3 नदी का विभिन्न अवस्थाओं में क्या कार्य होता है?

उ. नदी भूमि के कटाव का सबसे महत्वपूर्ण कारक है। यह विभिन्न अवस्थाओं पर विभिन्न प्रकार के कार्य करती है। साधारणतः एक नदी तीन अवस्थाओं से होकर बहती है। पर्वतीय अवस्था (प्राथमिक अवस्था) मैदानी अवस्था (मध्य अवस्था) और डेल्टा अवस्था (अंतिम अवस्था) :-

क. **पर्वतीय अवस्था :-** इस अवस्था में नदी पर्वतीय क्षेत्र के सीधे ढलानों से बहती हुई नीचे गिरती है। यह पर्वतों की चट्टानों को तोड़ती हुई V या I के आकार में नदी घाटियों का निर्माण करती है। इसी अवस्था में जल प्रपातों का निर्माण भी होता है।

ख. **मैदानी अवस्था :-** यह नदी की दूसरी अवस्था है। जब नदी मैदानी क्षेत्र में आती है इसका वेग कम हो जाता है तथा यह समतल भूमि से होकर बहती है। इस अवस्था में भूमि का कटाव तथा निक्षेपण एक साथ होता है। इस अवस्था में ही नदी द्वारा बाढ़ के मैदानों, गोमुखी झीलों तथा नदियों के मोड़ों का निर्माण होता है।

ग. **डेल्टा अवस्था :-** यह नदी की तीसरी और अंतिम अवस्था है। इस अवस्था में नदी का वेग बहुत मंद होता है। यहाँ पर यह कई भागों में विभाजित हो जाती है जिन्हें वितरिकाएँ कहा जाता है। इस अवस्था में नदी का कार्य निक्षेपण होता है। इस अवस्था में त्रिभुजाकार डेल्टा का निर्माण होता है।

प्र.4 भारत में पाई जाने वाली विभिन्न मिट्टियों के नाम लिखिए। प्रत्येक के विषय में संक्षेप में बताइए।

उ. भारत में छः प्रकार की मिट्टी पाई जाती है। जलोढ़ मिट्टी, काली मिट्टी, लाल मिट्टी, लैटराइट मिट्टी, मरूस्थलीय मिट्टी तथा पर्वतीय मिट्टी।

क. **जलोढ़ मिट्टी :-** यह मिट्टी नदियों द्वारा भूमि पर बिछाई गई बारीक कणों वाली मिट्टी है। यह मिट्टी नदियों के किनारे या समुद्र तटीय मैदानों में पाई जाती है। यह सर्वाधिक उपजाऊ मिट्टी होती है।

ख. **काली मिट्टी :-** यह मिट्टी ज्वालामुखी विस्फोट तथा लावा निकलने से बनती है। यह मिट्टी भी बहुत उपजाऊ होती है। काली मिट्टी को कपास मिट्टी या रेगड़ मिट्टी भी कहते हैं।

ग. **लाल मिट्टी :-** लाल मिट्टी पुराने रवेदार कायांतरित चट्टानों के टूटने से बनती है। यह चिकनी मिट्टी रेतीली मिट्टी से मिलकर बनती है। यह लाल रंग की होती है क्योंकि इसमें लौह तत्व के कण मिले होते हैं।

घ. **लैटेराइट मिट्टी :-** लैटेराइट मिट्टी अधिक वर्षा वाले भागों में पाई जाती है। यह मिट्टी चट्टानों के कटाव

से बनती है। इस मिट्टी में अम्लता पाई जाती है क्योंकि यह अधिक वर्षा के कारण चट्टानों के टूटने से बनती है।

ड. **मरूस्थलीय मिट्टी :-** यह मिट्टी पश्चिमी राजस्थान में पाई जाती है। इस मिट्टी में ह्यूमस की मात्रा कम होती है तथा यह कृषि के लिए उपयुक्त नहीं होती।

च. **पर्वतीय मिट्टी :-** ये मिट्टी हिमालय जैसे ऊँचे क्षेत्रों में पाई जाती है। इसमें लौह तत्व की अधिकता तथा चूने की कमी होती है।

प्र.5 मृदा संरक्षण की विभिन्न विधियों को विस्तारपूर्वक बताइए।

उ. मृदा संरक्षण :- मृदा सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है क्योंकि पृथ्वी पर सभी प्रकार के जीव मृदा पर निर्भर करते हैं। अतः मृदा का संरक्षण करना अति आवश्यक है। मृदा संरक्षण के निम्नलिखित उपाय हैं :-

क. वनीकरण और वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत मृदा अपरदन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किया जाना चाहिए।

ख. वृक्षों को अंधाधुंध काटने तथा चारागाहों में पशुओं की अधिक चराई की प्रवृति पर नियंत्रण लगाने के कदम उठाने चाहिए।

ग. सीढ़ीदार कृषि से पहाड़ी ढलानों की खेती की जानी चाहिए।

घ. जल प्रवाह को नियंत्रित या नियमित करने के लिए ढलान वाली भूमि और तीव्र प्रवाहित नदियों पर तटबंध तथा अवबोध बनाए जाने चाहिए।

ड. नदियों पर बाँध बनाकर बाढ़ को रोका जाना चाहिए।

च. फसलों के चक्रानुक्रम द्वारा तथा खाद या रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करके मृदा की उर्वरता को बढ़ाया जा सकता है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. क. पर्वतीय अवस्था पर नदी का मुख्य कार्य *भूमि* का कटाव है।

ख. डेल्टा अवस्था पर नदी का मुख्य कार्य *निक्षेपण* होता है।

ग. मृदा में मिश्रित मृत जीव और वनस्पति *जीवांश* कहलाते हैं।

घ. तापमान में परिवर्तन तथा वर्षा के कारण चट्टानों में *दरार* पड़ जाती है।

ड. काली मिट्टी को *कपास मिट्टी* भी कहा जाता है। यह *कपास* की फसल के लिए उपयुक्त है।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाकय के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. क. आंतरिक शक्तियाँ पृथ्वी पर मंद परिवर्तन लाती हैं। (✗)

ख. हिमखंडो के बहने से 'U' आकार की घाटियाँ बनती हैं। (✓)

ग. मरूस्थलीय मिट्टी में सिंचाई की व्यवस्था होने पर फसल उगाई जा सकती है। (✓)

घ. बाँगर मिट्टी, खादर मिट्टी से अधिक उपजाऊ होती है। (✗)

ड. लाला मिट्टी पुरानी रवेदार कायांतरित चट्टानों के टूटने से बनती है। (✓)

च. बाढ़ को रोककर भूमि के कटाव को रोका जा सकता है। (✓)

3 पृथ्वी का आंतरिक आवरण तथा आंतरिक शक्तियाँ

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 पृथ्वी के आंतरिक आवरण को जानने के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत क्या है?

उ. पृथ्वी के आंतरिक आवरण को जानने का महत्वपूर्ण स्त्रोत भूकंप तंरगें हैं।

प्र.2 भूकंप क्या होता है?

उ. पृथ्वी के धरातल का आकस्मिक कंपंन भूकंप कहलाता है।

प्र.3 पृथ्वी के ऊपरी आवरण की परतें कौन-सी होती हैं?

उ. पृथ्वी के ऊपरी आवरण की परतें सियाल तथा सिलिका होती हैं।

प्र.4 पृथ्वी की ऊपरी सतह की अपेक्षा पृथ्वी के आंतरिक भाग में चट्टानें अधिक गर्म क्यों होती हैं?

उ. अंदर की चट्टानों का तापमान अधिक है। तापमान 1^0C प्रत्येक 32 मीटर की दर से गहराई में बढ़ता जाता है। इसके कारण पृथ्वी की आंतरिक कोर में सभी चट्टानें अधिक तापमान के कारण पिघली अवस्था में मिलती हैं।

प्र.5 ज्वालामुखी पर्वत कैसे बनते हैं? इनके दो उदाहरण दीजिए।

उ. कभी-कभी लावा के निक्षेपों से ज्वालामुखी पर्वतों का निर्माण होता है। उदाहरण के लिए माऊंट किलिमंजारो (अफ्रीका) तथा माऊंट फ्युजियाम (जापान)।

प्र.6 टैक्टोनिक प्लेटों के उदाहरण लिखिए।

उ. पृथ्वी के आतंरिक भाग से भूतापीय तरंगे उठती रहती हैं। ये तरंगे भूपट्ल को विभिन्न टुकड़ों में विभाजित करती हैं। इन्हें टैक्टॉनिक प्लेट या स्थलीय प्लेट कहते हैं। ऐसी सात प्रमुख प्लेटें है - प्रशांत महासगरीय प्लेट, उत्तरी अमेरिका की प्लेट, दक्षिणी अमेरिका की प्लेट, यूरेशिया की प्लेट, अफ्रीका की प्लेट, इंडो-आस्ट्रेलियन प्लेट तथा एंटार्कटिका की प्लेट।

प्र.7 प्राथमिक चट्टानें किन्हें कहते हैं?

उ. जो पदार्थ पृथ्वी का भूपट्ल बनातें हैं उन्हें चट्टान कहते हैं।

प्र.8 'शैल–चक्र' से आपका क्या अभिप्राय है?

उ. आग्नेय शैलो का अवसादी शैलों में परिवर्तन तथा आग्नेय और अवसादी शैलों का रूपांतरित शैलों में परिवर्तन तथा पुनः रूपांतरित शैलों का आग्नेय तथा अवसादी शैलों में परिवर्तन 'शैल-चक्र' कहलाता है।

प्र.9 खनिज क्या होते हैं? ये हमारे लिए क्यों उपयोगी हैं?

उ. खनिज वे प्राकृतिक संसाधन हैं जो चट्टानों से प्राप्त होते हैं। खनिज बहुत आर्थिक महत्त्व के होते हैं इनसे हमें उद्योगों के लिए बहुत सा कच्चा माल प्राप्त होता है।

प्र.10 कोयला तथा खनिज तेल (पेट्रोलियम) को जैविक खनिज क्यों कहा जाता है?

उ. कोयला तथा खनिज तेल अवसादी शैल है इन्हें जैविक खनिज भी कहते हैं। इनका निर्माण पेड़-पौधों या जन्तुओं के अवशेषों से हुआ है जो लाखों वर्ष पूर्व पृथ्वी की सतह के नीचे दब गए थे।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 पृथ्वी के आंतरिक भाग में स्थित विभिन्न परतों के विषय में बताइए।

उ. पृथ्वी का आंतरिक भाग तीन परतों से बना है :- भूपट्ल, मैट्ल तथा कोर।

क. **भूपट्ल :-** पृथ्वी की ऊपरी सतह जो पृथ्वी के आंतरिक भाग को ढके रहती है, भूपट्ल या भूपृष्ठ कहलाती है। यह पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत है। इसकी मोटाई हर जगह एक समान नहीं होती। इसकी औसतन मोटाई 5 से 40 किमी है। यह महाद्वीपों के नीचे मोटी तथा सागरों के नीचे पतली होती है। पृथ्वी की ऊपरी परत विभिन्न प्रकार की चट्टानों से बनी है जिनमें खनिज पाए जाते हैं। यह सबसे महत्त्वपूर्ण परत है क्योंकि इसी पर जीवन निर्भर है। इस पट्ल की बाह्य परत सिलिका और ऐलुमिनियम की चट्टानों से बनी है। अतः इसे सियाल कहते हैं। भूपट्ल की आंतरिक परत सिलिका तथा मैग्नीशियम से बनी है अतः इसे सिमा कहतें हैं। बाहरी परत का घनत्त्व आंतरिक परत के घनत्त्व से कम होता है।

ख. **मैट्ल :-** भूपट्ल तथा आंतरिक कोर के बीच में मध्यवर्ती परत मैंट्ल कहलाती है। इसकी मोटाई

2900 किमी है। इसके दो भाग होते हैं - ऊपरी भाग तथा निचला भाग। मैंटल का ऊपरी भाग 100 किमी तक फैला है। इसे ऊपरी मैंटल कहा जाता है। ऊपरी मैंटल अर्थात् 100 किमी से नीचे निचला मैंटल होता है।

ग. **कोर :-** यह पृथ्वी का सबसे आंतरिक भाग होता है। इसकी मोटाई लगभग 3500 किमी होती है। यह परत सबसे सघन होती है तथा धातुओं से बनती है। अतः इसे धात्विक कोर भी कहते हैं। कोर भी दो भागों में विभाजित होती है। बाहरी कोर तथा आंतरिक कोर। बाहरी कोर साधारणतः लोहे से युक्त होती है तथा यह द्रवावस्था में होती है, आंतरिक कोर निकल और लोहे से युक्त होती है।

प्र.2 'टैक्टोनिक प्लेट' से आपका क्या अभिप्राय है? ये प्लेटें कैसे बनती हैं? इन प्लेटों के खिसकने से क्या प्रभाव पड़ता है?

उ. भूपटल एँस्थीनाँसफियर की अर्द्ध-तरल चट्टानों पर तैर रहा है। पृथ्वी के आंतरिक भाग से भूतापीय तरंगें उठती रहती हैं। ये तरंगें भूपटल को विभिन्न टुकड़ों में विभाजित करती हैं। इन्हें टैक्टोनिक प्लेट या स्थलीय प्लेट कहते हैं। ऐसी सात प्रमुख प्लेटें हैं - प्रशांत महासगरीय प्लेट, उत्तरी अमेरिका की प्लेट, दक्षिणी अमेरिका की प्लेट, यूरेशिया की प्लेट, अफ्रीका की प्लेट, इंडो-आँस्ट्रेलियन प्लेट तथा एंटार्कटिक प्लेट। ये प्लेटें एक-दूसरे से दूर हट रही हैं तथा कहीं-कहीं एक-दूसरे के पास आ रही हैं। इसके कारण भूपटल पर दरारें पड़ जाती हैं या मोड़ पड़ जाते हैं। इन प्लेटों की गति के कारण महाद्वीपों के आकार और स्थिति में लाखों वर्षों में परिवर्तन होता रहता है। इसी प्रक्रिया के फलस्वरूप वर्तमान स्थलाकृतियो का निर्माण हुआ है।

प्र.3 विभिन्न प्रकार की चट्टानों के विषय में उदाहरण सहित लिखिए।

उ. उत्पत्ति के आधार पर चट्टानों को तीन प्रकार से विभाजित किया जा सकता है :-

क. आग्नेय चट्टानें, ख. परतदार या अवसादी चट्टानें, ग. रूपांतरित चट्टानें।

क. **आग्नेय चट्टानें :-** पृथ्वी के भीतर गर्म द्रवित पदार्थ मैग्मा कहलाता है यह मैग्मा कभी-कभी भूकंप के कारण पृथ्वी की सतह से दरारों के द्वारा बाहर निकलता है यह मैग्मा या तो पृथ्वी के भूपटल के अंदर या भूपटल के ऊपर ठंडा होकर जम जाता है। आग्नेय चट्टानों का निर्माण मैग्मा के ठंडे होकर ठोस अवस्था को प्राप्त करने से होता है।

ख. **अवसादी शैलें (चट्टानें) :-** अवसादी शैलों का निर्माण विभिन्न कारकों; जैसे - नदी, वायु, हिमनद एवं समुद्री लहरों द्वारा अन्य स्थानों से लाए गए अवसादों के जमा होने से होता है। ये अवसाद विभिन्न परतों में जमा होते रहते हैं और दबाव के कारण कठोर हो जाते हैं। चूना पत्थर, बालू पत्थर इत्यादि इन शैलों के उदाहरण हैं।

ग. **रूपांतरित चट्टानें :-** कभी-कभी अत्याधिक तापमान तथा दबाव के कारण आग्नेय तथा अवसादी चट्टानें रूपांतरित या कायांतरित चट्टानों में परिवर्तित हो जाती हैं। इस क्रिया को 'रूपांतरण' कहते हैं। कुछ चट्टानें अपनी मूल चट्टानों से बिल्कुल भिन्न होती हैं उन्हें रूपांतरित चट्टानें कहते है।। इनके उदाहरण हैं :- नीस (ग्रेनाइट से रूपांतरित), संगमरमर (चूना पत्थर से रूपांतरित), स्लेट (शेल से रूपांतरित), क्वार्ट्ज (बालू पत्थर से रूपांतरित)।

प्र.4 'शैल-चक्र' कैसे बनता है? 'शैल-चक्र' का सचित्र वर्णन कीजिए।

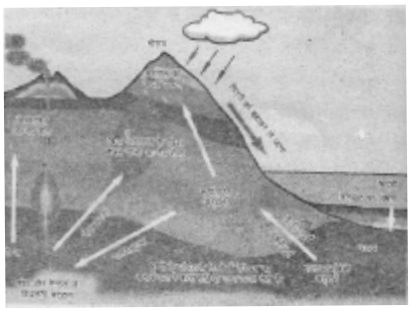

उ. आग्नेय शैलों का अवसादी शैलों में परिवर्तन तथा आग्नेय और अवसादी शैलों का रूपांतरित शैलों में परिवर्तन तथा पुनः रूपांतरित शैलों का आग्नेय तथा अवसादी शैलों में परिवर्तन 'शैल-चक्र' कहलाता है। इनमें आग्नेय शैलों

को प्राथमिक शैल माना जाता है। शैल चक्र आग्नेय शैलों से प्रारंभ होता है तथा आग्नेय शैलों पर ही समाप्त होता है। आग्नेय चट्टानों का विभिन्न कारकों द्वारा अपरदन होता है। यही कारक अपदित पदार्थो को अन्य स्थानों पर जमा करते हैं जिससे अवसादी चट्टाने बनती हैं। आग्नेय तथा शैलों का रूपांतरित शैलों में परिवर्तन अत्याधिक तापमान तथा दबाव के कारण होता है। यह एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जो कभी समाप्त नहीं होती। इसे रूपांतरित चक्र भी कहते हैं।

प्र.ग सही जोड़े बनाइए :-

उ.
1. बेसाल्ट : वहिर्वेधी आग्नेय शैल
2. नीस : रूपांतरित या कार्यातारित शैल
3. बालू पत्थर : अवसादी शैल
4. ग्रेनाइट : अंतर्वेधी आग्नेय शैल

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. भूकंप तरंगों को *सिस्मिक* तरंगे भी कहते हैं।
2. भूपट्ल की बाह्य परत *सिलिका* की तथा आंतरिक परत *मैग्नीशियम* की बनी होती है।
3. संगमरमर *चूना पत्थर* का परिवर्तित रूप होता है।
4. आग्नेय चट्टानों को *प्राथमिक* चट्टानें भी कहते हैं।
5. धात्विक खनिज *आग्नेय* तथा *रूपांतरित* चट्टानों में पाए जाते हैं।

प्र.ड. सही विकल्प के सामने (✓) का चिह्न लगाइए :-

उ.

1. पृथ्वी के आवरण की सबसे ऊपर की परत है :-

क. मैंटल ( ) ख. कोर ( ) ग. भूपट्ल (✓)

2. प्रमुख टैक्टोनिक प्लेटों की संख्या है :-

क. 5 ( ) ख. 7 (✓) ग. 3 ( )

3. स्लेट किस चट्टान का उदाहरण है :-

क. आग्नेय ( ) ख. अवसादी ( ) ग. रूपांतरित (✓)

4. जैविक खनिज प्रायः पाए जाते हैं :-

क. आग्नेय चट्टानों में ( ) ख. अवसादी चट्टानों में (✓) ग. रूपांतरित चट्टानों में ( )

4 वायुमंडलीय दाब तथा पवनें

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 वायु के प्रमुख लक्षण क्या हैं?

उ. वायु में भार होता है तथा यह दबाव डालती है।

प्र.2 वायु में पाई जाने वाली मुख्य चार गैसें कौन-सी हैं तथा ये किस अनुपात में हैं।

उ. वायु में पाई जाने वाली मुख्य चार गैस हैं - नाइट्रोजन (78%), ऑक्सीजन (21%), अन्य (9%) तथा कार्बन-डाइ-ऑक्साइड (0.33%)।

प्र.3 वायुमंडल की विभिन्न परतें कौन-सी हैं?

उ. वायुमंडल में निम्नलिखित परतें होती हैं :- क्षोम मंडल, समताप मंडल, मध्य मंडल, आयन मंडल, बाह्य मंडल।

प्र.4 वायुमंडल की कौन-सी परत में ओजोन गैस अत्यधिक पाई जाती है? ओजोन गैस की क्या उपयोगिता है?

उ. समताप मंडल में ओजोन गैस पाई जाती हैं, जो सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करती है

तथा पृथ्वी पर जीव जंतुओं और पेड़ पौधों के लिए सुरक्षा कवच का कार्य करती है।

प्र.5 ग्रहीय पवनें किन्हें कहते हैं? विभिन्न ग्रहीय पवनों के नाम लिखिए।

उ. पवन जो एक दिशा में लगातार चलती है ग्रहीय पवनें कहलाती हैं। ये पवनें तीन प्रकार की हैं - व्यापारिक पवनें, पछुआ पवनें, ध्रवीय पवनें।

प्र.6 मानसून पवनों को मौसमी पवनें क्यों कहते हैं?

उ. जो ऋतु बदलने पर अपनी दिशा भी बदल लेती हैं उन्हें मानसूनी पवन कहते है। इन पवनों को मौसमी पवनें भी कहते हैं। ग्रीष्म ऋतु में ये पवनें समुद्र से स्थल की ओर तथा शीत ऋतु में स्थल से समुद्र की ओर चलती हैं।

प्र.7 स्थलीय तथा समुद्री समीरें क्या होती हैं?

उ. रात्रि के समय समुद्र तट के समीप पवनें स्थल से सागर की ओर चलती हैं। इन्हें स्थलीय समीर कहते हैं। दिन में स्थल का तापमान समुद्र जल की तुलना में अधिक होता है अतः स्थल पर समुद्र की तुलना में दाब कम होता है। दिल में समुद्र की ओर बहने वाली पवन समुद्री समीर कहलाती हैं।

प्र.8 मौसम पूर्वानुमान से क्या लाभ होते हैं?

उ. मौसम पूर्वानुमान मछुआरों, वायु यातायात तथा समुद्री यात्राओं के लिए बहुत उपयोगी है जिससे मौसम के कारण होने वाले जान-माल के विनाश को कम किया जा सके।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए :-

प्र.1 वायुमंडलीय दाब को प्रभावित करने वाले कारक बताइये।

उ. वायुमंडलीय दाब निम्नलिखित कारकों पर निर्भर है :-

क. **ऊँचाई :-** पर्वतों पर ऊपर जाने पर हवा का दबाव कम होता जाता है। इसका अर्थ है वायुमंडल की निचली परतों पर हवा का दाब अधिक होता है तथा ऊँची परतों पर यह दाब कम होता है।

ख. **तापमान :-** जितना अधिक तापमान होगा हवा का दाब उतना ही कम होगा क्योंकि गर्म हवा ठंडी हवा से हल्की होती है जब हवा गर्म होती है या फैलती है जिससे इसका भार कम हो जाता है जबकि ठंडी हवा संकुचित होती है व इसका भार बढ़ जाता है जिससे यह गर्म हवा से भारी होती है।

प्र.2 वायु के संघटन का सचित्र विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

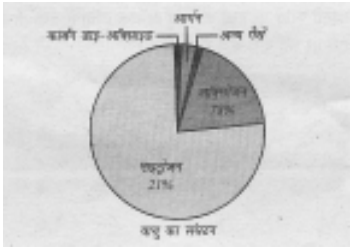

उ. वायु 4 प्रकार की गैसों का मिश्रण है। ये चार गैंसें हैं - नाइट्रोजन (78%), आँक्सीजन (21%), अन्य (9%) तथा कार्बन-डाइ-आक्साइड (0.33%)। अन्य गैसें बहुत कम मात्रा में पाई जाती हैं। ये हैं -नियॉन, हीलियम, मीथेन तथा हाइड्रोजन इत्यादि। हवा में कुछ धूल के कण तथा जलवाष्प भी पायी जाती है। मानव तथा अन्य जीवों के लिए आँक्सीजन अत्यावश्यक है। जबकि कार्बन-डाइ-आँक्साइड की सहायता से पेड़ पौधे अपना भोजन बनाते हैं।

प्र.3 वायुमंडल की विभिन्न परतों के विषय में सचित्र वर्णन कीजिए।

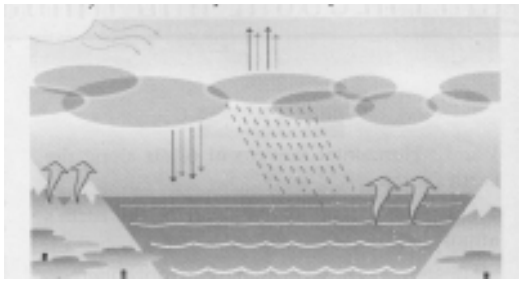

बाह्य मंडल

उ. वायुमंडल में निम्नलिखित परतें होती हैं :-

क. **क्षोभमंडल :-** यह वायुमंडल की सबसे निचली परत है जिसकी ऊँचाई ध्रुवों पर 8 किमी तथा भूमध्य रेखा पर 18 किमी है। इस परत का मुख्य गुण यह है कि इसमें प्रति 100 मीटर की ऊँचाई पर

0.6^0c तापमान कम होता जाता है। मौसम संबधी परिवर्तन इसी परत में होते हैं।

ख. **समतापमंडल :-** वायुमंडल की दूसरी परत क्षोभमंडल के ऊपर होती है जिसे समतापमंडल कहते हैं। यह पृथ्वी की सतह से 50 किमी तक स्थित है। इस परत में ओजोन गैस मिलती है जो सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करती है तथा पृथ्वी पर जीव जंतुओं और पेड़-पौधों के लिए सुरक्षा कवच का कार्य करती है।

ग. **मध्यमंडल :-** समतापमंडल के ऊपर मध्यमंडल है इसका विस्तार 80 किमी है। इसा परत में तापमान पुनः घटने लगता है। समतापमंडल की ओजोन परत के ऊपर यह बहुत ठड़ा क्षेत्र है।

घ. **आयनमंडल :-** यह मध्य मंडल के ठीक ऊपर है, यह 500 किमी की ऊँचाई तक विस्तृत है। इस क्षेत्र में विद्युत प्रभावित अणु होते हैं जिन्हें आयन कहते हैं। यहाँ से रेडियों तरंगें परावर्तित होती हैं। जिससे टी.वी. या बेतार की सुविधा दूरदराज क्षेत्रों में उपलब्ध होती है। आयनमंडल की मध्य पर्त थर्मोस्फीयर कहलाती है। जिसका तापमान 100^0c होता है।

ड. **बाह्यमंडल :-** वायुमंडल की सबसे ऊपर की परत बाह्यमंडल कहलाती है। यह परत 1600 किमी तक ऊँची है। इस परत में हवा का घनत्व कम होता है।

प्र.4 ग्रहीय पवनों के विषय में सचित्र वर्णन कीजिए।

उ. ग्रहीय पवनें तीन प्रकार की हैं :- व्यापारिक पवनें, पछुआ पवनें, ध्रुवीय पवनें।

क. **व्यापारिक पवनें :-** ये उप-उष्ण कटिबंध से भूमध्य रेखीय निम्न दाब पट्टियों तक होने वाली स्थायी पवनें हैं। ये पवने 30^0 उत्तरी अक्षांश एवं 30^0 दक्षिणी अक्षांश से भूमध्य रेखा की ओर उत्तर-पूरब तथा दक्षिण-पूरब से चलती है।

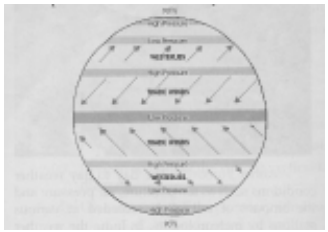
वायुदाब

ख. **पछुआ पवने :-** ये पवने उप-उष्ण कटिबंधीय उच्च दाब पट्टियों से उप-ध्रुवीय निम्न दाब पट्टियों तक चलती हैं। ये पवने उत्तरी गोलार्ध में दक्षिण-पश्चिम और दक्षिणी गोलार्द्ध में उत्तर-पश्चिम से चलती है।

ग. **ध्रुवीय पवनें :-** ये पवनें उत्तरी-ध्रुव और दक्षिणी-ध्रुव की उच्च दाब पट्टियों से निम्न दाब वाले उप-ध्रुवीय क्षेत्रों की ओर चलती हैं। उत्तरी गोलार्द्ध में ये उत्तर-पूरब दिशा से प्रवाहित होती हैं और दक्षिणी गोलार्द्ध में दक्षिर्ण-पूरब दिशा से चलती हैं। ये अत्याधिक ठंड़ी और शुष्क होती है।

प्र.ग अंतर बताइये :-

प्र.1 ग्राहीय पवनें तथा सार्वधिक पवनें।

उ. ग्रहीय पवनें :- पवन जो एक ही दिशा में लगातार चलती हैं ग्रहीय पवनें कहलाती हैं। ये पवनें तीन प्रकार की होती हैं - व्यापारिक पवनें, पछुआ पवनें, ध्रुवीय पवनें।

सावधिक पवनें :- कुछ पवनें दिन या वर्ष की एक अवधि विशेष में केवल एक निश्चित दिशा में चलती है। ये पवनें सावधिक पवनें कहलाती है। स्थलीय और समुद्री झकोरे तथा मानसून ऐसी कुछ सावधिक पवनें हैं।

प्र.2 चक्रवात तथा प्रति-चक्रवात।

उ. चक्रवात :- चक्रवात की स्थिति में पवनें बाहर सभी दिशाओ से निम्न दाब के केन्द्र की ओर तेजी से चलने लगती है। चक्रवात के साथ साधारणतः वर्षा भी होती है। ये जान तथा माल को भारी नुकसान पहुँचाती है।

प्रति चक्रवात :- प्रति चक्रवात के अंतर्गत केन्द्र की ओर उच्च दाब होता है तथा आस-पास निम्न दाब होता है। अतः पवनें अंदर से बाहर की ओर चलती हैं। इन पवनों के चलने के समय मौसम साफ रहता है।

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. वायुमंडलीय दाब को *बैरोमीटर* से *मिलीबार* में मापा जाता है।

2. पवन की दिशा को *दिशामापी यंत्र* के द्वारा जाना जाता है।
3. 'लू' *स्थानीय* पवनों का उदाहरण है।
4. चक्रवात तथा प्रति-चक्रवात *परिवर्तनशील* पवनों का उदाहरण है।
5. *क्षोभमंडल* वायुमंडल की सबसे ऊपरी परत है।

प्र.ड. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) निशाल लगाइए :-

उ. 1. जितनी अधिक ऊँचाई होगी, वायुमंडलीय दाब उतना ही कम होगा। (✓)
2. पछुआ पवनें उत्तरी-गोलार्द्ध में उत्तर-पश्चिम दिशा से चलती हैं। (✗)
3. चक्रवात के बाद मौसम अच्छा लगता है। (✗)
4. व्यापारिक पवनें तथा ध्रुवीय पवनें एक ही दिशा में चलती हैं। (✗)
5. समतापमंडल पृथ्वी के वायुमंडल में सबसे संघन परत है। (✗)

5 वायु में आर्द्रता

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 'जल-चक्र' में कौन-सी तीन प्रक्रिया होती हैं?

उ. जल स्त्रोंतों से जल गर्म होकर वाष्पित होता है और जलवाष्प में परिवर्तित हो जाता है। जब यह जलवाष्प या पानी की बूँदे धूल के कणों के संपर्क में आती हैं तो बादल बन जाते हैं और वर्षण की प्रक्रिया होती है। वर्षण की क्रिया से यह जल पुनः जलस्त्रोंतों में पहुँच जाता है। और इस प्रकार 'जल-चक्र' का निर्माण होता है।

प्र.2 जल किन-किन अवस्थाओं में पाया जाता है?

उ. जल वर्षण वर्षा, ओला हिमपात तुषार आदि रूप में होता है।

प्र.3 वाष्पीकरण से आपका क्या अभिप्राय है?

उ. जल स्त्रोंतो से जल गर्म होकर वाष्पित होता है और जलवाष्प में परिवर्तित हो जाता है। इस प्रक्रिया को वाष्पीकरण कहते हैं।

प्र.4 जलवाष्प से बादल किस प्रकार बनते हैं?

उ. जलवाष्प या पानी की बूदें धूल के कणों के संपर्क में आती हैं तो बादल बन जाते हैं।

प्र.5 वर्षण क्या होता है? वर्षण के कितने रूप होते हैं?

उ. वर्षण वह प्रक्रिया है जिसमें संघनित जलवाष्प धरातल पर वर्षा, बर्फ तथा ओलों के रूप में आता है।

प्र.6 पर्वतों के पवनाभिमुख ढालों पर अधिक वर्षा क्यों होती है?

उ. जब कभी उष्ण एवं आर्द्र पवनों के मार्ग में कोई अवरोध पर्वत या पहाड़ी के रूप में सामने आ जाता है तो पवनें उससे टकराकर ढाल के सहारे से ऊपर उठकर ठंड़ी होती हैं और अपनी नमी को वर्षा के रूप में गिरा देती हैं। यह वर्षा पवनाभिमुख ढालों पर अधिक होती है।

प्र.7 'वृष्टि-छाया प्रदेश' से आपका क्या अभिप्राय है।

उ. पवनाविमुख ढालों पर कम वर्षा होती है। इन भागों को 'वृष्टि-छाया प्रदेश' कहते हैं।

प्र.8 भूमिगत जल कैसे बनता है? इसे कैसे प्राप्त किया जाता है?

उ. भूमि की सतह के नीचे पाया जाने वाला जल भूमिगत जल कहलाता है। इसे कुएँ, ट्यूबवैल या हैंडपंप द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 'जल-चक्र' में होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं को समझाइए?

उ. वायु को जलवाष्प ग्रहण करने की क्षमता के अनुसार उसमें अधिकतम जलवाष्प विद्यमान हो तो उसको संतृप्त वायु कहा जाता है। इस अवस्था में वर्षण, वर्षा, ओला, हिमपात तुषार आदि जल की कुल मात्रा हमेशा एक समान रहती है। यह या तो गैस रूप में, द्रवित रूप में या ठोस रूप में होती है। जल स्त्रोतों से जल गर्म होकर वाष्पित होता है और जलवाष्प में परिवर्तित हो जाता है। इस प्रक्रिया को वाष्पीकरण कहते हैं। जब यह वाष्प वायुमंडल में ऊपर जाता है तो जल की बूँदों में या बर्फ में परिवर्तित हो जाता है क्योंकि वायुमंडल में ऊपर जाने पर तापमान घटता जाता है। इस प्रक्रिया को संघनन कहते हैं। जब यह जलवाष्प या पानी की बूँदें धूल के कणों के संपर्क में आती हैं तो बादल बन जाते हैं और वर्षण की प्रक्रिया होती है। वर्षण की क्रिया से यह पुनः जल स्त्रोंतों में पहुँच जाता है और इस प्रकार 'जल-चक्र' का निर्माण होता है।

प्र.2 निरपेक्ष आर्द्रता और आपेक्ष आर्द्रता के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. निरपेक्ष आर्द्रता का अर्थ है - एक निश्चित समय पर वायु में विद्यमान जलवाष्प की मात्रा तथा आपेक्ष आर्द्रता का अर्थ है - वायु में एक निश्चित समय पर तथा निश्चित तापमान पर उपस्थित जलवाष्प की मात्रा तथा उस तापमान पर वायु की जलवाष्प ग्रहण करने की अधिकतम क्षमता का अनुपात। इसको प्रतिशत में व्यक्त करते हैं। अतः जब हम कहते हैं कि किसी तापमान पर आपेक्ष आर्द्रता 75 प्रतिशत है तो इसका अर्थ है कि इस तापमान पर वायु 25 प्रतिशत और जलवाष्प ग्रहण कर सकती है। यदि तापमान बढ़ता है तो आपेक्ष आर्द्रता घट जाती है और तापमान घटने पर आपेक्ष आर्द्रता बढ़ जाती है। आपेक्ष आर्द्रता को मापने के लिए जिस यंत्र का प्रयोग होता है उसे हाइग्रोमीटर या शुष्क और आर्द्र बल्ब थर्मोमीटर कहते हैं।

प्र.3 विभिन्न प्रकार की वर्षा का वर्णन कीजिए।

उ. वर्षा तीन प्रकार की होती है :-

क. **पर्वतीय वर्षा :-** यह वर्षा का सबसे सामान्य रूप है। जब कभी उष्ण एवं आर्द्र पवनों के मार्ग में कोई अवरोध पर्वत या पहाड़ीके रूप में सामने आ जाता है तो पवनें उससे टकराकर ढाल के सहारे से ऊपर उठकर ठंडी होती हैं और अपनी नमी को वर्षा के रूप में गिरा देती है। यह वर्षा पवनाभिमुख ढालों पर अधिक होती है और लौटते समय में पवनें गर्म तथा शुष्क हो जाती है इसलिए पवनविमुख ढालों पर कम वर्षा होती है। इन भागों को वृष्टि-छाया प्रदेश कहते हैं।

ख. **संवहनीय वर्षा :-** इस प्रकार की वर्षा भूमध्य रेखीय क्षेत्रों में सामान्य है। भूमध्य रेखीय क्षेत्रों में वर्षभर तापमान अधिक रहता है। जिसके कारण गर्म आर्द्र वायु ऊपर उठती है। यह संवहनीय लहरों को उत्पन्न करती है। वायुमंडल के ऊपरी भाग में जाकर यह ठंडी हो जाती है और संघनन की प्रक्रिया आंरम्भ होती है और बिजली तथा गड़गड़ाहट के साथ भारी वर्षा होती है। इसे संवहनीय वर्षा कहते हैं।

ग. **चक्रवातीय वर्षा :-** चक्रवात के साथ भारी वर्षा होती है। चक्रवात में पवनें सभी दिशाओं से केंद्र की ओर कम दाब वाले स्थान की ओर चलती हैं। अतः उनकी गति घुमावदार होती है जो केंद्र से वायु को ऊपर की ओर उठाती है। ऊपर जाकर वायु ठंड़ी हो जाती है तथा संघनन की प्रक्रिया होती है और वर्षा होती है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. आपेक्ष आर्द्रता को *प्रतिशत* में व्यक्त करते हैं तथा *हाइग्रोमीटर* से मापा जाता है।
2. वर्षा को *सेमी या मिमी* में व्यक्त किया जाता है तथा *वर्षामापी* से मापा जाता है।
3. संवहनीय वर्षा *भुमध्य रेखीय* क्षेत्रों में सामान्य रूप से होती है।
4. चक्रवातीय वर्षा *शीतोष्ण कटिबंधीय* क्षेत्रों में सामान्य रूप से होती है।
5. पर्वतों के *पवनाभिमुख* ढालों पर वर्षा अत्याधिक तथा *पवनाविमुख* ढालों पर कम वर्षा होती है।

6 महासागरो का जल

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 समुद्र का जल खारा क्यों है?

उ. समुद्र का जल लवणयुक्त होता है इसलिए इसका जल खारा होता है।

प्र.2 जल की लवणता किन कारकों पर निर्भर करती है?

उ. महासागरीय जल की लवणता जलवाष्पण की मात्रा और ताजे पानी के गिरने की मात्रा पर निर्भर करती है।

प्र.3 महासागरीय जल में कौन-सी विभिन्न प्रकार की गतियाँ होती है?

उ. सागरों में तीन प्रकार की गतियाँ होती हैं - लहरें, धाराएँ तथा ज्वार-भाटा।

प्र.4 महासागरीय जल में लहरें क्यों उठती हैं?

उ. वायु के प्रभाव से समुद्र के जल के ऊपर-नीचे होने के कारण लहरें उठती हैं।

प्र.5 महासागरीय धाराएँ क्या हैं? ये लहरों से किस प्रकार भिन्न हैं?

उ. समुद्री सतह की विशाल जल राशि की एक निश्चित दिशा में होने वाली सामान्य गति को महासागरीय लहरें कहते हैं।

प्र.6 कुछ महासागरीय धाराएँ गर्म तथा कुछ ठंड़ी क्यों होती हैं?

उ. महासागरीय धाराएँ जो गर्म क्षेत्रों से बहती हैं गर्म धाराएँ तथा ठंड़े क्षेत्रों में बहने वाली धाराएँ ठंड़ी होती हैं।

प्र.7 उत्तरी तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में महासागरीय धाराएँ किस दिशा में घूम रही हैं?

उ. पृथ्वी के घूर्णन के कारण भी महासागरीय धाराओं की दिशा में परिवर्तन होता है। उत्तरी गोलार्द्ध में ये जल धाराएँ अपनी दाई ओर तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में अपनी बाई ओर घूम जाती हैं।

प्र.8 ज्वार-भाटा किसे कहते हैं? इसके आने का क्या कारण होता है?

उ. समुद्र के जलस्तर का प्रतिदिन एक निश्चित समय पर दो बार चढ़ना और उतरना ज्वार भाटा कहलाता है। ज्वार-भाटे की उत्पत्ति का मुख्य कारण चंद्रमा की गुरूत्वाकर्षण शक्ति है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 महासागरीय धाराएँ क्या हैं? इनके उत्पन्न होने के क्या कारण होते हैं?

उ. समुद्री सतह की विशाल जलराशि की एक निश्चित दिशा में होने वाली सामान्य गति को महासागरीय धाराएँ कहते हैं। इनके उत्पन्न होने के निम्न कारण हैं :-

क. **स्थायी पवनें :-** महासागरीय धाराएँ स्थायी पवनों की दिशा में बहती हैं।

ख. **तापमान में अंतर :-** विभिन्न क्षेत्रों के तापमान में अंतर होने के कारण भी महासागरीय धाराएँ बनती हैं। विषुवत-रेखीय प्रदेशों से ध्रुवीय क्षेत्रों की ओर चलने वाली गर्म जल धाराएँ होती हैं तथा जो धाराएँ ध्रुवीय क्षेत्रों से विषुवत रेखीय प्रदेशों की ओर चलती हैं वे ठंड़ी धाराएँ होती हैं।

ग. **पृथ्वी का घूर्णन :-** पृथ्वी के घूर्णन के कारण भी महासागरीय धारा की दिशा में परिवर्तन होता है। उत्तरी गोलार्द्ध में ये जलधाराएँ अपनी दाई ओर तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में अपनी बाई ओर घूम जाती है।

प्र.2 महासागरीय धाराओं के विभिन्न प्रभावों को उदाहरण सहित समझाइए।

उ. महासागरीय धाराओं के निम्नलिखित प्रभाव होते हैं :-

क. महासागरीय धाराओं का प्रभाव तटीय क्षेत्रों की जलवायु पर पड़ता है। गर्म जलधाराएँ किसी स्थान के तापमान को उसके अक्षांश के औसत तापमान से अधिक कर देती हैं तथा ठंडी जलधाराएँ तापमान को कम कर देती हैं।

ख. जो तटीय क्षेत्र गर्म जलधाराओं से प्रभावित होते हैं वहाँ अधिक वर्षा होती है क्योंकि ये पवनें गर्म जलधाराओं के ऊपर चलने वाली पवनें अधिक आर्द्रता ले लेती हैं। जबकि ठंड़ी धाराओं के ऊपर से जाने वाली पवनें शुष्क होती हैं।

ग. जहाँ गर्म तथा ठंड़ी जलधाराएँ मिलती हैं वहाँ समुद्री वनस्पति प्लैंकटन पैदा होती है। प्लैंकटन मछलियों का भोजन है इसलिए ऐसे क्षेत्रों में बड़े पैमानें पर मछलियाँ पाई जाती हैं।

घ. महासागरीय धाराएँ जल यातायात में सहायता करती हैं क्योंकि इन धाराओं की दिशा में बहने वाले जहाज की गति तेज हो जाती है जिससे समय और ईंधन की बचत होती है।

ड. गर्म धाराओं के कारण ध्रुवीय क्षेत्रों के पत्तन सदियों में खुले रहते हैं क्योंकि यहाँ बर्फ नहीं जम पाती। यूरोप के उत्तर-पश्चिमी तट के समीप पत्तन कभी नहीं जमते और शीतऋतु में भी खुले रहते हैं। इस प्रकार सागरीय धाराएँ यातायात में सहायता करती हैं।

प्र.3 ज्वार-भाटा की हमारे लिए क्यों उपयोगिता है?

उ. ज्वार-भाटे का मानव जीवन में बड़ा महत्व है :-

क. दीर्घ ज्वार के समय जल की गहराई बढ़ जाने के कारण समुद्री जहाज तट तक आ जाते हैं। गुजरात का कांधला पत्तन तथा पश्चिम बंगाल का डायमंड पोताश्रय ऐसे ही पत्तन हैं जो ज्वार भाटे पर निर्भर करते हैं।

ख. ज्वार के पानी से पोताश्रय भी कीचड़, दलदल आदि से मुक्त रहते हैं। नदियों द्वारा लाया गया कीचड़ ज्वार के आने से हट जाता है और पोताश्राय में कीचड़ नहीं होती।

ग. ज्वार-भाटे की तीव्र लहरों से बिजली भी बनाई जाती है।

घ. ज्वार-भाटे के कारण सागरों का जल जमता नहीं है और लगातार बहता रहता है।

ड. मछुआरे भी ज्वार-भाटे से लाभ उठाते हैं। समुद्र में जाते हैं और लौटते समय ज्वार-भाटा नौका-संचालन में सहायक होता है।

प्र.ग निम्नलिखित में अंतर बताइए :-

प्र.1 दीर्घ ज्वार तथा लघु ज्वार।

उ. दीर्घ ज्वार :- चंद्रमा तथा सूर्य का पृथ्वी को अपनी ओर गुरूत्वाकर्षण शक्ति के कारण एक दिशा में खींचना दीर्घ ज्वार कहलाता है।

लघु ज्वार :- लघु ज्वार तब आता है जब चंद्रमा तथा सूर्य पृथ्वी के गुरूत्वाकर्षण को भिन्न-भिन्न दिशाओं की ओर खींचते हैं।

प्र.2 गर्म जलधाराएँ तथा ठंड़ी जलधाराएँ।

उ. रेखीय क्षेत्रों से ध्रुवीय क्षेत्रों की ओर चलने वाली गर्म जलधाराएँ होती हैं तथा जो धाराएँ ध्रुवीय क्षेत्रों से विषुवत् रेखीय क्षेत्रों की ओर चलती हैं ठंड़ी धाराएँ होती हैं। गर्म जलधाराएँ निम्न अक्षांशों से उच्च अक्षांशों की ओर तथा ठंड़ी जलधाराएँ उच्च अक्षांशों से निम्न अक्षांशो की ओर चलती हैं।

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. पृथ्वी की सतह का लगभग 97 प्रतिशत जल महासागरों में है।

2. मछलियों के भोजन को प्लैकटन कहते है।

3. गल्फ स्ट्रीम गर्म महासागरीय धारा है।

4. आयाशिओ धारा ठड़ी महासागरीय धारा है।

5. गर्म धारा के कारण ही अटाकामा मरूस्थल का निर्माण हुआ।

7 धरती पर जीवन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 पृथ्वी पर 'पारिस्थितिक संतुलन' अनियमित क्यों हो गया है?

उ. पृथ्वी पर पारिस्थितिक संतुलन अनियमित इसलिए हो रहा है क्योंकि मांग के बढ़ने से प्राकृतिक स्त्रोतों का प्रयोग अत्यधिक होता है।

प्र.2 प्राकृतिक वनस्पति के मुख्य घटक कौन-से हैं?

उ. प्राकृतिक वनस्पति के अंतर्गत सभी प्रकार के बड़ें और छोटे पेड़-पौधें, घास, झाड़ियाँ इत्यादि आते हैं जो स्वयं प्राकृतिक रूप से उग जाते हैं।

प्र.3 संसार में सदाबहार वन कहाँ पाए जाते हैं? भारत में ये किन स्थानों पर हैं?

उ. सदाबहार वन अधिक वर्षा वाले उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में विशेषकर भूमध्य रेखा के समीप वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं। भारत में ये वन पश्चिमी तट तथा अंडमान निकोबार और लक्ष्यद्वीप समूहों में पाए जाते हैं।

प्र.4 पतझड़ वाले वनों की मुख्य विशेषताएँ क्या होती है?

उ. पतझड़ वनों में वृक्ष मध्यम ऊँचाई के होते हैं तथा ग्रीष्म ऋतु में ये वृक्ष अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं।

प्र.5 मरूस्थलीय पौधों की जड़े लंबी और पत्तियाँ छोटी क्यों होती हैं?

उ. इन वृक्षों की जड़ें सामान्यतः बड़ी तथा अधिक गहरी होती हैं एवं मोटी होती हैं जिससे धरती के नीचे अधिक गहराई तक जाकर पानी ग्रहण कर सकें। पत्तियाँ साधारणतः छोटी होती हैं जिससे वाष्पोत्सर्जन कम हो।

प्र.6 हमें वन्य जीवों का संरक्षण क्यों करना चाहिए?

उ. हमें जैव संपदा के संरक्षण के लिए वन्य जीवों का संरक्षण करना चाहिए।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 सदाबहार वन तथा पतझड़ वाले वनों में क्या अंतर है?

उ. सदाबहार वन अधिक वर्षा वाले उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों विशेषकर भूमध्य रेखा के समीप वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं। ये वन मुख्य रूप से अमेजन की घाटी और जायरे की घाटी में पाए जाते हैं। भारत में ये वन पश्चिमी तट तथा अंडमान निकोबार और लक्षद्वीप समूहों में पाए जाते है। इन वनों में वृक्ष 60 मीटर या इससे अधिक ऊँचाई के होते हैं क्योंकि इनमें विभिन्न प्रकार की वनस्पति पाई जाती है। इन वनों में पतझड़ का कोई निश्चित समय नहीं होता। इसीलिए ये वन हमेशा हरे दिखाई देते हैं।

पतझड़ वन संसार के अधिकाश भागों में पाए जाते हैं। इस प्रकार के वनों में वृक्ष मध्यम ऊँचाई के होते हैं तथा शुष्क ग्रीष्म ऋतु में ये वृक्ष अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं। ये वृक्ष उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में तथा मानसूनी क्षेत्रों में पाए जाते हैं। इन्हें मानसूनी वन भी कहा जाता है।

प्र.2 उष्ण तथा शीतोष्ण घास के मैदानों में क्या अंतर है।

उ. घास छोटी जड़ो वाली प्राकृतिक वनस्पति है जो विभिन्न जलवायु में उग सकती है। मैदान उष्ण कटिबंधीय तथा शीतोष्ण कटिबंधीय दोनों क्षेत्रों में पाए जाते है। अफ्रीका के उष्ण कटिबंधीय घास के मैदानों को सवाना कहा जाता है जबकि दक्षिण अमेरिका के घास के मैदानों को 'लानोज' और 'कैपोज' कहा जाता है। शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान विभिन्न महा द्वीपों में भिन्न-भिन्न नामों से पुकारे जाते है। उत्तरी अमेरिका में प्रेरीज, दक्षिणी अमेरिका में पंपाज, अफ्रीका में वेल्ड, यूरेशिया में स्टेपीज तथा ऑस्ट्रेलिया में इन्हें 'डाऊंस' कहा जाता है। शीतोष्ण कटिबंधीय घास के विशाल मैदानों को गेहूँ की फसल बोने के लिए साफ किया जा चुका है।

प्र.3 भारत के वन्य-जीवों पर टिप्पणी लिखिए।

उ. प्राकृतिक वनस्पति में भिन्नता होने के कारण भारत में विभिन्न प्रकार के वन्य प्राणी पाए जाते हैं। भारतीय वनों में विभिन्न प्रकार के जंगली जानवर और पक्षी पाए जाते हैं। यहाँ 80,000 से अधिक जानवरों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं। हमारे देश में 1200 से भी अधिक पक्षियों की और 2500 मछलियों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं। हाथी असम के उष्ण तथा आर्द्रवनों तथा कर्नाटक और केरल में भी पाए जाते हैं। बड़ी संख्या में हिरन, तेंदुए, बंदर, लंगूर, लोमड़ी, गीदड़ भी भारत में पाए जाते हैं। याक, भालू जंगली भेड़, बर्फीले तेंदुए इत्यादि हिमालय के ठंडे क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

प्र.4 भारत में जैव-संरक्षण करने के लिए क्या प्रयत्न किए गए हैं?

उ. वनस्पति तथा वन्य जीवों के अत्यधिक उपयोग के कारण हमारा पारिस्थितिक तंत्र अनियंत्रित हो गया है। बड़ी संख्या में प्राकृतिक वनस्पति और वन्य-जीव लुप्त हो गए हैं और कुछ अन्य लुप्त होने की कगार पर हैं।

इन जीव प्रजातियों के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। समय-समय पर जानवरों तथा पेड़-पौधों की गणना की जाती है, जिससे उनकी वर्तमान स्थिति को ज्ञात किया जा सके। बाघ तथा गैंड़ा जैसी प्रजातियों के संरक्षण के लिए योजनाएँ शुरू की गई हैं। जैव आरक्षित क्षेत्र पक्षी संरक्षण क्षेत्र, राष्ट्रीय उद्यान इत्यादि भारत के विभिन्न भागों में स्थापित किए गए हैं।

कुछ मुख्य जैव संरक्षण क्षेत्र हैं - नीलगिर (दक्षिण भारत), नंदादेवी (उत्तराखंड़), नौकरेक (मेघालय), मनस (असम), सुंदरवन (पश्चिम बंगाल), मन्ना की खाड़ी (तमिलनाडु), सिमिलिपल (उड़ीसा), देहांग देबांग (अरूणाचल प्रदेश) और खेगचेनजांगा (सिक्किम) इत्यादि। काँबेट नेशनल पार्क (उत्तराखंड) और काँलीरंगा वन्य जीव आरक्षण क्षेत्र (असम) भी प्रसिद्ध हैं।

प्र.ग सही जोड़े बनाइए :-

उ.
1. कँटीली झाड़ियाँ - मरूस्थलिय वनस्पति
2. काई तथा लाइकेन - टुंडा वनस्पति
3. महोगनी और एबोनी - सदाबहार वन
4. टीक और साल - पतझड़ वन
5. प्रेरीज तथा स्टेपीज - शीतोष्ण घास के मैदान

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. दक्षिण अमेरिका के शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान *पंपाज* कहलाते हैं।
2. आँस्ट्रेलिया में शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान *डाऊंस* कहलाते हैं।
3. लानौज और कंपोज *दक्षिण अमेरिका* के उष्ण कटिबंधीय घास के मैदान हैं।
4. याक मुख्य रूप से *ठंड़े* क्षेत्रों में पाया जाता है।
5. गैंड़ा *दलदल* क्षेत्रों में पाया जाता है।
6. टुंडा प्रदेश के जानवरों के शरी रा घने *बाल* होते हैं।

प्र.ङ निम्नलिखित से संबंधित जानवरों के नाम लिखिए :-

उ.
1. गिर के जंगल - शेर
2. सुंदरवन - बाघ
3. काँजीरंगा - गैंड़ा
4. कनार्टक के उष्ण आर्द्रवन - हाथी

प्र.च निम्नलिखित किस प्रदेशों से संबंधित हैं :-

उ.

1.	कॉर्बेट नेशनल पार्क	-	उत्तराखंड
2.	नोकरेक जैव-संरक्षण क्षेत्र	-	मेघालय
3.	मनस जैव संरक्षण क्षेत्र	-	असम
4.	सिमिलीपाल जैव संरक्षण क्षेत्र	-	उड़ीसा
5.	देहांग-देबांग जैव संरक्षण क्षेत्र	-	अरूणाचल प्रदेश
6.	खांग चेन जौंगा-जैव संरक्षण क्षेत्र	-	सिक्किम

8 मानव पर्यावरण : बस्तियाँ परिवहन एवं संचार

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 कृषि के प्रारंभ से बस्तियों का निर्माण कैसे प्रारंभ हुआ?

उ. आदिमानव भोजन संग्राहक और शिकारी था। धीरे-धीरे उसने फसल उगानी प्रारंभ की और भोजन संग्राहक से वह भोजन उत्पादक बन गया तथा बस्तियाँ बनाकर रहने लगा।

प्र.2 प्राचीन काल में झोपड़ियाँ और कच्चे घर किस प्रकार बनाए जाते थे?

उ. प्राचीन काल में झोपड़ियाँ और कच्चे घर मिट्टी, बाँस, लकड़ी और घास-फूस से बनाए जाते थे।

प्र.3 पक्का घर बनाने के लिए किन वस्तुओं का प्रयोग किया जाता है?

उ. पक्का घर बनाने के लिए ईटों, पत्थरों, लकड़ी, सीमेंट, और लोहे का प्रयोग किया जाता है।

प्र.4 बड़े शहरों में लोग बहुमंजिला इमारतें क्यों बनाते हैं?

उ. बहुमंजिला इमारतों के बनाने का कारण स्थान की कमी है।

उ.5 भूमिगत रेलगाड़ियों की क्या उपयोगिता है?

उ. भूमिगत रेलगाड़ी का उपयोग यह है कि यह शहर के प्रदूषण रहित वातावरण तथा भीड़-भाड़ से दूर होती है।

प्र.6 वायु परिवहन सबसे मँहगा परिवहन साधन क्यों है?

उ. वायु परिवहन सबसे मँहगा यातायात का साधन है क्योंकि इसके अत्याधिक मात्रा में तेल का प्रयोग होता है और यह तेल बहुत मँहगा होता है। दूसरा यह कि हवाई यात्रा के दौरान अन्य सुविधाएँ जैसे - भोजन, पेय पदार्थ तथा आने-जाने के दौरान होटल में रहना मुफ्त होता है।

प्र.7 जल परिवहन सबसे सस्ता परिवहन का साधन क्यों है?

उ. जल यातायात का सबसे सस्ता साधन है क्योंकि इसके लिए पानी में पटरियाँ नहीं बिछानी पड़ती और न ही सड़के बनानी पड़ती हैं। नदी, नहर, झील सागर का प्रयोग जल यातायात के लिए होता है और यह आजकल डीजल से चलते हैं।

प्र.8 तीन व्यक्तिगत संचार के साधनों का नाम और तीन सामूहिक संचार के साधनों का नाम लिखिए।

उ. टेलीफोन, टेलीग्राम, पत्र व्यक्तिगत संचार के साधन हैं तथा रेड़ियों, टेलीविजन, अखबार सामूहिक संचार के साधन हैं।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तापूर्वक लिखिए :-

प्र.1 विभिन्न प्रकार के घरों का वर्णन कीजिए?

उ. पहले के घर मिट्टी, बाँस, लकड़ी और घास-फूस से बनाए जाते थे। इस प्रकार के घर प्राकृतिक आपदाओं को सहन नहीं कर सकते थे। तेज हवा या वर्षा आने पर इन घरों की छतें उड़ जाती थीं या टूट जाती थीं।

कई शताब्दियों के पश्चात् जब से आग तथा धातू की खोज की तो उसने ईटों, पत्थरों, लकड़ी, सीमेंट और लोहे के पक्के घरों का निर्माण करना आरंभ कर दिया। इसके कारण बड़ी बस्तियों का निर्माण हुआ जिन्हें शहर या नगर कहा जाता है।

बहुमंजिला इमारतों के बनाने का कारण स्थान की कमी है। कुछ बड़े घरों को 'बंगला' भी कहा जाता है।

प्र.2 सड़क तथा रेल यातायात के तुलनात्मक लाभों तथा हानियों के विषय में बताइए।

उ. पक्की सड़के, पक्की ईटों, सीमेंट और तारकोल से बनाई जाती हैं। ये सभी मौसमों में उपयुक्त होती हैं। सड़क यातायात का सबसे लोकप्रिय साधन है। इससे घरों तक पहुँचने की सुविधा है। सड़कों का निर्माण रेलमार्ग की तुलना में कम खर्चीला और आसान है। सड़कें पहाड़ी क्षेत्रों में भी बनाई जा सकती हैं। परन्तु अधिक दूरी के लिए सड़क यातायात इतना सुविधाजनक नहीं है जितना रेल यातायात।

यह भूमि पर यातायात का दूसरा प्रमुख साधन है। रेलगाड़ी एक साथ हजारों लोगों को यात्रा करवाती है। यह सड़क मार्ग से अधिक तेज और सस्ती है। इसके द्वारा लंबी दूरी तक यात्रा करना सरल है। रेलमार्गों के निर्माण में अधिक व्यय आता है तथा रेल की पटरी बिछाने में अधिक कुशलता की भी आवश्यकता होती है। इससे घरों तक पहुँचनें की सुविधा नहीं प्राप्त हो सकती।

आजकल कई देशों में, अब तो भारत में भी, भूमिगत रेलगाड़ी चलनी प्रारंभ हो गई है। भूमिगत रेलगाड़ी का उपयोग यह है कि यह शहर के प्रदूषण रहित वातावरण तथा भीड़-भाड़ से दूर होती है। ये रेलगाड़ी बिजली से चलती है। पहले रेलगाड़ी को चलाने के लिए कोयले का प्रयोग किया जाता था। परन्तु अब डीजल इंजन ने कोयला इंजन का स्थान ले लिया है।

प्र.3 जल परिवहन तथा वायु परिवहन का महत्व बताइए।

उ. **जलमार्ग :-** जल यातायात का सबसे सस्ता साधन है क्योंकि इसके लिए पानी में पटरियाँ नहीं बिछानी पड़ती और न ही सड़के बनानी पड़ती हैं। नदी, नहर, झील, सागर का प्रयोग जल यातायात के लिए होता है।

जल सबसे प्राचीन यातायात का साधन आजकल नाव, स्टीमर तथा जहाज बहुत से यात्रियों तथा सामान को ले जाते हैं। इनमें से अधिकतर इंजन से चलते हैं, अतः इनकी गति काफी तेज होती है। बहुत से जहाज व्यापारिक सामान को एक देश से दूसरे देश तक ले जाते हैं। अधिकतर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार समुद्र में जहाजों द्वारा होता है।

वायुमार्ग :- यातायात के क्षेत्र में यह सबसे आधुनिक साधन है। हवाई जहाज के आविष्कार ने सारे संसार को समीप कर दिया है। आप हवाई जहाज से कुछ घंटों में कई हजारों की दूरी तय कर सकते हैं। आप 24 घंटों में पूरा संसार घूम सकते हैं। हवाई जहाज में सामान भी ढोया जाता है। इनको सामान वाहक जहाज कहते हैं।

प्र.4 व्यक्तिगत संचार के साधनों तथा जनसंचार के साधनों का उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. संचार के साधनों; जैसे पत्र, टेलीफोन, टेलीग्राम, बेतार, रेड़ियों, टेलीविजन और अखबारों द्वारा संदेश कभी-कभी एक व्यक्ति या कभी बहुत सारे व्यक्तियों को एक साथ भेजा जाता है।

संचार के साधनों को दो वर्गों में बाँटा जा सकता है - 1. व्यक्तिगत संचार के साधन, 2. जनसंचार के साधन। पत्र, टेलीफोन और टेलीग्राम इत्यादि व्यक्तिगत संचार के साधन हैं। आजकल फैक्स मशीन और इंटरनेट का प्रयोग भी व्यक्तिगत संचार के साधनों के रूप में प्रयोग किया जाता है। रेड़ियो, टेलीविजन और अखबार जनसंचार के साधन हैं। सिनेमा सबसे महत्त्वपूर्ण जनसंचार का साधन है क्योंकि यह देश की संस्कृति को दर्शाता है।

यातायात तथा संचार के साधनों के विकास के कारण संपूर्ण संसार को एक 'वैश्विक गाँव' बना दिया गया है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. पाइपलाइन का प्रयोग *तेल* और *प्राकृतिक गैस* के परिवहन के लिए किया जाता है।

2. सामान ले जाने वाले जहाज को *सामानवाहक* जहाज कहते हैं।

3. भारत में भूमिगत रेलमार्ग *दिल्ली* और *कलकत्ता* में बनाए गए हैं।
4. *जल यातायात* परिवहन का सबसे सस्ता साधन है।
5. *हवाई जहाज* के आविष्कार के कारण यातायात के क्षेत्र में क्रांति आ गई।

9 विभिन्न प्रकार के पर्यावरण में लोगो का जीवन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 प्राकृतिक पर्यावरण के मुख्य घटक क्या हैं?

उ. प्राकृतिक पर्यावरण स्थान-स्थान पर भिन्न है। ऐसा भूमि, जलवायु और प्राकृतिक वनस्पति की भिन्नता के कारण है।

प्र.2 रेत का टीला किसे कहते हैं? इसका निर्माण कैसे होता है?

उ. तेज हवाएँ रेत को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाती हैं। जब वायु की गति धीमी हो जाती है तो रेत एक स्थान पर एकत्रित हो जाती है। उसे रेत का टीला कहते हैं।

प्र.3 ऊँट को 'रेगिस्तान का जहाज' क्यों कहते हैं?

उ. ऊँट रेगिस्तान का सबसे उपयोगी जानवर है क्योंकि यह मरूस्थल के कठोर पर्यावरण में आसानी से रह सकता है। यह अपने कूबड़ में पानी एकत्र कर सकता है और कई दिनों तक पानी के बिना रह सकता है। यह कँटीली झाड़ियों पर निर्वाह कर सकता है। अपनी आँखें की लंबी पुतलियों के कारण यह रेत की आँधियों से अपनी आँखों को बचा सकता है। अतः इसे 'रेगिस्तान का जहाज' कहते हैं।

प्र.4 'मरूद्यान' किसे कहते हैं? गर्म मरूस्थल में अधिकांश लोग मरूद्यान के निकट क्यों रहते हैं?

उ. कुछ स्थानों पर जहाँ भूमि की सतह पर जल आता है वहाँ खजूर के वृक्ष, नागफनी और झाड़ियाँ उग जाती हैं।ऐसे स्थानों को मरूद्यान कहा जाता है। बहुत से लोग मरूद्यान के समीप रहते हैं और वे लोग गेहूँ, बाजरा, मक्का, फलियाँ, जौ, प्याज और शकरकंदी भी उगाते हैं।

प्र.5 भूमध्य रेखीय वनों के मुख्य लक्षण क्या हैं?

उ. अत्याधिक तापमान और अत्याधिक वर्षा के कारण यह क्षेत्र लंबें वृक्षों, मध्यम ऊँचाई के वृक्षों तथा धनी वनस्पति से ढका रहता है। ये वन इतने सघन होते हैं कि सूर्य की किरणें पेड़ों के मध्य से होकर जमीन तक नहीं पहुँच पाती।

प्र.6 अमेजिन बेसिन के लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या है?

उ. अमेजन बेसिन के लोगों का मुख्य व्यवसाय शिकार और भोजन संग्राहक है। ये लोग स्थानांतरित कृषि करते हैं।

प्र.7 कनाड़ा में बसंत ऋतु में ही गेहूँ क्यों उगाया जाता है?

उ. कनाड़ा के उत्तरीय भाग में बसंत ऋतु में गेहूँ की खेती की जाती है क्योंकि शीत ऋतु में अत्याधिक ठंड होने के कारण यहाँ कृषि करना असभंव होता है।

प्र.8 प्रेरीज के लोगों के मुख्य व्यवसाय क्या है?

उ. प्रेरीज के लोगों का मुख्य व्यवसाय गेहूँ की खेती करना है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 उपयुक्त उदाहरण देते हुए प्राकृतिक पर्यावरण तथा मानव जीवन के मध्य संबंध को स्पष्ट कीजिए।

उ. यह विस्तृत मैदानी प्रदेश हिमालय के दक्षिण में नदियों द्वारा लाई गई उपजाऊ जिलाढ़ मिट्टी से बना है। इसे भारत का उत्तरी मैदान भी कहा जाता है। वास्तव में इस मैदानी भाग की तीन मुख्य नदियाँ है। इस प्रदेश की जलवायु हर प्रकार की फसल उगाने के लिए उपयुक्त है। यह कृषि प्रधान देश है। चावल, गेहूँ, कपास, गन्ना, जूट, चना, दालें तथा सब्जियाँ इत्यादि इस क्षेत्र में उगाई जाती हैं।

इस मैदानी क्षेत्र पंजाब से असम तक अत्याधिक जनसंख्या वाला क्षेत्र है। यहाँ कई बड़े शहर बनें हैं, जहाँ सड़कों और रेलगाड़ी की पटरियों का जाल बिछा है। कृषि के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के कृषि पर आधारित छोटे और बड़े उद्योग; जैसे वस्त्र उद्योग, चीनी उद्योग, जूट उद्योग आदि इस क्षेत्र में पाए जाते हैं।

प्र.2 गर्म मरूस्थल और भूमध्य रेखीय वनों की जलवायु तथा प्राकृतिक वनस्पति के मध्य अंतर स्पष्ट करिए?

उ. संसार का सर्वाधिक तापमान 'सहारा मरूस्थल' में रिकॉर्ड किया गया है। यहाँ बहुत कम वर्षा होती है। अतः यहाँ प्राकृतिक वनस्पति भी बहुत कम होती है। कुछ स्थानों पर जहाँ भूमि की सतह पर जल आता है वहाँ खजूर के वृक्ष, नागफनी और झाड़ियाँ उग जाती हैं। मरूस्थल में ऐसे स्थानों को 'मरूद्यान' कहा जाता है। कटोर पर्यावरण की परिस्थितियाँ होने के कारण मरूस्थल में बहुत कम लोग रहते है।।

भूमध्य रेखीय जलवायु का सबसे महत्त्वपूर्ण उदाहरण है जो भूमध्य रेखा के 10^0 उत्तर तथा 10^0 दक्षिण के मध्य स्थित है। इस प्रदेश की जलवायु संपूर्ण वर्ष गर्म और आर्द्र रहती हैं। अत्याधिक तापमान और अत्याधिक वर्षा के कारण यह क्षेत्र लंबें वृक्षों, मध्यम ऊँचाई के वृक्षों तथा घनी वनस्पति से ढका रहता है। अत्याधिक तापमान और आर्द्रता के कारण यहाँ का वातावरण मानव जीवन के लिए अनुकूल नहीं है। यहाँ मलेरिया, पीला बुखार तथा अन्य बीमारियाँ पाई जाती है। जिनके कारण अधिक संख्या में लोग नहीं रहते। केवल कुछ जनजातियाँ ही वनों को साफ करके बस्तियाँ बनाकर रह रही हैं।

प्र.3 प्रेरीज में लोगों के जीवन के विषय में विस्तार पूर्वक बताइए।

उ. प्रेरीज की जलवायु न तो अधिक ठंड़ी हैं और न ही अधिक गर्म परन्तु कनाड़ा के प्रेरीज सदियों में बहुत ठंड़े होते हैं। यहाँ वर्षा भी सामान्य जो गेहूँ की फसल उगाने के लिए उपयुक्त है। इस प्रदेश की प्राकृतिक वनस्पति में मुख्यतः मुलायम और लंबी घास होती है। इस प्रदेश के लोगों का मुख्य व्यवसाय विस्तृत व्यावसायिक कृषि तथा पशुपाल है। घास के मैदान कृषि के लिए साफ किए गए है। यहाँ पर मुख्य रूप से गेहूँ, जौ तथा जई उगाई जाती है। कनाड़ा तथा संयुक्त राज्य के उत्तरीय भाग में बसंत ऋतु में गेहूँ की खेती की जाती है क्योंकि शीत ऋतु में अत्याधिक ठंड होने के कारण यहाँ कृषि करना असंभव होता है। कृषि करने के लिए यहाँ के किसान विभिन्न प्रकार के आधुनिक औजार, ट्रैक्टर तथा मशीनों का प्रयोग करते हैं।

प्र.4 यूरोप के लोगों के आने से दक्षिणी तथा उत्तरी अमेरिका प्राकृतिक पर्यावरण और लोगों के जीवन में क्या परिवर्तन आए?

उ. यूरोप के लोगों के यहाँ आने से यहाँ का संपूर्ण वातावरण बदल गया। यूरोप के लोगों द्वारा यहाँ की भूमि को साफ करके आधुनिक कृषि का प्रांरभ होने के कारण यहाँ बदलाव आए हैं। कुछ समय के अंतराल में ही जब से इस क्षेत्र की खोज हुई है अमेरिका संसार का सबसे धनी देश बन गया है।

यहाँ यातायात के साधनों का विकास भी भली भाँली हुआ है। कनेडियन, पेसिफिक रेलवे कनाड़ा के प्रेरीज क्षेत्र से होकर गुजरती है। यह रेलमार्ग अंध महासागर और प्रंशात महासागर के तटों को जोड़ता है। कनाड़ा के प्रेरीज में विनिपेग एक महत्वपूर्ण शहर है। यह स्थान गेहूँ की मंडी के लिए प्रसिद्य है। संयुक्त राज्य अमेरिका में शिकागों मांस की मडी के लिए प्रसिद्य है।

प्र.5 'मानव प्राकृतिक पर्यावरण को परिवतर्तित करने में सक्षम है।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

उ. मानव प्राकृतिक पर्यावरण को परिवर्तित कर सकता है। मनुष्य ने मरूस्थल में जीवन रहने योग्य बनाया। जहाँ थोड़ा पानी मिला रहने लगा। इसी प्रकाश ठंडे प्रदेश में जहाँ वर्फ पड़ती है, वहाँ भी पर्यावरण को अपने अनुकूल बना लिया।

प्र.ग सही जोड़े बनाइए :-

उ.

1.	अटाकामा	:	दक्षिणी अमेरिका
2.	कालाहारी	:	अफ्रीका

3. अरब का मरूस्थल : एशिया

4. कैलिफोनिया : उत्तरी अमेरिका

प्र.घ निम्नलिखित के मध्य अंतर बताइए :-

प्र.1 गर्म मरूस्थल तथा ठंड़े मरूस्थल।

उ. गर्म मरूस्थल :- उष्ण कटिबंधीय तथा उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में पाए जाते हैं। जहाँ की जलवायु गर्म तथा शुष्क होती है। ये मरूस्थल रेत या चट्टानों के हो सकते हैं। गर्म मरूस्थल यूरोप और अंटार्कटिका महाद्वीपों को छोड़कर सभी महाद्वीपों में पाए जाते हैं।

ठंड़े मरूस्थल :- लद्दाख ठंड़े मरूस्थल का उदाहरण है। यह जम्मू और कश्मीर का एक जिला है। लद्दाख की राजधानी 'लेह' भारत का सबसे ठंडा शहर है। वर्ष के अधिकांश भाग में यह बर्फ से ढंका रहता है। अतः इसे खपा-चान कहते हैं जिसका अर्थ है - बर्फ की धरती। यह पर्वतीय क्षेत्र है। अत्याधिक ठंड़ होने के कारण यहाँ वनस्पति भी बहुत कम होती है।

प्र.2 कनाड़ा तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रेरीज की जलवायु।

उ. प्रेरीज की जलवायु न तो अधिक ठंड़ी है और न अधिक गर्म परन्तु कनाड़ा के प्रेरीज सर्दियों में बहुत ठंड़े होते हैं। यहाँ वर्षा भी सामान्य होती है जो गेंहू की फसल उगाने के लिए उपयुक्त है। इस प्रदेश की प्राकृतिक वनस्पति में मुख्यतः मुलायम और लंबी घास होती है। इस प्रदेश के लोगों का मुख्य व्यवसाय विस्तृत व्यवसायिक कृषि तथा पशुपालन है।

प्र.3 अमेजन बेसिन और गंगा ब्रह्मपुत्र बेसिन के मध्य जनसंख्या का घनत्व।

उ. भारत का गंगा तथा ब्रह्मपुत्र बेसिन कृषि के लिए सर्वोत्तम है क्योंकि यहाँ की जलवायु अच्छी और मिट्टी उपजाऊ है। यहाँ जलसंख्या का घनत्व अधिक है। अमेजन बेसिन दक्षिण अमेरिका का अत्याधिक तापमान और आर्द्रता के कारण यहाँ का वातावरण मानव जीवन के लिए अनुकूल नहीं है। यहाँ जनसंख्या का घनत्व अधिक नहीं है।

प्र.ड. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. मरूस्थल में उपजाऊ क्षेत्र *मरूद्यान* कहलाते हैं।

2. गंगा ब्रह्मपुत्र बेसिन की मुख्य फसलें *गेहूँ* और *चावन* हैं।

3. गंगा नदी *हरिद्वार* में मैदानी क्षेत्र में प्रवेश करती है।

4. *विनिपेग* कनाड़ा के प्रेरीज का मुख्य शहर है।

5. लद्दाख की राजधानी *लेह* है।

6. ब्रह्मपुत्र नदी *तिब्बत* में *मानसरोवर* झील से निकलती है।

7. कनाड़ा में गेहूँ *बसंत* ऋतु में उगाया जाता है।

8. *यूरोप* ही एक ऐसा बसा हुआ महाद्वीप है जहाँ गर्म मरूस्थल नहीं है।

प्र.च सही वाक्या के सामने (✓) तथा गलत वाक्या के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. मानव प्राकृतिक पर्यावरण को बदल नहीं सकता। (✗)

2. गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन में स्थानांतरित कृषि की जाती है। (✗)

3. लद्दाख में पर्यटन उद्योग का विकास हुआ है। (✓)

4. प्रेरीज में विस्तृत खेती की जाती है। (✗)

5. गर्म मरूस्थल प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवों से परिपूर्ण है। (✗)

भाग–3 (सामाजिक तथा राजनैतिक जीवन)

1 बीसवीं शताब्दी में भारत और विश्व

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखिए :-

प्र.1 विश्व इतिहास में बीसवीं शताब्दी को एक महत्त्वपूर्ण काल क्यों माना जाता है?

उ. 20वीं शताब्दी को विश्व के इतिहास का महत्त्वपूर्ण काल माना जाता है क्योंकि इस शताब्दी में कई परिवर्तन हुए। यूरोपीय साम्राज्यवादी देशों का राज्य इस शताब्दी में समाप्त हो गया था।

प्र.2 प्रथम विश्व युद्ध का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन पर क्या प्रभाव पड़ा?

उ. युद्ध में भारतीयों ने सरकार का साथ दिया। अतः उन्हें आशा थी कि ब्रिटिश सरकार अपने वायदे पर अमल करेगी परंतु युद्ध के उपरांत ब्रिटिश सरकार ने ऐसा कुछ भी नहीं किया बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति उसका रूख और कठोर हो गया। अतः युद्ध के उपरांत कांग्रेस ने महात्मा गाँधी के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन प्रारम्भ कर दिया।

प्र.3 स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महात्मा गाँधी द्वारा कौन से तीन आंदोलन चलाए गए।

उ. स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महात्मा गाँधी ने असहयोग आंदोलन सविनय अवज्ञा आंदोलन लाहौर सम्मेलन, ये तीन आ़ंदोलन चलाए।

प्र.4 आप कैसे कह सकते हैं कि लीग ऑफ नेशंस अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल नहीं हुई?

उ. राष्ट्र संघ (लीग ऑफ नेशंस) 6 वित्तीय विश्व युद्ध को रोकने में असफल रही। यह युद्ध सन् 1939 में प्रारंभ हुआ।

प्र.5 जर्मनी द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध को प्रारंभ करने के क्या कारण थे?

उ. जर्मनी उस शांति संधि से खुश नहीं था जो उसके और अमेरिका के मध्य की गई थी और वह प्रथम विश्व युद्ध में हुई पराजय तथा शांति संधि के कारण हुए अपमान का बदला लेना चाहता था।

प्र.6 बीसवीं शताब्दी के अंत तक शीत युद्ध क्यों समाप्त हो गया था?

उ. सोवियत संघ के विभाजन के पश्चात् शीत युद्ध का अंत हो गया।

प्र.7 गुट-निरपेक्ष आंदोलन से आपका क्या अभिप्राय है?

उ. गुट-निरपेक्ष आंदोलन का उद्देश्य सभी लोगों को समानाधिकार दिलवाना तथा अंतर्राष्ट्रीय मामलों में सभी देशों को समान अवसर प्रदान करना है।

प्र.8 द्वितीय विश्व युद्ध के उपरांत संयुक्त राष्ट्र की स्थापना क्यों हुई ?

उ. द्वितीय विश्वयुद्ध के उपरांत कुछ देश के नेताओं को आभास हुआ कि एक शक्तिशाली विश्व संगठन होना चाहिए जो इन युद्धों को रोक सके।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 बीसवीं शताब्दी में विश्व में कौन-कौन से महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए?

उ. बीसवीं शताब्दी के अंत में बहुत से महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए। जर्मनी का एकीकरण (1990), सोवियत संघ का विभाजन (1991) और यूरोपीय देशों का संगठन विश्व की कुछ महत्त्वपूर्ण धटनाएँ थी।

सोवियत संघ के विभाजन के पश्चात् शीत युद्ध का अंत हो गया और अब संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व की अकेली महान् सर्वोच्च शक्ति रह गया है। विश्व राजनीति पर लगभग उसका एकाधिकार हो गया है।

यूरोपीय देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के लिए अपना एक संगठन बनाया। उन्होंने संपूर्ण यूरोप में एक सामान्य मुद्रा यूरो का (2001) में चलन प्रारंभ किया इससे यूरोप के देशों में आंतरिक व्यापार को बढ़ावा मिला।

प्र.2 दो विश्व युद्धों का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर क्या प्रभाव पड़ा?

उ. दो विश्व युद्धों ने न केवल संपूर्ण संसार के इतिहास को बदल दिया। अपितु भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को भी

प्रभावित किया। भारतीयों ने अब पूर्ण-स्वराज्य की मांग करनी प्रारंभ कर दी थी। द्वितीय विश्व युद्ध के समाप्त होने तक भारत का स्वतंत्रता संग्राम एक महत्त्वपूर्ण मोड़ पर था। युद्ध के समय सन् 1942 में गाँधी जी के नेतृत्व में भारत छोड़ों आंदोलन प्रारंभ हुआ। इसने भारत में ब्रिटिश सरकार की जड़े हिला दी। अब ब्रिटेन का प्रभुत्व भारत में कम होता जा रहा था। ब्रिटिश सरकार की आंतरिक कमजोरी तथा शक्तिशाली भारतीय विरोध के कारण भारत में इनका प्रभुत्व कम हो गया था। अतः अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा और भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हो गई।

प्र.3 सन् 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त हो जाने पर विश्व की क्या स्थिति थी?

उ. सन् 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के उपरांत विश्व दो गुटों में विभाजित हो गया। एक गुट था साम्यवादी जिसका नेतृत्व सोवियत संघ ने तथा दूसरा गुट-पूँजीवादी जिसका नेतृत्व अमेरिका ने किया। इससे शीत युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो गई। इन दोनों गुटों के बीच शीत युद्ध प्रारंभ हो गया।

इन दोनों गुटों के बीच सैनिक शक्ति बढ़ाने की होड़ लग गई। इसके फलस्वरूप पूँजीवादी देशों ने अपना सैनिक संगठन NATO (नॉर्थ एँट-लॉटिक ट्रीटि आँगेनाइजेशन) तथा साम्यवाद देशों ने अपना सैनिक संगठन वारसा पैक्ट बनाया।

प्र.4 द्वितीय विश्व युद्ध के उपरांत भारत ने गुट-निरपेक्ष आंदोलन की नीति को क्यों अपनाया?

उ. स्वतंत्रता प्राप्त करने के पश्चात् भारत ने किसी भी शक्तिशाली गुट का साथ नहीं दिया। उसने गुट-निरपेक्षता की नीति अपनाई। यद्यपि भारत ने दोनों गुटों के साथ मित्रतापूर्ण संबंध रखे एशिया तथा अफ्रीका के कई विकाशील देशों ने भी गुट-निरपेक्षता को अपनाया।

इसका मुख्य उद्देश्य गरीब तथा अविकसित देशों का सामाजिक एवं आर्थिक विकास आपसी सहयोग और विकसित देशों पर आश्रित हुए बिना करना था। गुट-निरपेक्ष आंदोलन का उद्देश्य सभी लोगों को समानाधिकार दिलवाना था अंतराष्ट्रिय मामलों में सभी देशों को समान अवसर प्रदान करना है। गुट-निरपेक्ष देश मानवाधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त रूप से राष्ट्र संघ में अपनी आवाज उठा सकते हैं। भारत किसी भी प्रकार के नस्ल भेद के खिलाफ है। उसका विश्वास है कि सभी प्रकार के मतभेदों को शांतिपूर्ण ढ़ग से सुलझाना चाहिए। उसका यह भी मानना है कि सभी देशों के मध्य मुक्त व्यापार होना चाहिए तथा अविकसित देशों के अधिकारों को सुरक्षित किया जाना चाहिए। इसके लिए उनके विकास को ध्यान में रखते हुए व्यापार नीति बनानी चाहिए। भारत परमाणु हथियारों के प्रयोग का सख्य विरोधी है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. प्रथम विश्वयुद्ध *1914* में प्रांरभ हुआ और *1918* में समाप्त हुआ।
2. द्वितीय विश्व युद्ध *1939* में प्रांरभ हुआ और *1945* में समाप्त हुआ।
3. पूँजीवादी देशों के सैनिक संगठन को *नाटो* कहते थे।
4. संयुक्त राष्ट्र की स्थापना *24 अक्टूबर 1945* में हुई।
5. पूर्ण स्वराज्य का संकल्प *1929* में *लाहौर* के काँग्रेस सम्मेलन में पारित हुआ।
6. जर्मनी का एकीकरण *1990* में हुआ।
7. सोवियत संघ का विभाजन *1991* में हुआ।
8. वर्तमान में *अमेरिका* ही एक महाशक्तिशाली देश माना जाता है।

2 भारतीय संविधान की रचना

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 संविधान किसे कहते हैं?

उ. संविधान एक मौलिक संवैधानिक प्रलेख है जिसके अनुसार कोई भी देश कार्य करता है। संविधान किसी भी देश

के सभी कानूनों से सर्वोच्च होता है।

प्र.2 लोकतंत्र में संविधान अत्याधिक महत्वपूर्ण क्यों है?

उ. भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में संविधान का अत्याधिक महत्व है। लोकतांत्रिक सरकार के अंतर्गत नागरिक देश की सरकार की कार्यविधि में बढ़चढ़ कर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लेते हैं।

प्र.3 कैबिनेट मिशन को भारत क्यों भेजा गया?

उ. 1946 में ब्रिटिश सरकार ने अपने तीन मंत्रियों को भारत की स्वतंत्रता की समस्या को हल करने के लिए भेजा। इन मत्रियों को 'कैबिनेट मिशन' कहा गया।

प्र.4 संवैधानिक सभा में दो महत्त्वपूर्ण महिला सदस्य कौन थी?

उ. संवैधानिक सभा में दो महत्त्वपूर्ण महिला सदस्य सरोजनी नायडू और विजय लक्ष्मी पंड़ित थी।

प्र.5 'समाजवादी' शब्द का क्या अर्थ है?

उ. **'समाजवादी' :-** इसका अर्थ है सरकार समाज में व्याप्त आर्थिक असमानता को दूर करेगी।

प्र.6 पंच-निरपेक्ष से आपका क्या अभिप्राय है?

उ. **पंच-निरपेक्ष :-** इसका अर्थ है कि प्रत्येक धर्म को समान अधिकार है। देश किसी भी धर्म को विशेष महत्व नहीं देगा। भारत का प्रयोग नागरिक अपनी इच्छानुसार धर्म का पालन कर सकता है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 लोकतंत्र में संविधान के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

उ. भारत एक लोकतांत्रिक राज्य है। इसका अर्थ है कि इसकी संपूर्ण शक्ति नागरिकों के हाथ में है। हमारे संविधान को प्रस्तावना में दिए गए विभिन्न विचार हमारे देश की लोकतंत्र को मूल्यों के आधार पर एक सुदृढ़ तथा एकीकृत समाज का निर्माण करेंगे। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए हमारे संविधान निर्माताओं ने धर्म, भाषा क्षेत्र तथा सांस्कृतिक विविधताओं को ध्यान में रखकर ही इस विशाल संविधान की रचना की है।

प्र.2 भारतीय संविधान के निर्माण की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक बताइए।

उ. सन् 1946 में 296 सीटों पर ब्रिटिश भारतीय प्रांतों के लिए चुनाव हुए। कैबिनेट मिशन की सिफारिश पर भारत की संवैधानिक सभा का चुनाव प्रांतीय सभाओं द्वारा किया गया। इसमें 389 सदस्य थे। जिसमें 3 प्रतिनिधि भारत के विभिन्न राज्यों में से थे। संवैधानिक सभा ने 9 दिसम्बर, 1945 से कार्य करना प्रारंभ कर दिया था।

संवैधानिक सभा के सदस्य भारत के विभिन्न समुदायों तथा धर्मों के थे। इसमें विभिन्न राजनैतिक पर्टियों के प्रतिनिधि सदस्य भी थे। जवाहर लाल नेहरू, राजेन्द्र पसाद, सरदार पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद, श्यामा प्रसाद मुर्खजी, सरदार बलदेव सिंह इत्यादि कुछ महत्त्वपूर्ण नेता थे जिन्होंने सभा को उपयुक्त निर्देश दिए। अनुसूचित जातियों के लगभग 30 सदस्य भी थे। इंग्लों-इडियन का प्रतिनिधित्व फैंकएंथनी द्वारा तथा पारसी समुदाय का प्रतिनिधित्व एच0पी0मोदी द्वारा किया गया।

संवैधानिक विशेषज्ञ; जैसे आलादी कृष्णास्वामी अय्यर, बी0 आर0 अंबेडकर, के0 एम0 मुंशी भी सभा के सदस्य थे। सरोजनी नायडू और विजय लक्ष्मी पंड़ित प्रमुख महिला सदस्य थीं।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.

1. कैबिनेट मिशन *1946* ई0 में भारत आया।
2. भारतीय संविधान *26 नवम्बर 1949* को स्वीकार किया गया तथा *26 जनवरी 1950* को इसे लागू किया।
3. *राजेन्द्र प्रसाद* संवैधानिक सभा के अध्यक्ष थे।
4. *डा0 भीमराव अम्बेडकर* प्रारूप समिति के सभापति थे।
5. *फ्रैंक एंथोनी* संवैधानिक सभा के एग्ंलो इंडियन सदस्य थे।
6. *एच0 पी0 मोदी* संवैधानिक सभा के पारसी सदस्य थे।

3 हमारे राष्ट्रीय प्रतीक एवं चिह्न

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 भारत को 'अनेकता में एकता' का देश क्यों कहते हैं?

उ. भारत भौतिक तथा सांस्कृतिक विविधताओ वाला विशाल देश है। यहाँ के लोग विभिन्न भाषाएँ बोलते है, विभिन्न धर्मो को मानने वाले है तथा विभिन्न रीति रिवाजां का पालन करते हैं। परंतु यहाँ की विभिन्नता में भी एकता है। इसलिए भारत को 'अनेकता में एकता' का देश कहा जाता है।

प्र.2 अपने देश के राष्ट्रीय चिह्नों के नाम लिखिए।

उ. हमारे देश के राष्ट्रीय चिह्न शेर, घोड़ा और बैल जो क्रमशः साहस तथा शान, ताकत तथा तेज गति और कठिन परिश्रम के प्रतिक हैं।

प्र.3 हमारे ध्वज के तीन रंग कौन कौन से हैं?

उ. हमारे ध्वज के तीन रंग केसरिया, सफेद और हरा हैं।

प्र.4 हमारे राष्ट्रीय ध्वज में चक्र का क्या महत्व है?

उ. हमारे राष्ट्रीय ध्वज चक्र 'धर्म चक्र' कहलाता है। यह न्याय और धर्म के अनुसार शासन को दर्शाता है।

प्र.5 राष्ट्रीय चिह्न को भारतीय मुहर क्यों कहा जाता है?

उ. राष्ट्रीय चिह्न को भारतीय मुहर इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह सरकारी कागजी नोटों, टिकटों, सिक्कों तथा सभी सरकारी कागजों पर अंकित होता है।

प्र.6 मोर एक सुंदर और आर्कषण पक्षी क्यों है?

उ. मोर एक सुंदर और आर्कषण पक्षी इसलिए है क्योंकि इसके पंख बहुत सुंदर होते हैं तथा वर्षा ऋतु में इसका नृत्य बड़ा आर्कषक होता है और यह हमारा राष्ट्रीय पक्षी है।

प्र.7 कमल क्या दर्शाता है?

उ. कमल इस तथ्य को दर्शाताा है कि व्यक्ति बुराइयों से ऊपर उठ सकता है अर्थात् बुराइयों पर विजय प्राप्त कर सकता है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 राष्ट्र-ध्वज में विभिन्न रंगों तथा चक्र के महत्व का वर्णन कीजिए।

उ. हमारा राष्ट्रीय ध्वज तीन रंगों की आयताकार पट्टियों में विभाजित है; केसरिया रंग सबसे ऊपर, सफेद मध्य में तथा हरी सबसे नीचे। भारतीय संस्कृति में तीनों का अपना महत्व है। केसरिया रंग साहस पऔर त्याग का प्रतीक है; सफेद रंग शांति, सत्य और अहिंसा का प्रतीक है तथा हरा रंग समृद्धि का प्रतीक है। हरा रंग हमें कठोर श्रम करने अपने प्राकृतिक संसाधनों का उपयुक्त प्रयोग करने तथा देश में व्याप्त गरीबों और बेरोजगारी को दूर करने का संदेश देता है।

मध्य पट्टी में नीले रंग का एक चक्र है। यह धर्म चक्र कहलाता है जिसे अशोक, स्तंभ से लिया गया है। इसमें 24 तीलियाँ है जो न्याय तथा धर्म के अनुसार शासन को दर्शाती हैं।

प्र.2 राष्ट्रीय चिह्न के विभिन्न भागों का वर्णन कीजिए। प्रत्येक भाग का क्या महत्व है?

उ. हमारे राष्ट्रीय चिह्न के दो भाग हैं - शीर्ष और आधार। शीर्ष पर तीन शेर पट्टीनुमा आधार पर पीठ से पीठ जोड़े खड़े हैं जबकि चौथा शेर पीछे की तरफ छिपा है। आधार में बांई ओर एक घोड़ा है तथा दाई ओर बैल है। इन दोनों के बीच चक्र है जिसमें 24 तीलियाँ हैं। शीर्ष के नीचे देवनागरी लिपि में सत्यमेंव जयते लिखा है। इसका अर्थ है सत्य की विजय होती है। ये शब्द मुंडक उपनिषद् से लिए गए हैं।

राष्ट्रीय चिह्न के शेर साहस और शान का प्रतीक हैं। घोड़ा ताकत और तेज गति तथा बैल कठिन परिश्रम को दर्शाता है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. हमारे राष्ट्रीय ध्वज का आकार *आयताकार* है।

2. इसकी लंबाई तथा चौड़ाई का अनुपात *3 : 2* है।

3. राष्ट्र-ध्वज के चक्र में *24* तीलियाँ हैं।

4. राष्ट्र-गान को गाने के लिए *52* सेकंड का समय निश्चित किया गया है।

5. हमारा राष्ट्र-गीत *बंकिम चंद्र चटर्जी* द्वारा लिखित पस्तक *आन्नदमठ* से लिया गया है।

6. प्रसिद्ध *शाही बंगाल* बाघ भारत की प्रजाति है।

7. हमारा राष्ट्रीय गीत सर्वप्रथम सन् 1846 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के *कलकत्ता* अधिवेशन में गाया गया था।

4 नागरिकता और नागरिक जीवन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 नागरिक तथा विदेशी में क्या अंतर है?

उ. वे लोग, जो किसी अन्य देश के नागरिक होते हैं तथा दूसरे देश में अस्थायी रूप से रहते हैं उन्हें 'विदेशी- कहते हैं। नागरिक वह व्यक्ति जो राज्य का सदस्य हो तथा शासन की प्रक्रिया में भाग ले।

प्र.2 एक विदेशी भारतीय नागरिकता किस प्रकार प्राप्त कर सकता है?

उ. एक विदेशी को भारतीय नागरिकता तब प्राप्त हो सकती है जब वह पाँच वर्ष से अधिक समय से भारत में रह रहा हो, भारत की एक भाषा को जानता हो तथा पूर्व नागरिकता को त्याग दे।

प्र.3 कोई भी व्यक्ति भारतीय नागरिकता को किस प्रकार त्याग सकता है?

उ. यदि व्यक्ति ने दूसरे देश की नागरिकता प्राप्त कर ली हो। यदि व्यक्ति ने देश के कानून की अवज्ञा की हो। यदि वह देश से लगातार बिना किसी सूचना के सात वर्षो तक अनुपस्थित हो।

प्र.4 आप कैसे कह सकते हैं कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है?

उ. मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। बालक का प्रथम समाज उसका परिवार होता है। बहुत से परिवार मिलकर एक साथ आदान-प्रदान करते हैं और समाज का निर्माण करते हैं।

प्र.5 नैतिक व्यवहार से आपका क्या अभिप्राय है?

उ. समाज का एक सदस्य होने के नाते हमारा कर्तव्य है कि हम अपना सामाजिक व्यवहार अच्छा रखें। हमारे अंदर दूसरों से व्यवहार करने के कुछ गुण होने चाहिए जो अच्छे व्यवहार को दर्शाते हैं। हमारे दैनिक जीवन में इस प्रकार का व्यवहार या आदत हमारा नैतिक व्यवहार कहलाता है।

प्र.6 सड़क पर दुर्घटनाएँ क्यों होती है?

उ. सड़कों पर अधिक यातायात होने के कारण दुर्घटनाएँ होती रहती है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 सन् 1955 के 'नागरिकता एक्ट' के अनुसार, भारत का नागरिक होने के लिए किन शर्तो को पूरा करना अनिवार्य है?

उ. नागरिकता एक्ट 1955 के अनुसार भारत का नागरिक होने के लिए इन शर्तो को पूरा करना अनिवार्य है :-

क. जो भारत में जन्में हो।

ख. जिनके माता-पिता या दादा-दादी का जन्म भारत में हुआ हो।

ग. जो व्यक्ति 26 जनवरी, 1950 से पाँच वर्ष पूर्व से भारत में रह रहें हो।

घ. जो पाकिस्तान से भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए आए हों।

ड. जो पंजीकरण द्वारा नागरिकता प्राप्त करते हैं।

प्र.2 आदर्श नागरिक में कौन-कौन से गुण होने अनिवार्य हैं?

उ. क. अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए एक अच्छा नागरिक देश के प्रति अपने कर्तव्यों का भली-भाँती पालन करता है।

ख. एक आदर्श नागरिक अपने देश को प्रेम करता है तथा अपने देश में एकता और अखंडता को बनाए रखता है।

ग. एक अच्छा नागरिक देश के कानून का पालन करता है तथा करों का भुगतान समय पर करता है।

घ. एक अच्छा नागरिक अपने देश की राष्ट्रीय तथा स्थानीय समस्याओं से भली भाँति अवगत होता है।

ड. एक अच्छा नागरिक धर्म निरपेक्ष तथा स्वतंत्र दृष्टिकोण वाला होता है।

च. एक अच्छा नागरिक अपने देश के प्रति वफादार होता है।

छ. एक अच्छा नागरिक देश की चुनाव प्रक्रिया में भाग लेता है तथा चुनाव प्रक्रिया के समय अपने मताधिकार का उचित प्रयोग करता है।

ज. एक अच्छा नागरिक जीवन को उत्तम ढ़ग से जीने का प्रयत्न करता है।

प्र.3 सड़क यात्रियों को किन नियमों का पालन करना अनिवार्य है?

उ. क. वाहन चालकों को यातायात के संकेतों और ट्रैफिक पुलिस द्वारा दिए गए हाथ के संकेतों का पालन करना चाहिए।

ख. अपने सामने या आगे के वाहन से हमेशा दूरी बनाई रखनी चाहिए। ब्रेक के आकस्मिक प्रयोग से बचना चाहिए।

ग. दूसरे वाहनों से आगे निकलते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

घ. दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना चाहिए।

ड. बाएँ और दाएँ मुड़ने से पहले संकेत देना चाहिए।

च. पैदल यात्रियों को अपनी बाई और चलना चाहिए तथा सड़क पार करने के लिए ज़ेबा क्रॉसिंग का प्रयोग करना चाहिए।

छ. अपनी दाई ओर से आने वाले वाहनों को रास्ता दे देना चाहिए।

च. दीर्घमार्गों पर वाहन चलाते समय पंक्ति में चलना चाहिए। 'दुर्घटना से देर भली' हमेशा याद रखिए।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. संसद द्वारा नागरिकता एक्ट *1955 ई0* में पारित किया गया।

2. अनुवेदन द्वारा सरकार से नागरिकता प्राप्त करने वाले व्यक्ति *भारतीय* नागरिक कहलाते हैं।

3. पैदल यात्रियों को *ज़ैबा क्रॉसिंग* द्वारा सड़क पार करनी चाहिए।

4. एक व्यक्ति भारतीय नागरिकता को त्याग सकता है यदि वह भारतीय संविधान के प्रति *वफादार नहीं* है।

5. यदि कोई व्यक्ति अस्थायी रूप से भारत में रह रहा है परंतु भारत का नागरिक नहीं है तो उसे *विदेशी* कहते हैं।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. भारत में रहने वाले सभी व्यक्ति यहाँ के नागरिक हैं। (✗)

2. कोई भी विदेशी कुछ शर्तों को पूर्ण करने के पश्चात् भारतीय नागरिकता को प्राप्त कर सकता है। (✓)

3. कोई भी विदेशी भारतीय राष्ट्रपति बन सकता है। (✗)

4. केवल देश के नागरिकों को ही वोट देने का अधिकार है। (✓)

5. पकिस्तान से आए हुए व्यक्ति जो स्थायी रूप से बसने के लिए भारत आए है भारतीय नागरिक कहलाते हैं। (✓)

5 हमारे मूल अधिकार, कर्त्तव्य तथा नीति निर्देशक तत्व

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 भारतीय संविधान द्वारा दिए गए छह मौलिक अधिकारों की सूची बनाइए।

उ. समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरूद्य अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, शिक्षा तथा संस्कृति का अधिकार, संवैधानिक उपचारों का अधिकार।

प्र.2 मौलिक अधिकारों तथा राज्य नीति-निर्देशक तत्तवों में क्या अंतर है?

उ. नीति निर्देशक तत्व, मौलिक अधिकारों से भिन्न होते हैं क्योंकि केन्द्रीय सरकार तथा राज्य सरकारों के लिए इनका पालन करना बाध्यता नहीं है।

प्र.3 हमारे मौलिक कर्त्तव्यों को भारतीय संविधान में क्यों सम्मिलित किया गया है?

उ. इन कर्त्तव्यों को संविधान में इसलिए सम्मिलित किया गया, जिससे नागरिकों में देशभक्ति की भावना का विकास हो नागरिक अपने आचरण से देश की संप्रभुता एवं अखड़ता बनाए रखने में योगदान दे सकें तथा नागरिकों में एकता की भावना विकसित हो।

प्र.4 संविधान में शोषण के विरूद्ध अधिकार में क्या प्रमुख प्रावधान हैं?

उ. भारत के संविधान ने हर प्रकार के शोषण पर प्रतिबंध लगाया है इस अधिकार के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति को बेचा और खरीदा नहीं जा सकता, उससे बेगार नहीं ली जा सकती। इसके अंतर्गत चौदह वर्ष से कम आयु के बच्चों को कारखानों, खानों जैसे खतरनाक कामों में नहीं लगाया जा सकता।

प्र.5 धार्मिक स्वतंत्रता से आपका क्या अभिप्राय है?

उ. भारत में लोगों को पूर्ण रूपेण धार्मिक स्वतंत्रता है। राज्य के समक्ष सभी धर्म समान हैं तथा किसी धर्म को दूसरे से अधिक महत्व नहीं दिया जा सकता। नागरिक भी अपने धर्मों को मानने के लिए स्वतंत्र हैं। बस अधिकार का उद्देश्य है। देश में धर्म निरपेक्षता के सिद्धांत को अपनाना। कोई भी सरकारी शिक्षण संस्थान धार्मिक शिक्षा नहीं दे सकता।

प्र.6 राज्य के नीति-निर्देशक तत्त्वों को परिभाषित कीजिए।

उ. नीति-निर्देशक तत्व वास्तव में सरकार को संविधान द्वारा दिए गए निर्देश हैं, जिससे कि वे ऐसी नीति का निर्माण करें जो जनकल्याण के लिए कार्य करती हो।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 आप कैसे कह सकते हैं कि स्वतंत्रता का अधिकार वास्तव में सभी अधिकारों का मिश्रण है?

उ. स्वतंत्रता का अधिकार वास्तव में छह स्वतंत्रताओं के अधिकारों को मिलाकर बनाया गया है :-

क. विचारों को बोलकर या लिखकर व्यक्त करने का अधिकार।

ख. शांतिपूर्ण तथा हथियारों रहित सभा में एकत्रित होने का अधिकार।

ग. समूह या यूनियन बनाने का अधिकार।

घ. भारत में किसी भी कोने में स्वतंत्रता पूर्वक घूमने का अधिकार।

ड. भारत के किसी भी क्षेत्र में घर बनाकर रहने का अधिकार।

च. व्यवसाय चयन का अधिकार।

संविधान इन अधिकारों पर प्रतिबंध लगाता है। भारत की स्वतंत्रता अखंडता तथा एकता को ध्यान में रखकर इन अधिकारों को सीमित किया गया है।

प्र.2 शिक्षा तथा संस्कृति के अधिकार के मुख्य प्रावधान क्या हैं?

उ. भारत अनेक धर्मो, भाषाओं और संस्कृतियों वाला देश है। हमारे संविधान ने अल्प समुदायों के लोगों के लिए विशेष अधिकार दिए हैं। किसी भी समुदाय या जाति के लोग जिनका अपना साहित्य है, संरक्षित बनाए रखने का अधिकार रखते हैं। धर्म तथा भाषा के आधार पर किसी भी राज्य या राज्य से सहायता प्राप्त संस्थाओं में प्रवेश के लिए भेद-भाव नहीं किया जा सकता। अल्प समुदाय के लोग अपनी शिक्षण संस्थाएँ स्वयं खोल सकते हैं। ऐसा करके वे अपनी संस्कृति को बनाए रखने के लिए स्वतंत्र हैं।

प्र.3 किन्हीं पाँच मौलिक कर्त्तव्यों का वर्णन कीजिए।

उ. क. भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य है कि वह संविधान, राष्ट्र-ध्वज और राष्ट्र-गान का आदर करे।

ख. देश की प्रभुसत्ता और अखड़ंता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे।

ग. अपनी संस्कृति और गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसे बनाए रखे।

घ. सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे। हिंसा से दूर रहे।

ड. व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्षता की ओर अग्रसर होने का सतत प्रयास करें, जिससे राष्ट्र निरंतर आगे बढ़ते हुए उपलब्धियों की नई ऊँचाईयों को छू ले।

प्र.4 राज्य नीति के कुछ महत्वपूर्ण नीति-निर्देशक तत्त्व क्या है? उनके महत्तव का मूल्यांकन कीजिए।

उ. राज्य सरकार के लिए कुछऐसे नियम बनाए जिससे सरकार जनता का राजनैतिक, आर्थिक और सामाजिक सुधार लाने में सहायक हौ। इन निर्देशों को नीति-निर्देशक तत्त्व कहा जाता है :-

क. राज्य सभी नागरिकों को रोजगार देने का प्रयास करेगा जिससे उसके पास जीवनयापन के उपयुक्त साधन हो।

ख. राज्य को चाहिए कि मौलिक संसाधनों का उपभोग इस प्रकार हो कि जनमानस को इससे लाभ हो। संसाधनों का वितरण इस प्रकार हो कि आर्थिक असमानताओं को कम से कम किया जा सके।

ग. राज्य को कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना चाहिए।

घ. राज्य को समाज के कमजोर वर्गो, जैसे - अनुसूचित जातियो, जनजातियों के हितो की रक्षा करनी चाहिए।

ड. राज्य को चाहिए कि किसी भ प्रकार के सामाजिक एवं आर्थिक शोषण पर प्रतिबंध लगाए।

च. राज्य को चाहिए कि वह 14 वर्ष की आयु तक के बच्चों को मुफ्त शिक्षा दें।

छ. सरकार द्वारा स्त्री-पुरुषों को समान कार्य के लिए समान वेतन देना चाहिए।

ज. सरकार ऐसी नीति का निर्धारण करेगी जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, सहयोग तथा विश्वशांति का विकास होगा।

झ. सरकार वनों, वन्य-जीवों और प्राचीन इमारतों का संरक्षण करेगी।

ञ. सरकार नशीले पदार्थो के सेवन पर प्रतिबंध लगाएगी।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. सरकार द्वारा *6 वर्ष* से *14 वर्ष* की आयु के बच्चों को निःशुल्क अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करना चाहिए।

2. भारतीय संविधान में सन् *1976* में मौलिक कर्त्तव्यों को सम्मिलित किया गया है।

3. मौलिक अधिकारों को *न्यायालय* का संरक्षण प्राप्त है।

4. *14* वर्ष से कम आयु के बच्चों को खतरनाक कार्यो में नहीं लगाना चाहिए।

5. नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देने का उद्देश्य देश *धर्मनिरपेक्षता* लाना है।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. राज्य सरकार द्वारा चलाई जाने वाली शिक्षण संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा दी जाती है। (✗)

2. मौलिक अधिकार संविधान के अंर्तगत सन् 1976 में सम्मिलित किए गए थे। (✓)
3. समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए राज्य सरकार को विशेष प्रावधान करना चाहिए। (✓)
4. 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को निशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षाप्रदान की जानी चाहिए। (✓)
5. राज्य के नीति-निर्देशक तत्त्व तथा मौलिक अधिकार समान महत्व के हैं। (✗)

6 केंद्रीय सरकार

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 सरकार के तीन अंग कौन से होते हैं?

उ. सरकार के तीन अंग हैं - विधायिका, कार्य-पालिका तथा न्यायपालिका।

प्र.2 लोकसभा तथा राज्यसभा के सदस्यों का चुनाव कैसे होता है?

उ. लोकसभा में 550 सदस्य होते हैं जो प्रत्यक्ष रूप से 'व्यस्क मताधिकार' द्वारा नागरिकों द्वारा चुने जाते हैं। राज्य सभा में 250 सदस्य होते हैं जिसमें से 238 सदस्य राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा चुने जाते हैं।

प्र.3 भारत के राष्ट्रपति का चयन कैसे होता है?

उ. भारत का राष्ट्रपति अप्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा चुना जाता है। राष्ट्रपति का चुनाव संसद के निर्वाचित सदस्यों तथा सभी राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा पाँच वर्षों के लिए किया जाता है।

प्र.4 राष्ट्रपति किन स्थितियों में आपातकाल की घोषणा कर सकता है?

उ.
1. युद्ध के समय, बाह्य आक्रमण के समय तथा सशस्त्र विद्रोह के समय।
2. देश में संवैधानिक कार्यप्रणाली के असफल होने की स्थिति में।
3. देश में आर्थिक संकट आने पर।

प्र.5 राष्ट्रपति अध्यादेश कब जारी करता है?

उ. कोई भी प्रस्ताव या विधेयक संसद द्वारा पास होने के पश्चात् राष्ट्रपति द्वारा पास होने पर ही कानून बनता है। यदि संसद का सत्र नहीं चल रहा हो तो राष्ट्रपति अध्यादेश जारी कर सकता है।

प्र.6 साधारण विधेयक तथा धन विधेयक में क्या अंतर है? एक विधेयक कानून कब बनता है?

उ. कानून बनाने से पूर्व प्रस्ताव को विधेयक के रूप में दोनों सदनों में पेश करना पड़ता है। परंतु धन विधेयक केवल लोकसभा के समक्ष ही पश किया जा सकता है।

प्र.7 प्रधनमंत्री का चयन कैसे होता है?

उ. औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है। परंतु राष्ट्रपति लोकसभा में बहुमत प्राप्त दल के नेता को ही प्रधानमंत्री नियुक्त कर सकता है।

प्र.8 मिली-जुली सरकार से आपका क्या अभिप्रायः है?

उ. किसी एक दल को बहुतम प्राप्त नहीं होता तो दो या दो से अधिक दल मिलकर अपने नेता का चयन करते हैं। इस प्रकार की सरकार को विभिन्न दलों की मिली-जुली सरकार कहते हैं।

प्र.9 राष्ट्रपति के न्याय संबधी अधिकारों को बताइए?

उ. राष्ट्रपति राज्यों के राज्यपालों, सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों के मुख्य न्याधीशों और अन्य न्यायाधीशों, महा अधिवक्ता, लेखा महानियंत्रक, मुख्य चुनाव तथा उपचुनाव आयुक्त और केंद्रीय लोक सेवा के अध्यक्ष एवं सदस्यों, राजपूतों एवं उच्चायुक्तों की नियुक्ति करता है।

प्र.10 सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों को अभिलेख न्यायालय क्यों कहते हैं?

उ. उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय भारत के अभिलेख न्यायालय हैं। इनके सभी निर्णयों को अभिलेखित

किया जाता है तथा इन्हें प्रकाशित किया जाता है। ये निर्णय कानून का एक अंग बन जाते हैं तथा निम्नतम अदालतें न्याय करते समय इनको ध्यान में रखती हैं।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 लोकसभा तथा राज्यसभा का गठन कैसे होता है? इनके सदस्यों का चयन कैसे होता है?

उ. लोकसभा :- इसमें 550 सदस्य होते हैं जो प्रत्यक्ष रूप से 'व्यस्क मताधिकार' द्वारा नागरिकों द्वारा चुने जाते हैं। इनमें से 20 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए निर्धारित होती है तथा 2 सदस्य एग्लो-इंडियन समुदाय के होते हैं जो राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं यदि लोकसभा में उनका समुचित प्रतिनिधित्व नहीं होता। लोकसभा का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है। दोनों का चुनाव सदन के सदस्यों में से होता है।

राज्यसभा :- राज्यसभा में 250 सदस्य होते हैं जिसमें से 238 सदस्य राज्यों तथा केंद्रशाति प्रदेशों से चुने जाते हैं तथा 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा चयनित होते हैं। चयनित किए गए व्यक्ति साहित्य, विज्ञान तथा सामाजिक सेवाओं में ख्याति प्राप्त होते हैं।

प्र.2 भारत के राष्ट्रपति की कार्यपालिका संबधी शकितयों का वर्णन कीजिए।

उ. क. राष्ट्रपति प्रधानमंत्री तथा मंत्री परिषद् के अन्य सदस्यों की नियुक्त करता है तथा प्रधानमंत्री की सलाह पर मंत्रियों के विभागों का बँट्वारा करता है। परंतु वह केवल उसी व्यक्ति को प्रधानमंत्री नियुक्त कर सकता है।

ख. राष्ट्रपति राज्यों के राज्यपालों, सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और अन्य न्यायाधीशों, महा अधिवक्ता, लेखा महानियंत्रक, मुख्य चुनाव आयुक्त तथा उचचुनाव आयुक्त और केंद्रीय लोकसेवा के अध्यक्ष एवं सदस्यों, राजदूतों एवं उच्चायुक्तों की नियुक्ति करता है।

ग. राष्ट्रपति किसी भी अपराधी की सजा को कम या माफ कर सकता है।

घ. राष्ट्रपति की सिफारिश पर ही लोकसभा में धन विधेयक प्रस्तुत किया जाता है।

प्र.3 केंद्र में मंत्री-परिषद् का गठन कैसे होता है? इसके अधिकार तथा कार्यों को स्पष्ट कीजिए।

उ. मंत्री परिषद् में मंत्रियों के तीन स्तर होते हैं :-

क. **कैबिनेट मंत्री :-** कैबिनेट मंत्रियों के पास महत्वपूर्ण व स्वतंत्र विभाग होते हैं। ये अपने दल के बहुत अनुभवी तथा विश्वनीय नेता होते हैं।

ख. **राज्यमंत्री :-** इन मंत्रियों के पास भी कुछ कम महत्वपूर्ण स्वतंत्र विभाग होते हैं तथा ये कैबिनेट मंत्रियों की सहायता के लिए भी नियुक्त किए जाते हैं।

ग. **उपमंत्री :-** ये मंत्री कैबिनेट मंत्रियों तथा राज्य मंत्रियों की सहायता करते हैं। मंत्री मंडल के सदस्यों के लिए आवश्यक है कि वे संसद के किसी भी सदन के सदस्य हों। मंत्री मंडल का कोई भी सदस्य यदि संसद का सदस्य नहीं है तो अपनी नियुक्ति के छह माह के भीतर संसद का सदस्य होना पड़ता है।

मंत्री मंडल के सदस्य तब तक अपने पद पर बने रहते हैं जब तक उनके दल को लोकसभा में बहुमत तथा विश्वास प्राप्त होता है। मंत्री मंडल के सदस्य सभी प्रकार के निर्णयों के लिए संयुक्त रूप से उत्तरदायी होते हैं। यदि किसी महत्वपूर्ण विषय या समस्या पर लोकसभा सरकार की नीति को अस्वीकार करती है तो इसके लिए मंत्री परिषद् के सभी सदस्य उत्तरदायी होते हैं।

प्र.4 सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियों या अधिकारों का वर्णन कीजिए।

उ. सर्वोच्च न्यायालय सबसे ऊपर होता है। इसमें मुख्य न्यायाधीश तथा 25 अन्य न्यायाधीश होते हैं। यह नई दिल्ली में स्थित है। उच्चतम न्यायालय होने के कारण इसका निर्णय अंतिम निर्णय होता है। साधारणतः इसे अपील अदालत भी कहा जाता है क्योंकि उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसलों के विरूद्ध अपील की जा सकती है। केंद्रीय सरकार तथा एक या एक से अधिक राज्यों के बीच में पैदा हुए मतभेद का मुकदमा सीधे सर्वोच्च न्यायालय में पेश किया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ऐसे मुकदमों को भी सीधे सुन सकता है जिनमें किसी व्यक्ति द्वारा

या सरकार द्वारा भारत के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन किया जा सके।

सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रपति को कुछ महत्वपूर्ण मामलों में परामर्श भी देता है परंतु राष्ट्रपति के लिए यह आवश्यक नहीं है कि वह सर्वोच्च न्यायालय का परामर्श माने।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. लोकसभा का सदस्य बनने के लिए व्यक्ति की न्यूनतम आयु *25* वर्ष होनी चाहिए।

2. राज्य सभा का सदस्य बनने के लिए व्यक्ति की न्यूनतम आयु *30* वर्ष होनी चाहिए।

3. भारत का राष्ट्रपति बनने के लिए व्यक्ति की न्यूनतम आयु *35* वर्ष होनी चाहिए।

4. राज्यसभा के *12* सदस्य राष्ट्रपति द्वारा चयनित होते हैं।

5. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति *राष्ट्रपति* द्वारा होती है।

6. मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या *25* होती है।

7. राज्य सभा के *12* सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है।

8. राज्यसभा के कुल सदस्यों की संख्या *250* है।

9. धन विधेयक केवल *लोकसभा* में पेश किया जा सकता है।

10. जब संसद की कार्यवाही नहीं होती तो राष्ट्रपति *अध्यादेश* जारी कर सकता है।

11. *लोक अदालत* में झगड़ों का निपटारा बिना किसी कानूनी औपचारिकता के आपसी *सहमति* से होता है।

12. जब लोकसभा में किसी भी दल को बहुमत प्राप्त नहीं होता तो *मिली-जुली* सरकार बनती है।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. रक्षा सेनाओं का प्रमुख सेनापति प्रधानमंत्री होता है। (✗)

2. आपातकाल के समय भी लोग अपने मौलिक अधिकारों का प्रयोग कर सकते हैं। (✗)

3. भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा का सभापति होता है। (✓)

4. राज्यसभा के एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक 2 वर्ष के पश्चात् सेवामुक्त होते हैं। (✓)

5 किसी भी स्थिति में संसद अपने कार्यकाल 5 वर्ष से पहले भंग नहीं की जाती। (✗)

6. सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रपति को महत्वपूर्ण संवैधानिक मामलों में सलाह दे सकता है परंतु राष्ट्रपति के लिए आवश्यक नहीं है कि वह उसका पालन करे। (✓)

7 राज्य सरकार

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 भारत के किन राज्यों में दो सदन हैं - विधान सभा और विधान परिषद्?

उ. बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश तथा जम्मू और कश्मीर में दोनों सदन हैं।

प्र.2 विधान परिषद् के सदस्यों का चयन कैसे होता है?

उ. विधान परिषद् के एक तिहाई सदस्यों का चुनाव विधानसभा द्वारा तथा अन्य एक-तिहाई सदस्यों का चुनाव स्थानीय सरकार जैसे जिला परिषद् या नगर पालिका द्वारा 1/12 सदस्य स्नातकों द्वारा तथा अन्य 1/12 सदस्य राज्य के अध्यापकों द्वारा निर्वाचित होते हैं।

प्र.3 मुख्यमंत्री की नियुक्ति कैसे होती है?

उ. चुनाव के पश्चात् राज्यपाल बहुमत वाले दल के नेता को सरकार बनाने के लिए आंमत्रित करता है। यह नेता राज्यपाल द्वार 'मुख्यमंत्री' के पद के लिए नियुक्त होता है।

प्र.4 मंत्री मंडल के सामूहिक उत्तरदायित्व से आपका क्या अभिप्राय है?

उ. मंत्री मंडल के सदस्य सामूहिक रूप से कार्य करते हैं। यदि सरकार के प्रति अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाता है तो पूरे मंत्री मंडल को त्याग पत्र देना पड़ता है।

प्र.5 उच्च न्यायालय में किस प्रकार के मामलों की सुनवाई प्रत्यक्ष रूप से होती है?

उ. मौलिक अधिकारों का हनन, विवाह-विच्छेद, विवाह, वसीयत, चुनावी झगड़े इत्यादि की उच्च न्यायालय में सीधे सुनवाई होती है।

प्र.6 जिला स्तर पर उच्चतम न्यायालय कौन से हैं?

उ. जिला न्यायाधीश का न्यायालय जिले का सर्वोच्च स्थानीय न्यायालय होता है। जिला स्तर पर आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिये सत्र न्यायाधीश होता है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 राज्य स्तर पर दोनों सदनों के गठन का वर्णन कीजिए?

उ. **विधान सभा :-** विधान सभा के सदस्य प्रत्यक्ष रूप से राज्य की जनता द्वारा 'व्यस्क मताधिकार' के आधार पर चुने जाते हैं। राज्यों की जनसंख्या के आधार पर राज्यों के विधानसभा के सदस्यों की संख्या भी भिन्न-भिन्न होती है। हमारे संविधान ने विधानसभा में कम से कम 60 तथा अधिक से अधिक 500 सदस्य निर्धारित किये हैं। हालाँकी कुछ राज्यों जैसे - गोवा, सिक्किम, मिजोरम और नागालैंड़ जैसे राज्यों के लिए विशेष प्रावधान है वहाँ विधानसभा के सदस्यों की संख्या 60 से भी कम हैं। उदाहरण के लिए गोवा में 40 सदस्य हैं। सबसे अधिक विधान सभा के सदस्य उत्तर प्रदेश में हैं क्योंकि यह उत्याधिक जनसंख्या वाला प्रदेश है।

विधान परिषद् :- विधान परिषद् राज्य विधान मंडल का ऊँचा सदन है। इसके सदस्यों की संख्या 40 से कम नहीं हो सकती या उस राज्य की विधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या के एक-तिहाई से अधिक नहीं हो सकती। इसके कुछ सदस्यों का निर्वाचन होता है तथा कुछ सदस्यों को मनोनीत किया जाता है। एक तिहाई सदस्यों का चुनाव स्थानीय सरकार जैसे -जिलारिषद् या नगरपालिका द्वारा, 1/12 सदस्य स्नातकों द्वारा तथा अन्य 1/12 सदस्य राज्य के अध्यापकों द्वारा निर्वाचित होते हैं। शेष सदस्य राज्यपाल द्वारा मनोनीत किए जाते हैं। ये लोग साहित्य, विज्ञान कला या समाज-सेवा में ख्याति प्राप्त होते हैं।

प्र.2 राज्य के राज्यपाल के मुख्य कार्य और शक्तियों के विषय में बताइए?

उ. राज्यपाल राज्य कार्यपालिका का अध्यक्ष होता है। वह मुख्यमंत्री की नियुक्ति करता है तथा उसके परामर्श से अन्य मंत्रियों की नियुक्तियाँ करता है। वह बहुमत वाले दल के नेता को विधानसभ में मुख्यमंत्री के पद पर नियुक्त करता है। वह राज्य में कुछ अन्य महत्वपूर्ण पदों की नियुक्ति भी करता है; जैसे महाधिवक्ता, राज्यलोक सेवा आयोग का अध्यक्ष तथा सदस्य, विश्वविद्यालय के उप-कुलपति इत्यादि।

राज्यपाल राज्य विधायिका के दोनों सदनों की बैठक बुला सकता है तथा स्थगित कर सकता है। वह प्रारंभिक सभा को संबोधित भी करता है। कोई भी विधेयक उसकी सहमति के बिना कानून नहीं बन सकता। वह राज्य विधायिका से पास हुए कुछ विधेयक राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए आरक्षित्र कर सकता है। जब राज्य विधानमंडल का सत्र नहीं होता तो वह अध्यादेश जारी कर सकता है।

प्र.3 केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन के विषय में एक टिप्पणी लिखिए।

उ. केंद्र शासित प्रदेश राष्ट्रपति द्वारा प्रशासित होते हैं। जो इनके लिए कुछ प्रशासकों की नियुक्ति भी करता है। इन प्रशासकों को मुख्य आयुक्त या प्रशासक अथवा लेफ्टिनेंट गर्वनर भी कहा जाता है। कभी-कभी पड़ोसी राज्य के गर्वनर को इन राज्यों का प्रशासन भी सौंप दिया जाता है। साधारणतः केंद्र शासित प्रदेशों के लिए कानून संसद द्वारा बनाए जातें। परंतु कुछ केंद्र शासित प्रदेशो; जैसे-पुडुचेरी तथा दिल्ली की अपनी विधान सभाएँ है। दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र कहते हैं। लेफ्टिनेंट गर्वनर के साथ-साथ इसका मुख्यमंत्री भी है।

प्र.4 राज्य स्तर पर न्यायपालिका के कार्यो का वर्णन उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार का विवरण देते हुए कीजिए।

उ. हमारे संविधान द्वारा घोषणा की गई है कि प्रत्येक राज्य में एक उच्च न्यायालय होगा। यद्यपि संसद द्वारा दो या दो से अधिक राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एक ही उच्च न्यायालय स्थापित किया जा सकता है। गुवाहटी उच्च न्यायालय सात उत्तरी-पूर्वी राज्यों, जैसे -असम, अरूणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैण्ड, और मिजोरम के लिए एक है। चंडीगढ़ उच्च न्यायालय पंजाब, हरियाणा तथा केंद्र शासित प्रदेश चड़ीगढ़ के लिए है। आज हमारे देश में 18 उच्च न्यायालय हैं।

उच्च न्यायालय राज्य का सर्वोच्च न्यायालय होता है। राज्य के अन्य न्यायालय भी इसके अधीन कार्य करते हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा राज्य के राज्यपाल की सलाह पर होती है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों से भी अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति के संदर्भ में सलाह ली जाती है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. राज्य विधानसभा के लिए हमारे संविधान में सदस्यों की अधिकतम संख्या *500* निश्चित की गई है।
2. राज्य विधानसभा का कार्यकाल *5* वर्ष का होता है।
3. विधान परिषद् के *116* सदस्य राज्यपाल द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।
4. धन विधेयक राज्य की *विधानसभा* में ही पेश किया जा सकता है।
5. राज्य सूची में *66* विषय तााि समवर्ती सूची में 47 विषय हैं।
6. जिला स्तर पर उच्चतम न्यायालय *दीवानी अदालतें* तथा *जिला अदालतें* हैं।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. विश्वविद्यालय के उपकुलपति की नियुक्ति मुख्यमंत्री करता है। (✗)
2. प्रत्येक राज्य का अपना उच्च न्यायालय होता है। (✓)
3. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की अपनी विधान सभा और मुख्यमंत्री है। (✓)
4. उच्च न्यायालय के न्याधीश की नियुक्ति राज्यपाल करता है। (✓)
5. सत्र न्यायाधीश का न्यायालय जिले का सर्वोच्च फौजदारी न्यायालय होता है। (✗)
6. विधानसभा तथा विधान परिषद् का सदस्य बनने के लिए निम्नतम आयु सीमा 25 वर्ष है। (✓)

8 प्रजातंत्र में संचार माध्यमों का महत्व

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 जन संचार के विभिन्न साधन कौन-से हैं?

उ. जन संचार के विभिन्न साधन - रेडियो टेलीविजन और सिनेमा प्रमुख हैं।

प्र.2 प्रेस का लोकतंत्र में क्या महत्व है?

उ. प्रेस मीडिया जनता के विचार ज्ञात करने के लिए यह सर्वश्रेष्ठ साधन है। समाचार-पत्र विचारों के निर्माण या व्यक्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। वास्तव में प्रेस को लोकतंत्र का 'प्रकाश गृह' कहा जाता है।

प्र.3 जनता के विचारों के निर्माण में सिनेमा का क्या महत्व है?

उ. सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं अपितु इसके द्वारा देश की सामाजिक तथा राजनीतिक दशा को दर्शाकर जनमत भी बनाया जाता है। हर पहलू तथा विषय को इस प्रकार आसानी तथा मनोरंजक रूप से दर्शाया जाता है कि जनता सरकार की उपलब्धियों और हानियों को कुछ फिल्में देखकर ही ज्ञात कर लेती है।

प्र.4 'सूचना के अधिकार' से आपका क्या अभिप्राय है? प्रजातंत्र में इसका क्या महत्व है?

उ. लोकतंत्र में अपने विचारों को व्यक्त करने तथा दूसरों के विचारों को जानने का पूरा अधिकार है। कुछ राज्यों

में सूचना का अधिकार एक्ट पारित भी हो गया है। इस अधिकार के कारण सरकार की बुराइयों तथा अच्छाइयों के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्र.5 व्यावसायिक तथा सामाजिक विज्ञापन में क्या अंतर है?

उ. व्यवसायी तथा उद्योगपति अपने उत्पाद के विज्ञापन के लिए बहुत सा धन खर्च करते हैं। इसे व्यवसायिक विज्ञापन कहते हैं।

सामाजिक विज्ञापन वे विज्ञापन होते हैं जो विभिन्न प्रकार के सामाजिक विषयों, जैसे - परिवार नियोजन, घातक बीमारियाँ, स्त्रियों के प्रति सम्मान आदि के प्रति सुरक्षा इत्यादि के प्रति जागरूकता पैदा करते हैं।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 प्रजातंत्र में 'जन संचार के साधनों' का क्या महत्व है?

उ. किसी भी राजनीतिक दल के व्यक्तियों द्वारा चुनाव लड़ा जाता है। प्रत्येक राजनीतिक दल बहुमत हासिल करना चाहता है। प्रत्येक चुनाव से पूर्व प्रत्येक प्रत्याशी जन संचार के साधनों का प्रयोग जनता को अपने पक्ष में करने के लिए करते हैं। विभिन्न राजनीतिक दल अपनी-अपनी नीतियों की घोषणा करते हैं जिन्हें वे सत्ता में आने के पश्चात् क्रियान्वन करने का विश्वास दिलाते हैं।

जनता से संपर्क करने के लिए विभिन्न साधनों का प्रयोग किया जाता है जिन्हें 'जन संचार' के साधन' कहते हैं। आधुनिक प्रजातंत्र में इनका बहुत महत्व है।

प्र.2 प्रेस की स्वतंत्रता से आपका क्या अभिप्राय है? प्रजातंत्र में इसका क्या महत्व है?

उ. प्रेस अधिक अच्छा प्रकार कार्य तभी कर सकती है जब वह स्वतंत्र हो। यह सरकार के नियंत्रण के साथ-साथ समाचार-पत्रों के मालिकों तथा व्यक्तिगत लाभ से भी स्वतंत्र नियंत्रण से दूर नहीं होगी तो वह संचार के माध्यमों से अपनी उपलब्धियों को ही प्रकाशित करेगी और बुराइयों को छिपाएगी। अतः जनता को जागरूक और चौकन्ना होना चाहिए जिससे वे सरकार के नियंत्रण से अपने आप को दूर रखें। लोकतंत्र में स्वतंत्र प्रेस निपुणतापूर्वक कार्य करती है। विरोधी दल सरकार की कमियों को प्रेस द्वारा उजागर कर सकते हैं जिससे जनता अपने विचारों को सरकार की कार्य-प्रणाली के पक्ष में या विपक्ष में ढाल सके तथा यह निर्णय ले सके कि अगली बार उन्हें वर्तमान दल को वोट देना है या विराधी दल को बोट देकर जितवाना है।

प्र.3 सामाजिक विज्ञापन किस प्रकार जनता को राजनीतिक तथा सामाजिक समस्याओं तथा उनके निदान से अवगत करवाते हैं? उदाहरण देकर समझाइए?

उ. सामाजिक विज्ञापन वे विज्ञापन होते हैं जो विभिन्न प्रकार के सामाजिक विषयों; जैसे परिवार नियोजन, स्त्रियों के प्रति सम्मान, सामाजिक समानता, राष्ट्रीय एकता,घातक बीमारियाँके प्रति सुरक्षा इत्यादि के प्रति जागरूकता पैदा करते हैं।

चुनाव के समय आप विभिन्न प्रत्याशियों तथा राजनीतिक दलों के विज्ञापन पोस्टरों के रूप में देख सकते हैं। इन पोस्टरों द्वारा दलों की अच्छाइयों को दर्शाया जाता है और उनका उद्देश्य चुनाव में जनता का समर्थन प्राप्त करना होता है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. जनमत के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण साधन है *प्रेस* तथा *सिनेमा*।
2. सूचना का अधिकार एक्ट *राजस्थान* सरकार द्वारा *सन् 2000* में पारित किया गया था।
3. परिवार नियोजन संबधित विज्ञापन *सामाजिक* विज्ञापन है।
4. अशिक्षित जनता *जनसंचार* के साधनों द्वारा लाभावित होती है।
5. राजनीतिक दलों की नीतियों को उनके द्वारा दर्शाया जाता है।

प्र.घ सही वाक्या के सामने (✓) तथा गलत वाक्या के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र के लिए हानि कारक है। (✗)

2. भारत के सभी राज्यों द्वारा सूचना का अधिकार एक्ट पारित किया गया है। (✗)

3. जन संचार के साधनों द्वारा राजनीतिक तथा सामाजिक विषयों से अवगत करवाया जाता है। (✓)

4. विज्ञापन कंपनियों को अपने विज्ञापनों द्वारा जनता को भ्रमित नहीं करना चाहिए। (✓)

5. चुनाव के समय प्रत्येक राजनीतिक दल अपने चुनाव घोषणा-पत्र द्वारा जनता का समर्थन प्राप्त करने का प्रयास करता है। (✓)